रांची, सोमवार
17.02.2025
वर्ष : 10, अंक : 78 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

पलामू टाइगर रिजर्व में हाथी की मौत

लातेहार। पलामू टाइगर रिजर्व अंतर्गत गारू पश्चिमी वन क्षेत्र में एक जंगली हाथी की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद रविवार को वन विभाग की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि हाथी के पोस्टमार्टम होने के बाद ही मौत का कारण पता चल पाएगा। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को वन विभाग को सूचना मिली कि वन क्षेत्र के बीसी 10 में एक हाथी की मौत हो गई है। सूचना के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की। बाद में डिप्टी डायरेक्टर कुमार आशीष के निर्देश पर मृतक हाथी के पोस्टमार्टम के लिए चिकित्सकों की टीम के साथ वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। बताया जाता है कि हाथी की मौत बीती रात ही हो गई है। घटनास्थल पर कुछ खून के छीटें भी मिले हैं। इधर इस संबंध में डिप्टी डायरेक्टर कुमार आशीष ने बताया कि संभावना जताई जा रही है कि हाथियों के आपसी संघर्ष में यह घटना हुई होगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल वन विभाग पूरे मामले की छानबीन कर रही है ।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

गुजरात में स्थानीय निकायों के चुनाव में करीब 57 फीसदी मतदान

अहमदाबाद। गुजरात में रविवार को स्थानीय निकायों के लिए मतदान किए गए। कुल 66 नगर पालिकाओं, 3 तहसील पंचायत और 1 महानगर पालिका के लिए कुल 5084 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो गया। करीब 38 लाख मतदाता उम्मीदवारों का भविष्य तय करेंगे। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चला। गुजरात में स्थानीय निकायों के चुनाव में अभी तक कुल 213 सीट निर्विरोध घोषित की जा चुकी हैं। जूनागढ़ महानगर पालिका के 15 वार्ड की 60 सीटों में 8 सीट निर्विरोध घोषित हुई हैं। राज्य में रविवार को हुए चुनाव में शांतिपूर्ण मतदान हुआ है। हालांकि कुछ जगहों पर आरोप-प्रत्यारोप समेत हल्की नोकझोंक की खबर है। राज्य की कुल 66 नगर पालिकाओं, 2 नगर पालिकाओं की 72 सीट और जूनागढ़ महानगर पालिका की 52 सीटों पर मतदान हुआ। शाम 6 बजे तक औसत 56.60 फीसदी मतदान दर्ज किया गया है ।हालांकि अभी फाइनल मतदान का आकंड़ा आना बाकी है। मतगणना 18 फरवरी को होगी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली : नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात भगदड़ मच गई. हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. मरने वालों में 9 महिलाएं, 4 पुरुष और 5 बच्चे हैं. इनमें सबसे ज्यादा बिहार के 9, दिल्ली के 8 और एक हरियाणा का रहने वाला है. यह घटना रात करीब 10 बजे के आसपास प्लेटफार्म 13 और 14 पर हुई. घटना के वक्त हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में जाने के लिए स्टेशन पर एकत्रित हो रहे थे और ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे.

घटना की सूचना मिलने पर दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना और पूर्व सीएम आतिशी घायलों का हाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचीं. इससे पहले रेलवे पुलिस और? दिल्ली पुलिस ने घायलों को एलएनजेपी और लेडी हार्डिंग अस्पताल में भर्ती कराया.

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मामले में एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि भीड़ हद से ज्यादा थी. लोग (फुट ओवर) ब्रिज पर जमा थे.

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ से व्यथित हूं: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार रात को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ जैसी स्थिति में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की और कहा कि अधिकारी इससे प्रभावित सभी लोगों की सहायता में जुटे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा, ह्लनई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ (जैसी स्थिति) से व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्दी ठीक हो जाएं।

रेल मंत्रालय ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के दिए आदेश

मंत्रालय ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश भी दिए हैं और प्रयागराज महाकुंभ के लिए चार विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। रिपोर्टों से पता चला है कि प्रयागराज में महाकुंभ के लिए ट्रेन सेवाओं के कारण अत्यधिक भीड़ के कारण प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर अफरा-तफरी मच गई जिसके कारण भगदड़ की स्थिति पैदा हुई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दिल्ली पुलिस और आरपीएफ के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थिति अब नियंत्रण में है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। अचानक हुई भीड़ को निकालने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि नई दिल्ली स्टेशन पर इस अभूतपूर्व अचानक भीड़ को निकालने के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। अब भीड़ कम हो गई है।

इतनी बड़ी भीड़ की उम्मीद नहीं थी. मैंने त्योहारों के दौरान भी रेलवे स्टेशन पर इतनी भीड़ नहीं देखी. प्रशासन के लोग और यहां तक कि एनडीआरएफ के जवान भी वहां मौजूद थे, लेकिन जब भीड़ हद से ज्यादा हो गई तो उन्हें नियंत्रित करना संभव नहीं रहा.

मृतकों की पहचान हुई

बक्सर बिहार निवासी आहा देवी (79) , संगम विहार दिल्ली निवासी पिंकी देवी (41), सरिता विहार निवासी शीला देवी (50), बवाना दिल्ली निवासी व्योम (25), बिहार निवासी पूनम (40), बिहार निवासी ललिता देवी (35), मुजफ्फरपुर बिहार निवासी सुरुचि (11), समस्तीपुर बिहार निवासी कृष्णा देवी (40) समस्तीपुर बिहार निवासी विजय साह (15), वैशाली बिहार निवासी नीरज (12), नवादा बिहार निवासी शांति देवी (40), नवादा बिहार निवासी पूजा (8), भिवानी हरियाणा निवासी संगीता मलिक (34), महावीर एन्क्लेव निवासी पूनम (34), नांगलोई दिल्ली निवासी ममता झा (40), सागरपुर दिल्ली निवासी रिया सिंह (7), बिजवासन दिल्ली निवासी बेबी (24) और नांगलोई दिल्ली निवासी मनोज (47) के रूप में हुई है।

नई दिल्ली स्टेशन हादसा रेलवे की बड़ी नाकामी, कांग्रेस ने मांगा रेल मंत्री से इस्तीफा

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को सीधे तौर पर रेलवे की नाकामी करार देते हुए रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से इस्तीफा मांगा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस दुखद घटना के पीड़ितों के आंकड़ों को रेलवे प्रशासन छिपा रहा है। कांग्रेस मुख्यालय पर पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने रविवार को पत्रकार वार्ता के दौरान आरोप लगाया कि सरकार हादसे के समय राहत और बचाव कार्यों की बजाय लीपा-पोती में लगी थी। उन्होंने कहा कि हादसे की दुखद घटना को स्वीकार करने की बजाय आंकड़ों को छुपाया जा रहा था। नई दिल्ली रेल हादसा सीधे तौर पर प्रशासनिक व्यवस्था की नाकामी है। श्रीनेत ने कहा कि आश्चर्य की बात है कि हादसे से कुछ देर पहले ही रेलवे की सुरक्षा समीक्षा बैठक हुई थी। क्या यह केवल औपचारिकता भर थी। दूसरी और हादसे के पहले हर घंटे 1500 से अधिक प्लेटफार्म टिकट बिक रहे थे। क्या प्रशासन को अंदाजा नहीं था कि इतनी भीड़ आने वाली है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि रेलवे प्रशासन की नाकामी के कारण आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दम घुटने से 18 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 9 महिलाएं, 4 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं। हादसे के चश्मदीदों की बातें सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुलियों ने शवों को लाद-लादकर बाहर निकाला। वहां पुलिस प्रशासन और एंबुलेंस की व्यवस्था तक नहीं थी।

रेलवे ने 20 घंटे बाद बताई हताहतों की संख्या

नई दिल्ली: रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात को हुई भगदड़ की घटना में हताहत लोगों की संख्या एवं उन्हें वितरित मुआवजे की जानकारी रविवार को 20 घंटे बाद साझा की। रेलवे के एक प्रवक्ता ने यहां मृतकों एवं घायलों के संबंध में सूचना देते हुए कहा कि हादसे में मारे गए 18 लोगों के परिवार जनों को अनुग्रह राशि के रूप में 180 लाख रुपए की राशि दी गई। गंभीर रूप से घायल तीन यात्रियों को 7.5 लाख रुपए का भुगतान किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि सामान्य रूप से घायल 12 में से 10 यात्रियों को 10-10 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई है। बाकी दो घायलों को दो लाख रुपये की सहायता राशि रेलकर्मी पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कल 15 घायल यात्रियों में से 11 यात्रियों को उचित चिकित्सा प्रदान करने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। रविवार को शाम पांच बजे की स्थिति के अनुसार चार यात्री अस्पताल में भर्ती रह गए हैं, जिसमें एक घायल यात्री की चिकित्सा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में और तीन घायल यात्रियों की चिकित्सा लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में की जा रही है।

भारत को विकसित बनाने में कपड़ा क्षेत्र का भी होगा बड़ा योगदान: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में सदियों से कपड़ा उद्योग की बड़ी भूमिका रही है। वर्तमान में भारत को विकसित बनाने में भी कपड़ा क्षेत्र का बड़ा योगदान रहने वाला है। भारत टेक्स जैसे आयोजन इस क्षेत्र में भारत की स्थिति को मजबूत बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स-2025 कार्यक्रम को संबोधित कर थे। वैश्विक स्तर का आयोजन 14 से शुरू हुआ था और 17 फरवरी तक चलेगा। भारत टेक्स में 120 से अधिक देश भाग ले रहे हैं।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा कपड़ा और परिधान निर्यातक देश है। भारत का निर्यात 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। अब हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक हम इसे 9 लाख करोड़ रुपये तक लेकर जाएं। भारत के कपड़ा क्षेत्र की समस्याओं का समाधान और संभावनाओं का सृजन हमारा संकल्प है। इसके लिए हम दूरदर्शी और लम्बे कालखंड के नवाचार पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारत की कपड़ा रिसाइक्लिंग बाजार 40 करोड़ डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। वैश्विक रिसाइक्लिंग बाजार करीब 7.5 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अगर हम सही दिशा में आगे बढ़ें, तो भारत इसमें और बड़ा शेयर हासिल कर सकता है। इस सफलता के पीछे पूरे एक दशक की मेहनत और निरंतर नीति को श्रेय देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में हमारे कपड़ा क्षेत्र में विदेशी निवेश दोगुना हुआ है। कपड़ा देश में सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर देने वाली उद्योगों में से एक है। भारत की उत्पादकता में क्षेत्र 11 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। इस बार बजट में भी हमने मिशन मैन्युफैक्चरिंग पर बल दिया है। क्षेत्र में निवेश और विकास का लाभ करोड़ों कपड़ा क्षेत्र के कामगारों को मिल रहा है।

मोदी ने कहा कि भारत टेक्स अब एक मेगा ग्लोबल टेक्सटाइल इवेंट बन रहा है। इस आयोजन से कपड़ा क्षेत्र सेक्टर में निवेश, निर्यात और क्षेत्र के सम्पूर्ण विकास को जबरदस्त बढ़ावा मिल रहा है। भारत टेक्स विश्व स्तर पर नीति निमार्ताओं, सीईओ और उद्योग के नेताओं के बीच सगाई, सहयोग और साझेदारी के लिए एक मजबूत मंच बन रहा है। मोदी ने कहा कि पिछले साल उन्होंने कपड़ा उद्योग में फार्म, फाइबर, फैबरिक, फैशन और फॉरेन जैसे 5एफ फैक्टर्स की बात की थी। ये विजन अब भारत के लिए एक मिशन बनता जा रहा है। इससे किसान, बुनकर, डिजाइनर और व्यापारी के लिए ग्रोथ के नए रास्ते खोल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता ने बासुकीनाथ में किया पूजा-अर्चना

बिभा संवाददाता

दुमका। विश्वप्रसिद्ध तीर्थस्थल बासुकीनाथ धाम में फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि, रविवार को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता ने सपत्नीक पूजा-अर्चना किया। इस अवसर पर जस्टिस मेहता को पत्नी सुमन मेहता संग पंडित कुंदन पत्रलेख ने विद्वान पंडितों की सान्निध्य में वैदिक मंत्रोचार के बीच बाबा फौजदारी नाथ का जलाभिषेक कराया। पूरे विधि विधान के साथ बासुकीनाथ की पूजा के बाद माता पार्वती सहित समस्त देवी देवताओं की आराधना किया। इसके उपरांत मंदिर प्रांगण में पूरे भक्ति भाव से शिव-पार्वती एवं अन्य देवी देवताओं की आरती उतारी गई। उधर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के आगमन को देखते हुए तीर्थ नगरी की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था नजर आई। जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ न्यायिक सेवा के अधिकारी मंदिर में मौजूद थे। इस दौरान एडीजे-1 रमेश चंद्र, देवघर जिला सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार, एसडीजेएम मोहित चौधरी, रजिस्टार प्रतीक कुमार, एसपी पीतांबर सिंह खेरवार, एसडीएम कौशल कुमार एसडीपीओ जरमुंडी अमित कच्छप, डीएसपी देवघर अशोक कुमार, नाजीर पेशकार बालेंदु झा, शैलेंद्र सिंह, राजेश रावत सहित पंडा पुरोहित समाज के प्रतिनिधि व पुलिस बल मौजूद थे।

दिल्ली भाजपा की विधायक दल की बैठक आज

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के नये मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कर सकती है।

भाजपा ने पार्टी की प्रदेश इकाई के मुख्यालय 14 पंत मार्ग में सोमवार को अपराह्न दो बजे विधायक दल की बैठक बुलायी है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी रविवार की रात या कुल सुबह पर्यवेक्षक के नाम की घोषणा कर सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के प्रदेश की नयी सरकार 18 फरवरी को शपथ ले सकती है। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजित रामलील मैदान में होगा। गौरतलब है कि भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करते हुए 27 साल बाद राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में वापसी की है। पार्टी ने विधानसभा 70 में से 48 सीटें जीत दर्ज की है। वहीं सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) महज 22 सीटों पर सिमट कर रह गयी है।

सूत्रों ने बताया कि शपथग्रह समारोह का आयोज भव्य तरीके से किया जाएगा। इस में इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल और पार्टी के तमाम बड़े नेता शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित 21 राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी शपथग्रहण समारोह में भाग लेंगे।

अवैध रूप से रह रहे अप्रवासी भारतीयों को लेकर अमेरिकी सेना का दूसरा विमान भारत पहुंचा

एजेंसी

चंडीगढ़। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासी भारतीयों को लेकर शनिवार देर रात अमेरिकी सेना का दूसरा विमान अमृतसर पहुंचा। अवैध रूप से रह रहे अप्रवासी भारतीयों के भारत पहुंचने को लेकर फिलहाल किसी की तरफ से आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी सेना के विमान से इसबार 116 भारतीय नागरिकों को भारत लाया गया है।

अमेरिकी सेना का विमान शनिवार रात 11.40 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। इसके बाद करीब तीन घंटे तक कागजी कार्यवाही की गई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पिछले दो दिनों से अमृतसर में हैं और पंजाब सरकार द्वारा अमेरिका से आने वाले भारतीयों के स्वागत का प्रबंध किया गया था। इसके बावजूद देर रात जब जहाज अमृतसर में लैंड हुआ तो मुख्यमंत्री भगवंत मान की बजाए पंजाब के एनआरआई मंत्री कुलदीप धालीवाल, कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ यहां मौजूद थे। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी शनिवार रात यहां पहुंचे थे लेकिन वापस चले गए। गैर सरकारी सूत्रों के अनुसार निर्वासित लोगों में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से 2-2 और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल हैं।

महाकुम्भ में बने रिकॉर्ड, लगातार 33 दिन तक रुद्री पाठ संहिता का हुआ 11,151 बार पाठन

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ मेला में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के प्रकल्प दिव्य ज्योति वेद मंदिर ने एशिया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कर इतिहास रच दिया है। यह रिकॉर्ड शिविर में 504 ब्रह्मज्ञान में दीक्षित वेदपाठियों के नॉन-स्टॉप 33 दिवस-रात्रि तक रुद्री संहिता का पाठन कर बनाया गया। एशिया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड के आधिकारिक निर्णायक प्रमिल द्विवेदी ने दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के अध्यक्ष, स्वामी आदित्यानंद और सचिव, स्वामी नरेंद्रानंद को रविवार को रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट प्रदान किया।

इस सुअवसर पर आज अपने विचार साझा करते हुए द्विवेदी ने कहा, ह्संस्थान की वैदिक मंत्रोच्चार की यह पहल सराहनीय है। आज दिव्य ज्योति वेद मंदिर को दो रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है। जिस शुद्ध उच्चारण एवं निःस्वार्थ भावना से इन वेदपाठियों ने यह असाधारण एवं ऐतिहासिक रिकॉर्ड को स्थापित किया हैं। मुझे विश्वास है कि यह भारतीय वैदिक संस्कृति को पोषित एवं पल्लवित करने में अपनी अग्रणीय भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि 14 जनवरी, 2025 को प्रातः 3:00 बजे से प्रारंभ हुए इस रुद्रिपाठ का 16 फरवरी 2025 प्रातः 4:00 बजे समापन हुआ। इस रिकॉर्ड में कुल 566 ब्रह्मज्ञानी वेदपाठियों द्वारा शुक्ल यजुर्वेद से रुद्राष्टाध्यायी संहिता (रुद्री पाठ) का 11,151 बार पाठन किया गया जिसमें कुल 26,42,409 मंत्रों का जाप 794 घण्टों तक हुआ।ह्

रिकॉर्ड में सम्मिलित सभी वेदपाठी दिव्य गुरु आशुतोष महाराज के शिष्य-शिष्याएं हैं जो देश-विदेश से संस्थान के महाकुम्भ के सेक्टर 9 के शिविर में पधारे थे। दिव्य ज्योति वेद मंदिर की इंचार्ज, साध्वी दीपा भारती ने कहा, ह्संस्थान को इस बात पर गर्व है कि वह ऐसी असाधारण पहल करने वाला पहला आध्यात्मिक संगठन है लेकिन यह उपलब्धि सिर्फ. रिकॉर्ड बनाने के बारे में नहीं है अपितु वैदिक मंत्रोच्चार के माध्यम से प्रत्येक हृदय में शांति और एकता की भावना को जगाना ही हमारा परम लक्ष्य है।

दिव्य ज्योति वेद मंदिर द्वारा आयोजित दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) सेक्टर-9 में एक परियोजना के शिविर में इस पवित्र तप कर्म रिले के लिए 504 ब्रह्मज्ञानी वैदिक विद्वानों को एक साथ लाया। जिन्होंने 792 घंटों तक लगातार जाप किया। इसमें कुल 25,61,328 वैदिक मंत्र शामिल हैं, जिसमें शुक्ल यजुवेर्दीय रुद्र अष्टाध्यायी पाठ के 11,151 प्रतिपादन शामिल हैं। यह ऐतिहासिक उपलब्धि 14 जनवरी 2025 को सुबह 3 बजे शुरू हुई और 16 फरवरी 2025 को 4 बजे समाप्त हुई। महाकुम्भ मेले के दौरान इसे आधिकारिक तौर पर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पंजीकृत किया गया।

उल्लेखनीय है कि 180 से अधिक शहरों के ब्रह्मज्ञानी वेदपाठियों ने विश्व शांति और मानवता के कल्याण को बढ़ावा देने के महान इरादे से इन मंत्रों का निस्वार्थ भाव से उच्चारण करने का संकल्प लिया। सभी वेदपाठियों ने इस कीर्तिमान में योगदान दिया। ये वेदपाठी दिव्य गुरु आशुतोष महाराज के शिष्य हैं, जिन्होंने महाकुम्भ में इस भव्य आध्यात्मिक प्रसाद में भाग लिया है।

जनजातीय विरासत को प्रस्तुत और प्रोत्साहित करने में प्रमुख है आदि महोत्सव का आयोजनः राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कहा कि आदि महोत्सव जनजातीय विरासत को प्रस्तुत करने और उसे प्रोत्साहित करने का एक प्रमुख आयोजन है। ऐसे उत्सव, जनजातीय समाज के उद्यमियों, शिल्पकारों और कलाकारों को बाजार से जुड़ने का बहुत अच्छा अवसर प्रदान करते हैं।

जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) 16-24 फरवरी तक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम नई दिल्ली में प्रतिष्ठित आदि महोत्सव 2025 का शुभारंभ हो गया। राष्ट्रपति मुर्मु आज मुख्य अतिथि के रूप में इस महोत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम भी मौजूद रहे। इस महोत्सव में 600 से अधिक आदिवासी कारीगर, 500 प्रदर्शनकारी कलाकार भाग ले रहे है। इस मौके पर 25 आदिवासी खाद्य स्टॉल भी लगाए गए हैं। यहां 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विविध परंपराओं का प्रतिनिधित्व भी है। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि जनजातीय समाज की शिल्प-कलाएं, खान-पान, वस्त्र और आभूषण, चिकित्सा पद्धतियां, घरेलू उपकरण तथा खेल-कूद हमारे देश की अनमोल धरोहर हैं। वे न केवल पारंपरिक हैं, बल्कि आधुनिक और वैज्ञानिक भी हैं। वे पर्यावरण के साथ एक प्राकृतिक सद्भाव प्रदर्शित करते हैं और एक स्थायी जीवन शैली का अनुकरण करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में आदिवासी समुदायों के व्यापक विकास के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। किसी भी समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। यह प्रसन्नता की बात है कि देश में 470 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के माध्यम से लगभग सवा लाख आदिवासी बच्चों को स्कूली शिक्षा दी जा रही है।

राज्य में एक सशक्त वैचारिक एवं राजनीतिक माहौल तैयार करना लक्ष्य है : सुदेश कुमार

बिभास वादद्दाता

रांचीः केंद्रीय कार्यालय में आयोजित भव्य मिलन समारोह में पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की उपस्थिति में सैकड़ों युवाओं और समाजसेवियों ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर समाजसेवी आनंद राज, रोशन कुमार, गौतम सिंह, मुहर्रम सेंट्रल कमिटी के अध्यक्ष शफीकुल खान, संगठन मंत्री दानिश खान, डॉ. अखिलेश कुमार, अभय कुमार, रोहित गुप्ता समेत कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

सुदेश महतो ने इस अवसर पर कहा कि पार्टी का लक्ष्य राज्य में एक

सशक्त वैचारिक एवं राजनीतिक माहौल तैयार करना है, जिससे संगठन की विचारधारा को अधिक प्रभावी ढंग से जन जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनावी सीमाओं से परे, समाज के हर वर्ग के लोगों का पार्टी में जुड़ना इस नए नेतृत्व की स्वीकार्यता को दशार्ता है।

इस अवसर पर केंद्रीय महासचिव बुद्धिजीवी मंच डा॰ मुकुंद मेहता, संजय मेहता अध्यक्ष ज्ञान सिंहा, जिला उपाध्यक्ष डा॰ पार्थ परितोष, जिला सचिव दयाशंकर, मीडिया आयोजक परवाज खान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मिलन समारोह में एम.डी. शफीक खान (मुहर्रम सेंट्रल कमिटी अध्यक्ष), मोहम्मद नईम (संगठन मंत्री), मोहम्मद जीशान, मोहम्मद कैफ जुबैर, डॉ. अखिलेश, ओवैस अख्तर, आनंद राज, रौशन कुमार महतो, गौतम सिंह, संजीव सिंह, दीवाकर राज, नरेश साहू, सुनील गुप्ता, रौशन कुमार, बाबलू जी, उमेश जी, रणविजय सिंह, रोहित गुप्ता, संजित कुमार, राहुल कुमार, रितेश टॉप्पो, मनू कुमार समेत सैकड़ों कार्यकताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के जिलों में संगठन के विस्तार के लिए प्रभारी अधिकारियों की नई नियुक्ति

संगठन की गतिविधियों को मजबूती देने, संगठनात्मक विस्तार और क्षेत्रीय स्तर पर कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विभिन्न जिलों में नए जिला प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। इन नियुक्तियों का उद्देश्य पार्टी को अधिक संगठित नेतृत्व देना और स्थानीय स्तर पर संगठन विस्तार को सशक्त बनाना है।

नए जिला प्रभारी

रांची जिला: राजेंद्र मेहता, संजय महतो, संजय महतो (सोनाहातू), राजकिशोर महतो, डॉ. पार्थ परितोष
गुमला जिला: रामलखन साहू, विश्वनाथ भगत, अरविंद यादव
लोहरदगा जिला: अशुतोष तिवारी, हकीम अंसारी , खूंटी जिला: केशव चंद्र महतो, अभिषेक राज हेरेंज रमेश भगत
सिमडेगा जिला: दीपक महतो, गोपीनाथ सिंह, भूषण भगत महिला जिला प्रभारी रांची जिला निर्मला भगत, पार्वती देवी लोहरदगा जिला अंजू देवी , मुनिया देवी को बनाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

सिल्लीडीह में स्वास्थ्य केंद्र भवन में बरती जा अनियमितता, लागत राशि की हो रही लूट

सिल्ली(बिभा): विभागीय उदासीनता एवं संवेदक की मनमानी के बीच सिल्ली प्रखंड अंतर्गत लुपुंग पंचायत के सिल्लीडीह में 55 लाख से स्वास्थ्य केंद्र का भवन निर्माण हो रहा है जिसमें घोर अनियमितता बरती जा रही है। संवेदक और विभागीय जेई के मिलीभगत से भवन निर्माण में तीन नंबर का अवैध बांग्ला भट्ठा का ईटा उपयोग किया जा रहा है तथा सीमेंट बालू और गिट्टी का मिश्रण में भी खुल्लेआम अनदेखी हो रहा है। छड़ भी जितना एमएम का लगाना है उतना का नही लगाया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीण ने बताया नाम मात्र नींव खोदकर दीवाल खड़ा किया गया है वो भी 5 इंच का, इस कारण ग्रामीणों में आक्रोश है। मजे की बात है ठेकेदार और झारखंड राज्य भवन नर्माण निगम लिमिटेड के अधिकारी कार्य स्थल पर कभी नही आते है। मालूम हो की आज से करीब एक दशक पूर्व भी इसी गांव में 27 लाख की लागत से प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण के लिए शिलान्यास किया गया था। इतने बर्षो बाद भी भवन का निर्माण कार्य अधूरा है और अधिकांश लागत राशि को निकासी कर लिया गया है। इसको लेकर कई ग्रामीणों के द्वारा इसकी शिकायत भी किया था, लेकिन किसी ने सुना नही। सूत्रों का माने तो हर विकास योजनाओं का ठेकेदार सफेदपोशों के रिस्तेदार होते है सफेदपोशों का अप्रत्यक्ष रूप से ठेकेदार को संरक्षण प्राप्त रहता है।

काठीटांड़ में महिला ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

रातू(बिभा) : थाना क्षेत्र के काठीटांड़ निवासी जीटी अली के घर में किराया पर रह रहे तौहिद अंसारी की पत्नी खुशबू परवीन (28) ने बीती रात पंखे में दुपट्टे से फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर शनिवार की सुबह पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शव का पंचनामा कर रिम्स में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। खुशबू फुटकलटोली स्थित अलकमर कॉलोनी रोड नंबर-चार की रहनेवाली थी। अपने ननदोई से प्रेम प्रसंग के बाबत परिवार के लोगों से मिली दुत्कार के बाद पति और बच्चों के साथ किराये के मकान में रहती थी। मृतका के दो बच्चे हैं। मामले में यूडी केस दर्ज किया गया है।

राज्यकर्मियों के मांगों को 20 मार्च तक पूरा करे झारखंड सरकार : महासंघ

रांची(बिभा) : सर्वे मैदान कचहरी परिसर में झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के सचिव मंडल की बैठक महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर की अध्यक्षता में सर्व सहमती से संपन्न हुई ।बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड सरकार से महासंघ के मांगों को 20 मार्च तक वार्ता कर पूरा करने की मांग की गई अन्यथा बाध्य होकर महासंघ अपने 10 सूत्री मांग को लेकर झारखंड विधानसभा के समक्ष विधानसभा के चालू सत्र के दौरान दिनांक 20 मार्च 25 को एक दिवसीय धरना देने का निर्णय लिया गया। महासंघ के प्रमुख मांगों में राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने, योग्यता धारी चतुर्थ वर्गीय कर्मियों को तृतीय वर्ग में सीधे प्रोन्नति देने ,रिम्स के नर्सों सहित अन्य को ओ पी एस सहित सभी लाभ देने, जन सेवकों को प्रोन्नति देने, शिक्षकों को एम ए सी पी का लाभ देने, सभी अनुबंध कर्मियों को नियमित करने सहित अनुबंध प्रथा समाप्त करने की मांग की गई। बैठक में महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सहानुभूति पूर्वक मांगों को पूरा करने की जोरदार मांग की। बैठक में महासचिव साहेब राम भोक्ता ने सभी साथियों से एकजुट होकर संघ/महासंघ को मजबूत बनाने की बात कही। आज की बैठक में मुख्य रूप से महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर, महासचिव साहेब राम भोक्ता, सम्मानित अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार, संयुक्त महासचिव अतीश झा, उपाध्यक्ष मृत्युंजय झा, राज्य सचिव रामसेवक महतो, कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार जयराम प्रसाद, बरमेश्वर मंडल, अखिलेश कुमार, ज्योति शंकर भगत एवं रवि भूषण । उपस्थित थे ।

क्रिकेट@90: भारतीय रिजर्व बैंक ने एसएलबीसी को हराया

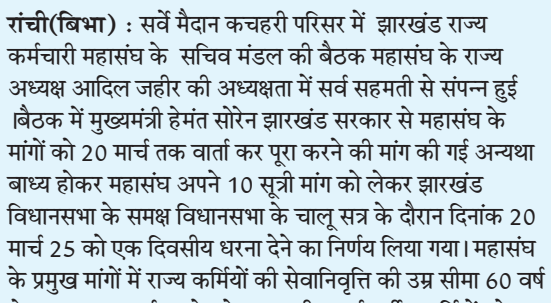

रांची(बिभा) : भारतीय रिजर्व बैंक के 90वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित अपने नवोन्मेषी कार्यक्रमों और अभिनव पहलों की श्रृंखला की एक और कड़ी के रूप में राँची क्षेत्रीय कार्यालय ने 90 गेंदों की क्रिकेट प्रतियोगिता 'क्रिकेट@90' का आयोजन किया। इस अनूठी प्रतियोगिता में भारतीय रिजर्व बैंक, राँची, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, एसएलबीसी एवं नाबार्ड की टीमों ने भाग लिया। राँची के सेंट्रल एकेडमी, बुद्धिस्ट मिशन कैंपस के मैदान में रविवार को आयोजित इस प्रतियोगिता में भारतीय रिजर्व बैंक, राँची की टीम ने क्षेत्रीय निदेशक श्री प्रेम रंजन प्रसाद सिंह के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में एसएलबीसी की टीम को हराकर विजय प्राप्त की। पाँच गेंद प्रति ओवर, कुल नौ ओवर और नौ खिलाड़ियों के दल जैसे अनोखे नियमों और रोमांचक मुकाबलों से भरी इस प्रतियोगिता ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। झारखंड राज्य में 90 गेंदों के इस अनूठे प्रारूप का यह पहला प्रयोग था, जिसने क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों दोनों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया। रोमांचक और चुनौतीपूर्ण पलों से सजी इस प्रतियोगिता में हर टीम ने बेहतरीन खेल भावना का परिचय दिया। प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र थी कि हर गेंद और हर रन निर्णायक साबित हो रहे थे। खिलाड़ियों के जोश और दर्शकों के उत्साह ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। क्रिकेट के इस नवाचारी आयोजन ने साबित किया कि खेल में नए प्रयोग और उत्साह का मेल, इसे और भी रोमांचक बना सकता है।

अम्बा गाढ़ा के जगह बड़का टाँड़ में बना तालाब जनहित में नहीं, लोग मान रहे राशि का दुरुपयोग

बिभा संवाददाता

खूँटी । शहरी क्षेत्र में नगर नगर पंचायत द्वारा दो वर्ष पहले कूड़ा गड्ढा में तालाब निर्माण किया जाना महज एक ठीकेदारी बनकर रह गया है। खूँटी नगर पंचायत के जमुआदाग रोड पर तालाब का निर्माण कराया गया है। लेकिन इस तालाब में न तो पानी का बढ़िया श्रोत है और न ही उपयोगी। गर्मी में पानी पूरी तरह सूख जाता है। लोग बताते हैं कि सप्लाई पानी पाईप से तालाब में पानी भरा जाता है। वहीं जिस उद्देश्य से तालाब बनाया गया था वहीं बेतरतीब तरीके से तालाब निर्माण किये जाने से बेकार हो गया है। तालाब निर्माण के बाद नयी योजना से इस सूनसान राह में शराबी बैठकर छीपकर शराब पीते हैं और तालाब के पानी में बोतलें और प्लास्टिक आदि फेंक देते हैं। जिससे तालाब में कूड़ा भर गया जिससे पानी भी गंदा हो गया है। वहीं तालाब में सीढ़ीयाँ ऐसा बनाया गया है कि कोई आदमी आसानी से नीचे उतर ही नहीं सकता है। वहीं उतरने के लिए सुव्यवस्थित नहीं होने से मवेशी भी यहाँ कि पानी पी नहीं पाते हैं। वहीं कुल मिलाकर जमुआदाग जानेवाली सूनसान सड़क पर किया गया तालाब निर्माण केवल ठीकेदारी मात्र बनकर रह गया है। ग्रामीण ये भी बतला रहे हैं कि तालाब अम्बा गढ़ा में बनाना था लेकिन अम्बा गढ़ा में तालाब निर्माण न करके पैसा बचाने के लिए ठीकेदार और नगरपंचायत मिलकर बड़का टाँड़ स्थित कूड़ा गड्ढा में ही तालाब निर्माण करा दिया। जिसका कोई उपयोग नहीं है। जो केवल शराबियों का अड्डा बनकर रह गया है। जमुआदाग निवासी अनन्त राम ने बताया कि यह कूड़ा गधा था जिसको थोड़ा खोद कर तालाब का रूप दे दिया गया है। यहाँ तालाब बनाना नहीं था यह अम्बागढ़ा जगह के नाम से तालाब बनाना था लेकिन कूड़ा गड्ढा में नगर पंचायत तालाब बनवा दिया है। जिसका आज तक कोई उपयोग नहीं हुआ है यहाँ सीढ़ी भी उतरने लायक नहीं है। न ही मवेशी उत्तर पाएंगे। इसकी जानकारी नगर पंचायत को दी जा चुकी है लेकिन पैसे के बंदरबाँट किये जाने के कारण सभी मौन हैं। जगदीश राम ने बताया कि पैसा बचाने के लिए ठेकेदार मनमानी ढंग से कूड़ा गड्ढा को तालाब का आकार दिया। यहाँ पानी का स्त्रोत भी नहीं है सप्लाई पानी का पाइप तोड़कर पानी जमा किया गया है। फरवरी समाप्त होते ही सारा पानी सूख जाएगा। जमुआदाग निवासी मुकेश कुमार गोप ने बताया कि यह तालाब बेतरतीब बनाया गया है। जिसमें पानी सूख जाता है। वहीं यह शराबियों का अड्डा बन गया है और यह बैठने लायक भी जगह नहीं है। जबरदस्ती पैसा खर्च करने के लिए सीमेंट का कुर्सी लगाया गया है। रघुनंदन राम ने बताया कि तालाब के निर्माण से किसी को कोई फायदा नहीं है। जो की उपयोग लायक नहीं है यहां पानी सूख जाता है मवेशी भी यहाँ उतरकर पानी नहीं पी पाते हैं। जो कि सबके लिए खतरा बना हुआ है। इससे पैसे का दुरुपयोग माना जा सकता है।

अफीम फल में चीरा लगाकर अफीम निकालना हो गया शुरू

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में अफीम की भरमार खेती के साथ अब अफीम निकलना शुरू हो गया है। अफीम फल में लोग चीरा लगाना शुरू कर दिये हैं। वहीं अफीम के खेतीहर किसान व्यवसाय के लिए अफीम जमा करने लगे हैं। अफीम फसल के लिए किसान सुबह शाम दिनभर देख-रेख और पानी पटवन कर रहे हैं ताकि अफीम के फल पर रस की कमी न हो और फल में चीरा लगाने से अधिक से अधिक अफीम निकाला जा सके। हालांकि पुलिस अफीम फसल को विनष्ट करने में एड़ी-चोटी एक कर दिया है। लेकिन विगत 15-20 वर्षों से लगी आदत और इस बार अफीम उत्पादन के लिए की गयी जबरदस्त खेती पुलिस के लिए चैलेंज का विषय बन गया है। इस बार स्वयं आईजी डीआईजी डीजीपी और विशेष कर झारखंड सरकार को एक्शन मोड में काम करना पड़ गया। मिली जानकारी के अनुसार, मारंगहादा क्षेत्रों में अफीम फल में चीरा लगाकर अफीम इकठ्ठा करने लगे हैं। वहीं अब फसल विनष्ट करने के लिए पुलिस ड्रोन कैमरा का उपयोग करने लगी है। जिससे अफीम की खेती को आसानी से देखा जा सके। वहीं अफीम खेती को समाप्त करने के लिए दूसरे जिलों से भी पुलिस अधिकारी व बलों की तैनाती की गयी है। जो स्थानीय थाना से मिलकर प्रतिदिन फसल विनष्टीकरण में लगे हुए हैं।

अफीम फसल विनष्टीकरण के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की गयी विशेष बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में रविवार को पुलिस अधीक्षक अमन कुमार द्वारा अफीम की खेती से प्रभावित थाना क्षेत्र के संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी/प्रतिनियुक्त पुलिस उपाधीक्षक/पुलिस निरीक्षक एवं थाना प्रभारी के साथ बैठक किया गया। उक्त बैठक में खूंटी जिला अंतर्गत अफीम की खेती के पूर्ण रूप से विनष्टीकरण हेतु चलाए जा रहे खेती के दौरान विशेष अभियान का समीक्षा किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा अभियान में किए जा रहे विनष्टीकरण और गिरफ्तारी में संयोजन कर तेजी लाने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी बचे हुए गांव को चिन्हित करते हुए विनष्टीकरण करने हेतु निर्देश दिया गया । विशेष चालक थाना क्षेत्र में जागृति अभियान चलाने के लिए भी निर्देश दिया गया। खेती कार्य के दौरान सभी थाना क्षेत्रों में जागरुकता अभियान चलाने के लिए भी निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में खूँटी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला में प्रतिनियुक्त पुलिस उपाधीक्षक एवं खूँटी अनुमंडल के सभी पुलिस निरीक्षक एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

इस दौरान बैठक में थाना वार किए गए विनष्टीकरण का आंकड़ा भी प्रस्तुत किया गया। जिसमें अड़की थाना 2544.49 एकड़, मुरहू थाना 1685.53 एकड़, सयको थाना 1472.5 एकड़, खूँटी थाना 1225.95 एकड़ , मारंगहादा थाना 1477.5 तथा तोरपा पुलिस अनुमंडलीय क्षेत्र के कर्रा+तोरपा+तपकरा - 88.32 अफीम फसल विनष्ट किये जाने का आँकड़ा प्रस्तुत किये गये।

कोचांग व तुबिल गाँव के लोगों के बीच चलाया गया जनजागरण

खूँटी । जिले के अड़की थाना क्षेत्र के कोचांग गाँव में रविवार को अफीम की खेती नहीं करने हेतु अंचल निरीक्षक खूंटी के द्वारा जागरण कार्यक्रम किया गया। इसी क्रम में सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत तुबिल मैदान मे हॉकी के खिलाड़ियों के बीच हॉकी का ड्रेस एवं हॉकी डंडा का वितरण किया गया एवं अफीम की खेती नहीं करने हेतु जनजागरण किया गया।

खूँटी जिला पुलिस की नई पहल : अफीम की खेती को नष्ट करने के साथ वैकल्पिक खेती को बढ़ावा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला पुलिस ने अफीम की खेती को नष्ट करने के साथ-साथ वैकल्पिक खेती को बढ़ावा देने का काम शुरू किया है। जिसमें मुरहू थाना क्षेत्र के गनालोया पंचायत अंतर्गत मड़गाँव में किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिला पुलिस ने ग्रामीणों को साथ लेकर बोरीबांध का निर्माण किया गया। इस गाँव के ग्रामसभा ने फैसला लेकर अपने गाँव में ग्रामीणों द्वारा यहाँ तरबूज और अन्य फसल लगाने का निर्णय लिया गया। गाँव में पानी की समस्या को देखते हुए एसपी अमन कुमार द्वारा आर्थिक और शारीरिक सहयोग कर ग्रामसभा के ग्रामीणों और सेवा वेलफेयर के साथ मिलकर बोरीबांध बनाया गया। खूँटी पुलिस के मेजर और जवानों ने भी श्रमदान के साथ उनका हौसला बढ़ाया।

इस गाँव के किसानों ने पुलिस द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान के बाद ग्रामसभा में अफीम की फसल को नष्ट कर वैकल्पिक खेती करने का निर्णय लिया। गाँव में लगे सारे लोग मिलकर अफीम की फसलों को स्वंय विनष्ट किया। ग्रामीणों की इस कार्य की सराहना करते हुए एसपी अमन कुमार ने गांव के किसानों को वैकल्पिक खेती के कार्यों में मदद करने का काम शुरू किया है।

इस बोरीबांध के बनने से मड़गाँव के किसान लगभग 25 एकड़ से ज्यादा खेतों में वैकल्पिक फसलों की सिंचाई के लिए पानी मिल पाएगा। यह पानी गर्मी के मौसम में भी खत्म नहीं होगा। वर्तमान में मड़गांव के किसानों के द्वारा 12 एकड़ में तरबूज, बंधागोभी, टमाटर समेत अन्य सब्जी की खेती की गई है।

एसपी अमन कुमार ने बताया कि खूँटी जिला को अफीम मुक्त बनाने के लिए खूँटी पुलिस ने एक और कदम लोगों को जोड़ने के लिए आगे बढ़ाया। जिसमें मड़गाँव के लोग स्वयं अफीम फसल को विनष्ट करने का बीड़ा उठाया है। जहाँ गाँव के लोग तरबूज की खेती करना चाहते हैं तो उसके लिए पानी की आवश्यकता हेतू बोरी बांध बनाया जा रहा है। जिसमें पुलिस आर्थिक मदद के साथ पुलिस बल श्रमदान भी करके बोली बांध बनाने में मदद किया है। वहीं खूँटी पुलिस इस जिले को अफीम मुक्त बनाने के लिए जिला पुलिस सदैव तत्पर है।

कुम्भ स्नान करने गये वृद्ध ब्रम्हदेव परिवार से बिछुड़कर हुए गुम

खूँटी । कुम्भ मेला में शनिवार को नगर पंचायत क्षेत्र के नामकोम गाँव निवासी ब्रम्हदेव प्रसाद सिंह अचानक बेटा व पत्नी से बिछड़ जाने के कारण गुम हो गए। जिससे परिवार जन काफी चिंतित हैं। वहीं उनके सुपुत्र अरविंद प्रसाद सिंह ने बताया कि उनके पिताजी माँ और भाई कुम्भ स्नान करने प्रयागराज गये हुए हैं। वहीं कुम्भ स्नान के पश्चात तीनों वापस लौटने के लिए स्नान के बाद मेले से निकलकर प्रयागराज रेलवे स्टेशन आ रहे थे। इसी बीच पिताजी ने हाथ छुड़वा लिया और फिर माँ और भाई रेलवे स्टेशन पहुँच गये पर पिताजी स्टेशन नहीं पहुँच पाये। उनके पास न तो पैसा है और न ही मोबाईल फोन । अब उन्हें ढुंढने के लिए सभी लगे हुए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस को इसकी जानकारी दे दी गयी है। पर, अबतक पिताजी का पता नहीं चल पाया है। सभी उनके गुम हो जाने से काफी दुखित और चिंतित हैं।

श्री श्याम मंदिर में हजारीबाग से पैदल चलकर पहुंचे श्रद्धालु

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : फाल्गुन का रंग नजर आने लगा है, फाल्गुन में श्याम भक्त दूर दूर से निशान पुजा कर आस पास के श्याम मंदिर में चढ़ाते हैं। इसी क्रम में आज श्री श्याम मंदिर रामगढ़ पहला पदयात्रा निशान हजारीबाग के चार श्रृद्धालु ने समर्पण किया।

हजारीबाग से पैदल चलकर बाबा का निशान लेकर सुबह 6:00 बजे निकले यात्री शाम को 7:00 बजे बाबा श्याम के दरबार में पहुंचें और बाबा को निशाना अर्पित किया' यह दुर्लभ क्षण लोगों के लिए आनंददायक और भक्ति भावपूर्ण थे। हजारीबाग में मनोज अग्रवाल, रिषभ अग्रवाल , सुरज अग्रवाल व सक्षम अग्रवाल शामिल हैं।

कोलकाता तुलसी धाम से मनोज खेतान ,सुदेश खेतान अरुण अग्रवाल राजेश टिंबरेवाल, मनोज खेतान, सुदेश प्रधान,अरुण भालोटिया, प्रवेश आलोक गोयनका सहित अनेक भक्त बाबा श्याम के दर्शन को आज पहुंचे। इस अवसर पर अनेक श्याम भक्त उपस्थित थे और उनकी प्रसाद एवं विश्राम की व्यवस्था की गई। सभी को दुपट्टा उड़ा कर सम्मानित किया गया। रांची श्री श्याम मंदिर राम रांची गौशाला से प्रमोद सारस्वत एवं कृष्ण गोयल उपस्थित थे।

कोंचो पहाड़ शिव मंदिर की स्थापना करने वाले ने की शिव मंदिर निर्माण के लिए दान करने की अपील

सिल्ली : वर्ष 2001 में कोंचो पहाड़ शिव मंदिर की स्थापना करने वाले निरंजन कुम्हार ने मंदिर निर्माण के लिए शिव भक्तों एंव पुण्य की प्राप्ति, मोक्ष की प्राप्ति धन और समृद्धि की प्राप्ति, सुख और शांति की प्राप्ति तथा भगवान की कृपा प्राप्ति करने वालों से दान करने की अपील किया है। उन्होंने बताया मंदिर निर्माण की स्थापना में डॉ विधानन्द चौधरी मृत्युंजय महतो स प्लस टू उच्च विद्यालय सिल्ली जीतू भगत सिल्ली मनोज महतो कोंचो श्यामसुंदर महतो कोंचो का योगदान था। निरंजन कुम्हार ने कोंचो पहाड़ शिवमंदिर की विशेषता को बताया 1100 फीट की ऊंचाई में स्तिथ इस मंदिर में कोचों ठाकुर और कोंचो ठाकराइन जो मन्नतें मांगी जाती है वो मन्नतें पूरी होती है। उनके नाम पर पूजा करने वालों की सभी कार्य सफल होती है उनके आत्म आह्लाद मात्र से सारे दु:ख दूर हो जाते है। उन्होंने कहा है की जिन दाताओं को मंदिर निर्माण कार्य पूरा करने में सहयोग करना है वो अपनी इच्छा से यूनियन बैंक आफ इंडिया शाखा सिल्ली के खाता संख्या 300902010242983 में सहयोग राशि दे सकते है।

जेल लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता शिविर व स्वास्थ्य कैंप का आयोजन

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के उपकारा खूँटी में रविवार को उपकारा लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने कहा कि डालसा वैसे परिवार को मदद करती है जिसका वार्षिक आय तीन लाख से कम हो उसे निशुल्क सहायता उपलब्ध कराती है चाहे वे बंदी के परिवार हो या आम परिवार के। उन्होंने बंदियों को उनके अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए यह भी बताया की अपने-अपने वाद संख्या के बारे, अपने अधिवक्ता का नाम एवं मोबाइल नंबर की जानकारी रखना प्रत्येक बंदी का अधिकार है।

डालसा के सहयोग से महिला एवं पुरुष बंदियों को फिर से नयी जिंदगी जीने एवं अपने परिवार के साथ जिंदगी गुजारने का मौका प्राप्त हुआ। साथ ही चिकित्सा विभाग की टीम के द्वारा उपकारा खूंटी में चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें उपकारा खूँटी के काराधीन बंदियों के स्वास्थ्य को देखते हुए आवश्यक ईलाज एवं दवाईयाँ उपलब्ध कराई गई। उपरोक्त जानकारी डीएलएसए सचिव श्रीमती राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

संक्षिप्त खबरें

श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के नए कार्यकारणी का गठन

मुख्य संरक्षक सुबोधकांत सहाय , संरक्षक कुणाल अजमानी बने

रांची (बिभा): श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के द्वारा रविवार को महाशिवरात्रि की झाँकी को भव्य और विशाल रूप देने को लेकर पहाड़ी मंदिर प्रांगण में अति महत्वपूर्ण बैठक की गई । जिसमें पुराने समिति को भंग करते हुए सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन किया गया । इस बैठक में निर्णय लिया गया कि इस बार मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मुख्यमंत्री झारखंड श्री हेमंत सोरेन, मुख्य संरक्षक सुबोध कांत सहाय, संरक्षक कुणाल अजमानी,विनय सरावगी, सुमित सिंह , कुमार राजा , राजेश गुप्ता छोटू , अजित सिंह, नवनीत सिंह , पूर्व गृह सचिव एनएप पांडेय, राकेश सिन्हा,रंजन कुमार,नीलेश सिंह ,आयोजन प्रभारी प्रेम साहू, मुख्यआयोजक जितेंद्र सिंह, संयोजक दीपक लाल ,विश्वनाथ मंदिर अध्यक्ष एवं बारात स्वागत कर्ता शैलेश्वर दयाल सिंह साथ ही सभी के सर्वसम्मति से अध्यक्ष राजेश साहू ,कार्यकारी अध्यक्ष गगन कुमार, सहसंयोजक देवाशीष राय , सचिव राजकुमार तलेजा , प्रवक्ता बादल सिंह , महामंत्री उर्मिला चौधरी , कोषाध्यक्ष दीपक नंदा , बारात प्रभारी मेहुल प्रसाद ,उपसचिव स्वपना चटर्जी, वरीय उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता ,शुभाशीष चटर्जी ,अरुण वर्मा दीपक शर्मा,पूनम जायसवाल ,मुरारी मंगल ,उदयशंकर चौधरी, कलाकार प्रभारी राम सिंह , सह प्रभारी सुधांशु सिंह ,उपाध्यक्ष रजत शर्मा , रवि वर्मा,अमन सिंह ,आशुतोष वर्मा पायल सोनी ,मंत्री प्रीति सिन्हा , मीरा गुप्ता ,अर्चना मिर्धा ,संजना शर्मा , स्वेता सिंह,रागनी जायसवाल, सहसचिव कुमकुम गुप्ता, वरिष्ठ सचिव राजीव वर्मा ,सह मंत्री खुशबू गुप्ता , स्वीटी गुप्ता , अनीश कुमार, सुनील गुप्ता, संदीप गुप्ता,बाल किशन शर्मा, पुजारी कबीर दास बाबा , पिंटू बाबा , मनोज बाबा , राधाकिशन पाठक आदि तमाम शिव भक्त मौजूद रहे। ये जानकारी प्रवक्ता बादल सिंह ने दिया। इस साल इकोफ्रेंडली झाँकी निकाला जाएगा एवं प्लास्टिक मुक्त रहेगा सभी झाँकी ।

पशुपतिनाथ मंदिर में 9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ 22-23 फरवरी को

रांची(बिभा)। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्राचीन पशुपतिनाथ मंदिर में अखिल विश्व गायत्री परिवार, रांची द्वारा 22-23 फरवरी को 9 कुंडीय नवचेतना जागरण गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सद्गुरु ज्ञान गंगा सद्ग्रंथ शोभा यात्रा एवं मंगल जल कलश यात्रा, युग संगीत एवं युग संदेश कार्यक्रम, दीप यज्ञ, कार्यकर्ता गोष्ठी, संगीतमय प्रवचन, पुस्तक मेला, पौधा वितरण, पूर्व पंजीयन के आधार पर निःशुल्क सनातन संस्कार अनुष्ठान का भी आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा में महिलाएं पीली साड़ी पहनकर भाग लेंगी। महायज्ञ में भागीदारी हेतु भारतीय परिधान में आना अपेक्षित है। इस संदर्भ में रविवार को मंदिर परिसर में एक तैयारी बैठक भी हुई जिसमें गायत्री परिवार की रांची जिला युवा समन्वयक सुलोचना शाहदेव, गायत्री परिवार के राजू कुमार, दीपक दयाल प्रसाद तथा पशुपतिनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सुनील कुमार पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

रामराज्य की पुनर्स्थापना में सभी की भागीदारी होः स्वामी दिव्यानंद

रांची(बिभा) : मातृभूमि (राष्ट्रवादी संस्था)की वार्षिक आम सभा रांची हरमू पटेल पार्क के अंदर आयोजित की गई। वार्षिक आम सभा के बाद संस्था के अध्यक्ष प्रेम वर्मा के अध्यक्षता मे राष्ट्रवाद पर परिचर्चा हुई। सभा के मुख्यअतिथि स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने सनातन के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु उपस्थित लोगों के बीच सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से अपनी बातें रखें। मुख्यवक्ता पूजा चौहान ने कहा बड़ी बड़ी कंपनियां हलाल प्रमाणित खाद्य पदार्थ बना रही है जिससे गैर मुसलमानों को सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि हलाल खाद्य पदार्थ मे नन वेज का अंश हो सकता है। अध्यक्ष प्रेम वर्मा ने कहा हिन्दू वाद का मतलब राष्ट्रवाद है क्योंकि भारत में 85 % हिंदू निवास करते हैं,हिंदूवाद और राष्ट्रवाद का गहरा संबंध है।अतः भारत स्वतःहिंदू राष्ट्र है। सभा के आखिरी चरण मे मातृभूमि संस्था का विस्तार करते हुए कुछ नए पदाधिकारियों में सर्वश्री विनोद वर्मा,सुबोध मिश्रा एवं प्रेम झा को संरक्षक एवं शिव किशोर शर्मा को मीडिया सलाहकार साथ ही आनंद वर्मा को सदस्य के रूप मे मनोनीत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन शिव किशोर शर्मा ने किया। आज के परिचर्चा में मुख्यरूप से संरक्षक बिपिन कुमार,सचिव बहुरन लोहारा,अनिल सिन्हा, पी.के.प्रधान,रोहित कुमार, संतोष कुमार,शंकर तिवारी, कुमार अंकुर,राकेश सहाय,प्रेम शंकर झा,शंभु वर्मा,विकाश कुमार,रोहित लोहारा,पीयूष झा, जितेंद्र कुमार,रूबी देवी, आर.पी. साहू,ऋषि चावला,चंद्रशेखर गुप्ता,विनय कुमार आदि उपस्थित थे। हिंदुत्व के लिए संघर्ष करने की संकल्प लेकर कार्यक्रम की समापन की घोषणा की गई।

मेगा ट्रेड फेयर का समापन आज, ऑफरों की होगी बारिश

रविवार की छुट्टी होने कारण ट्रेड फेयर पहुचें लाखों लोग, जमकर हुई खरीदारी

बिभा संवाददाता

रांचीः मोरहाबादी मैदान में आयोजित 16वें इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर के समापन सोमवार को होगा। फेयर के अंतिम दिन स्टॉलधारकों की ओर से आकर्षक ऑफरों की बरसात होगी। कई उत्पादों पर भारी छूट मिलेगी। रांचीवासी इन आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। झारखंड चैंबर और जीएस मार्केटिंग एसोसियेट्स का संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस फेयर में रविवार को लोगों की भारी भीड़ जुटी। रविवार की छुट्टी होने के कारण दोपहर दो बजे से ही लोगों की भीड़ ट्रेड फेयर में उमड़ने लगी। फेयर में लगे सभी हैंगरों में लगे स्टॉलों पर लोग खरीदारी करते दिखे। लोगों की भीड़ और खरीदारी होता देख स्टॉलधारक भी खुश नजर आये। वहीं, ट्रेड फेयर में प्रवेश के लिए लंबी लाइन लगी। टिकट कांउटर पर टिकट लेने के लिए लंबी लाइन दिखी। ट्रेड फेयर में आठ देशों और 15 राज्यों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी है। फेयर में हैण्डीक्राफ्ट आईटम, वुडन फर्नीचर, हेंण्डलूम, इलैक्ट्रिक आईटम, रोटी बनाने, आटा गूंथने की मशीन, क्रॉकरी आईटम, कटलरी, किचन, वेयर, खादी के कपडे, गिफ्ट आईटम की जमकर खरीदारी हो रही है। लोग अपनी जरूरती की वस्तुएं की खरीदारी करते दिखे। वहीं, खाने का भी आनंद उठाया।

दीपिका पांडे सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की और डॉ महुआ माजी पहुंची ट्रेड फेयर

रविवार को ट्रेड फेयर में झारखंड चैंबर की ओर महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री दीपिका पांडे सिंह, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने उपस्थित महिलाओं को प्रोत्साहित किया। कृषि मंत्री ने झारखंड चैंबर से राज्य सरकार के सहयोग से कॉन्क्लेव करवाने की बात कही। उन्होंने कहा कि झारखंड चैंबर हमेशा राज्य सरकार को उद्योग और व्यवसाय को बढ़ाने के लिए नये नये आइडिया देते आ रहा है। राज्य के कई लोग स्किल और रोजगार से जुड़े नहीं है। इसमें एक बड गैप है। राज्य सरकार और झारखंड चैंबर मिलकर इस गैप को भर सकते हैं। ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री ने कहा कि ट्रेड फेयर का आयोजन सराहनीय है। झारखंड सरकार आगे भी झारखंड चैंबर को सहयोग देते रहेगी। डॉ महुआ माजी ने भी ट्रेड फेयर को सफल बताया। इस अवसर पर झारखंड चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष ज्योति कुमारी, राहुल साबू, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव नवजोत अलंग, विकास विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष प्रवीण जैन छाबड़ा, कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा, संजय अखौरी, मनोज मिश्रा, अरूण भरतीया, सौरव अग्रवाल आदि मौजूद थे।

प्रोजेक्ट चेयरमेन अमित शर्मा और शैलेश अग्रवाल ने बताया कि ट्रेड फेयर के समापन सोमवार को हो जायेगा। एक ही छत के नीचे आठ देशों और 15 राज्यों के उत्पादों को देखने और खरीदने का अंतिम मौका है। फेयर रोजाना आम लोगों के लिए सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुली। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

झासा के शपथ ग्रहण समारोह स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी हुए शामिल, ली झासा की आजीवन सदस्यता, कहा

झारखंड के सरकारी डॉक्टरों को भी मिलेगा डायनेमिक एसीपीः इरफान

बिभा संवाददाता

रांची : झासा 2025-27 सत्र का शपथ ग्रहण समारोह भव्य तरीके से करमटोली स्थित, आईएमए हाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी उपस्थित हुए। प्रतिस्थापन समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ बिमलेश सिंह, सचिव डॉक्टर ठाकुर मृत्युंजय सिंह, कोषाध्यक्ष डॉक्टर स्टीफन खेस, संयोजक डॉ शरद, उपाध्यक्ष (महिला कोषांग)डॉक्टर मुसर्रत यामिनी, उपाध्यक्ष मुख्यालय डॉक्टर शमीम, संयुक्त सचिव (मुखयालय) डॉ अजीत कुमार एवं अन्य सम्मानित पदाधिकारीयों ने पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर निदेशक प्रमुख डॉ सी के शाही, सिविल सर्जन रांची डॉक्टर प्रभात कुमार, सिविल सर्जन कोडरमा डॉक्टर अनिल कुमार, लोहरदगा के सिविल सर्जन एवं झारखंड के विभिन्न जिले से आए चिकित्सकगण उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री ने नई कमेटी को अपनी शुभकामनाएं दी और झासा की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। झासा की मांग पर उन्होंने बिहार के तर्ज पर डायनामिक एसीपी देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अन्य राज्य झारखंड के नियमों का अनुसरण करेंगे ,ऐसे चिकित्सक हित वाले नियम बनाएंगे , जिससे दूसरे राज्य के भी चिकित्सक यहां आकर ज्वाइन करें। उन्होंने घोषणा की ओपीडी की पाली, पूर्व की भांति ,9 बजे पूर्वाह्न से 3:00 बजे अपराहन ही चलेगी। सभी सिविल सर्जन को सुविधाएं उनके पद के हिसाब से ,जिले में उनके समकक्ष अधिकारी (उपायुक्त) जो है उनके बराबर, उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने पलामू में पिछले 2 महीने से बायोमेट्रिक को लेकर चिकित्सकों की अवरूद्ध की गई वेतन निकासी को गलत ठहराया, और इस पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में झासा अध्यक्ष डॉ बिमलेश सिंह ने मंत्री को बायोमेट्रिक से संबंधित व्यावहारिक कठिनाइयों से अवगत कराया। सचिन ठाकुर मृत्युंजय सिंह ने चिकित्सकों की अन्य समस्याओं की चर्चा की। उपाध्यक्ष डॉ मुसर्रत यामिनी ने महिला चिकित्सकों की सुरक्षा एवं संसाधनों की उपलब्धता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता लाल ,डॉक्टर रवि राज ,डॉ विकास गुप्ता ने किया।

नई दिल्ली रेल स्टेशन पर हुआ हादसा का जिम्मेदार केन्द्र सरकार है, सुरक्षा का बड़ा अभावः सतीश पॉल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि 15 फरवरी को हर घंटे नई दिल्ली स्टेशन पर 1500 जनरल टिकट बिक रहे थे तो रेलवे को पहले से ही भली भांति पता था कि भारी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं, फिर भीड़ के संचालन के लिए क्या इंतजाम किए गये थे? कितने पुलिसकर्मी तैनात थे? क्या अनाउंसमेंट किए जा रहे थे? क्या जो खबरों में लोग बोल रहे हैं वो सच है कि आखिरी वक्त पर प्लेटफार्म बदला गया - जिससे अफरा तफरी मच गई? इन सबके लिए जिम्मेदार कौन है? रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मौत के आंकड़ें छिपाने में व्यस्त थे , रेल मंत्री के अपने पद से तत्काल इस्तीफे देना चाहिए।

वहाँ का मंजर देखकर दिल दहला देने वाला था. आस्था और विश्वास से भरे श्रद्धालु कुंभ की ट्रेन पकड़ने के किए आए तो जरूर लेकिन प्रशासन की नाकामी से ना सिर्फ. भगदड़ मची बल्कि आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दम घुटने से 18 लोगों की तड़प तड़प कर वहीं मौत हो गई.

अगर इस सरकार को उनकी जान की परवाह होती तो उनके आने जाने के लिए उचित प्रबंध किए गए होते. पुलिस प्रशासन को तैनात किया गया होता. लोगों को उनके हाल पर नहीं छोड़ा जाता, ह्न रेल मंत्री निर्लज्जता छोड़ कर इस हादसे की जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से तत्काल इस्तीफा दें ह्न रेलवे से इस देश का आम नागरिक सफर करता है - उसका जीवन इतना सस्ता नहीं कि एक ऐसे नाकारा और निकम्मा रेल मंत्री के भरोसे छोड़ा जाये जो जनता को राहत देने की जगह उनकी मौतों को छिपाता रहे।

गोवा युनिवर्सिटी के छात्रों एवं शिक्षकों की टीम रांची युनिवर्सिटी पहुंची

अकादमिक एवं कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत गोवा से आये छात्रों का एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया

बिभास ंवाददाता

रांची : रविवार को गोवा युनिवर्सिटी के छात्रों तथा शिक्षकों की टीम रांची पहुंची। रांची विश्वविद्यालय गोवा विश्वविद्यालय से आये छात्रों/शिक्षकों का आतिथ्येय कर रहा है। रविवार को रांची विश्वविद्यालय की स्वागत समिति के सदस्यों ने गोवा युनिवर्सिटी से आयी टीम के छात्रों/शिक्षकों का भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर स्वागत किया। गोवा से आयी टीम के समन्वयक डॉ. वाल्टर मेनेजेस तथा सभी सदस्यों को रांची विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में सभी मेहमानों को ठहराया गया है।

रांची विश्वविद्यालय की डॉ. स्मृति सिंह समन्वयक तथा सदस्य डॉ सुमित डे, डॉ दीपाली डुंगडूंग, बिपुल नायक,, जितेन्द्र कुमार , सुमन, प्रकाश छात्र प्रतिनिधि जितेन्द्र तथा अन्य ने गोवा से आयी टीम के आने पर स्वागत किया और अतिथिगृह में मेहमानों के लिये हर सुविधा का निरीक्षण किया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत झारखंड को गोवा के साथ जोड़ा गया था जिसमें गोवा युनिवर्सिटी ने अकादमिक तथा सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम के लिये रांची विश्वविद्यालय का चुनाव किया। इसी के अंतर्गत रांची विश्वविद्यालय तथा गोवा विश्वविद्यालय के बीच यह कार्यक्रम संपन्न होने जा रहा है जिसमें गोवा से छात्र रांची विश्वविद्यालय आये हैं। 17-19 फरवरी तक गोवा युनिवसर्टिी से आये छात्र एवं शिक्षक रांची विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का भ्रमण करेंगे, कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे और मेहमान छात्र एवं शिक्षक झारखंड की कला संस्कृति तथा यहां के पर्यटन एवं एतिहासिक स्थलों को देखेंगे उसके बारे में जानेंगे। इसके लिये रांची विश्वविद्यालय में अच्छी तैयारी की गयी हैं। माननीय कुलपति रांची विश्वविद्यालय प्रो.डॉ. अजीत कुमार सिन्हा स्वयं अपनी देख रेख में इस अकादमिक एवं कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

रांची में बेलगाम चोर, फ्लैट का ताला तोड़कर उड़ाए गहने और 5 लाख से अधिक कैश

बिभा संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में बढ़ती चोरी की घटनाएं प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रही है। अब पुलिस चोरों के आगे बेबस होती नजर आ रही है। पिछले एक सप्ताह में एक दर्जन से ज्यादा घरों में चोरी हो चुकी है, लेकिन फिर भी पुलिस अपराधियों तक नहीं पहुंच पाई है। अब ताजा मामला बरियातू थाना क्षेत्र के प्रह्लाद एन्क्लेव अपार्टमेंट का है, जहां चोरों ने दिन दहाड़े एक बड़ी चोरी को अंजाम दिया।

कुंभ स्नान के लिए गया था परिवार

बता दें कि प्रह्लाद एन्क्लेव में रहने वाले दो परिवार कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज गए हुए थे। इसी मौके का फायदा उठाते हुए चोरों ने दोनों फ्लैटों का दरवाजा तोड़कर लाखों के गहने और 5 लाख से ज्यादा नकद पर हाथ साफ कर लिया। फ्लैट के मालिक संतोष कुमार मलिक और वीरेंद्र कुमार के घरों से चोरों ने सब कुछ लूट लिया। गहने, पैसे, और कीमती सामान–सब कुछ चोर लेकर फरार हो गए।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही

वहीं, मामले की जानकारी मिलते ही बरियातू थाने के थानेदार मनोज कुमार और उनकी टीम तुरंत प्रह्लाद एन्क्लेव पहुंची, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, लेकिन पुलिस के हाथ अभी तक कुछ खास नहीं लगा है।

लगातार बढ़ रहा चोरों का आतंक

राजधानी रांची में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। हर दिन दो से तीन घरों को चोर अपना निशाना बना रहे हैं, खासकर उन घरों को जो बंद होते हैं। ये चोर आराम से चोरी कर फरार हो जाते हैं, और पुलिस अभी तक किसी भी घटना का खुलासा नहीं कर पाई है। रांची की जनता इन बढ़ती हुई चोरियों से डर और दहशत में है। इस वजह से पुलिस की निष्क्रियता सवालों के घेरे में है।

बीएयू के पांच नए कॉलेजों को मिला आईसीएआर एक्रीडिटेशन

बिभास ंवाददाता

रांची। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की राष्ट्रीय कृषि शिक्षा एक्रीडिटेशन बोर्ड ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के पांच नए कॉलेजों को मान्यता प्रदान कर दी है। इन कॉलेजों के नाम हैं- तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय, गोड्डा; रवींद्रनाथ टैगोर कृषि महाविद्यालय, देवघर; कृषि महाविद्यालय, गढ़वा; बागवानी महाविद्यालय, खूंटपानी, चाईबासा तथा कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, रांची। बोर्ड ने आईसीएआर मुख्यालय, नयी दिल्ली में 27 जनवरी को हुई अपनी 38वीं बैठक में उच्च स्तरीय समीक्षा समिति की रिपोर्ट और अनुशंसाओं के आधार पर इन कॉलेजों को मान्यता प्रदान करने का निर्णय लिया।

इन कॉलेजों का एक्रीडिटेशन हो जाने से अब यहां के छात्र-छात्राओं का देश के अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश अपेक्षाकृत आसान हो जाएगा, रोजगार बाजार में उनकी डिग्री की पूछ बढ़ेगी तथा आईसीआर इन कॉलेजों में शिक्षण एवं छात्र कल्याण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विकास अनुदान भी प्रदान कर सकेगा।

एक्रीडिटेशन बोर्ड ने निर्देश दिया है कि इन कॉलेजों से संबंधित सेल्फ स्टडी रिपोर्ट तत्काल विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड किया जाय तथा बोर्ड को इसकी सूचना दी जाय। इन कॉलेजों में प्रतिवर्ष होने वाले नामांकन तथा शिक्षकों की उपलब्धता से संबंधित आंकड़ा भी संबंधित पक्षों की जानकारी के लिए वेबसाइट पर डाला जाएगा। विश्वविद्यालय इन कॉलेजों में शिक्षकों तथा तकनीकी और सपोर्टिंग स्टाफ की वर्तमान संख्या बनाए रखेगा तथा कॉलेजों में विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु स्वीकृत सीटों की संख्या में कोई वृद्धि बिना बोर्ड की पूर्वानुमति के नहीं करेगा।

इन कॉलेजों की स्थापना वर्ष 2017-18 में की गई थी किंतु आईसीएआर की शर्तें पूरी नहीं होने के कारण कॉलेजों और उनके यूजी पाठ्यक्रमों का एक्रीडिटेशन अबतक नहीं हो पाया था।

इसे कुलपति डॉ एससी दुबे के एक वर्ष के कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। उन्होंने जनवरी 2024 में बीएयू के कुलपति का पदभार ग्रहण किया था। कुलपति ने इस उपलब्धि के लिए समस्त विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है तथा राज्य सरकार एवं कुलाधिपति कार्यालय के संबंधित अधिकारियों के प्रति उनके सतत सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए कृतज्ञता प्रकट की है।

ज्ञातव्य है कि इन कॉलेजों के कामकाज की समीक्षा एवं उनके प्रत्ययन के संबंध में अपना मंतव्य देने के उद्देश्य से आईसीएआर की पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति ने पिछले 30 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक बिरसा कृषि विश्वविद्यालय मुख्यालय तथा इन कॉलेजों का दौरा किया था। समीक्षा समिति के अध्यक्ष कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, शिवमोगा, कर्नाटक के पूर्व कुलपति डॉ एमके नाइक थे। समिति में सदस्य के रूप में तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के डीन डॉ ए रबि राज, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के डेयरी टेक्नोलॉजी महाविद्यालय के डीन डॉ लोकेश गुप्त, डॉ वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय, पश्चिमी गोदावरी जिला (आंध्र प्रदेश) के बागवानी महाविद्यालय की एसोसिएट डीन एवं निदेशक अनुसंधान डॉ एम माधवी तथा आईसीएआर, नयी दिल्ली के शिक्षा प्रभाग के प्रधान वैज्ञानिक डॉ दिनेश चंद्र शामिल थे। समिति ने कॉलेजों के विभिन्न विभागों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, छात्रावास, परीक्षा भवन, व्याख्यान कक्ष आदि का भ्रमण किया था और शिक्षकों, कर्मियों, छात्र-छात्राओं, पूर्ववर्ती विद्यार्थियों और किसानों से विमर्श किया था।

इन कॉलेजों के एसोसिएट डीन ने अपने-अपने महाविद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियां और सुविधाओं के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया था। समीक्षा के उपरांत समिति ने अपनी रिपोर्ट और अनुशंसाएं आईसीएआर को सौंपी थी।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष और सदस्य की नियुक्ति शीघ्र हो : राजेश

रांचीः राज्य में शहरी नगर निकाय चुनाव राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति से ही मार्ग प्रशस्त होगा। इसलिए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा सरकार से मांग करता है कि रिक्त राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष और 1 सदस्य की नियुक्ति शीघ्र हो। उक्त बाते आज प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कही। उन्होंने कहा कि राज्य में ओबीसी अधिकारों के लड़ने वाले और समर्थन करने वाले शहरी नगर निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशियों को तैयार किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शहरी नगर निकाय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी संशय में जी रहे हैं की चुनाव समय पर होगा या नहीं इसलिए सरकार और अविलंब आयोग के अध्यक्ष और सदस्य की नियुक्ति करें।

श्री राधा- कृष्ण सेवा धाम मंदिर में हुआ 194वाँ अन्नपूर्णा महाप्रसाद का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 194 वाँ श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। महाप्रसाद में 151 किलोग्राम की केसरिया मेवा युक्त खीर का भोग भगवान श्री राज श्याम जी को विधिवत भोग पुजारी अरविंद पांडे द्वारा लगाया गया। तथा पूरे विधि विधान से पूजा- अर्चना एवं आरती की गई। आज का महाप्रसाद स्व.नरेंद्र जैन तथा स्व. कुसुम जैन की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र ऋषभ जैन व पुत्रवधू जिमी जैन के सौजन्य से किया गया। मंदिर परिसर में उपस्थित 3 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद भोग का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- कीर्तन का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने अपने मनमोहक सुमधुर भजनों की अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। तथा पूरा वातावरण को कृष्णमय एवं भक्तिमय बना दिया। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि संस्था द्वारा श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर मे आज 194 वें अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन था।आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। तथा भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर मे लगभग 5 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो रेलवे स्टेशन पर नाबालिग लड़की का आरपीएफ और एएचटीयू टीम ने किया रेसक्यू

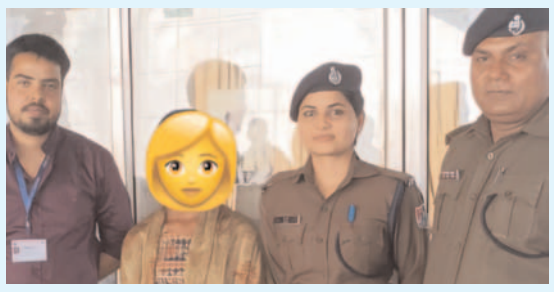

बोकारो (बिभा): बोकारो के रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट बोकारो और एएचटीयू टीम बोकारो के ड्यूटी अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन की जांच की जा रही थी । मौके पर जांच कराने के दौरान एसआई अरुणा उरांव, एएसआई आर बी यादव, मेरी सहेली टीम और एएचटीयू टीम लगभग 2:30 बजे बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन के चाइल्ड हेल्प डेस्क के पास प्लेट फॉर्म संख्या 1 पर एक नाबालिग लड़की को देखा, जो लक्ष्यहीन और परेशान हालत में घूम रही थी। पूछने पर उसने अपना नाम उम्र 14 वर्ष पता मुरुद टोला, पोस्ट- सिवानडीह, पोस्ट- सेक्टर-12, जिला- बोकारो की रहने वाली बताया । इसके अलावा, उसने यह भी कहा कि वह अपने परिजनों को बिना सूचना दिए घर से भाग कर बोकारो रेलवे स्टेशन पहुंच गई। उसके पास न ही कोई यात्रा करने का टिकट है। इसलिए, बचाई गई नाबालिग लड़की को उसकी सुरक्षित अभिरक्षा और आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए चाइल्ड हेल्प डेस्क, बोकारो को सौंप दिया गया।

बोकारो में झामुमो की सदस्यता अभियान को मिली बड़ी सफलताः कन्हैया सिंह

बोकारो(बिभा) : को ऑपरेटिव कॉलोनी के बूंदी बाजार के अंसारी साइकिल दुकान के पास सदस्यता अभियान कन्हैया सिंह के नेतृत्व में चलाया गया. मौके पर हीरालाल मांझी ने कहाः झामुमो सुप्रीमों माननीय श्री शिबू सोरेन एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन जी के निदेर्शानुसार बोकारो महानगर, कोऑपरेटिव कॉलोनी में पार्टी का सदस्यता अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है बोकारो शहर और गांव में प्रतिदिन सैकड़ों महिला, पुरुषों ने हेमन्त सोरेन सरकार की लोकप्रियता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे है। तथा डुंडी बाजार में झामुमो का जनाधार बढ़ रहा है इस सदस्यता अभियान में मुख्य रूप से कन्हैया सिंह बबलू कुमार राकेश सिंह चौधरी जी निक्की कुमारी रिंकी कुमारी उषा सिंह सोनी कुमारी गीता देवी मिकी कुमारी सहित दर्जनों महिला व पुरुष उपस्थित थे।

पासवान समाज ने वनभोज सह मिल समारोह का किया आयोजन

बोकारो(बिभा) : सिटी पार्क वन भोज स्थल में रविवार को पासवान समाज के द्वारा पारिवारिक वनभोज सह मिलन समारोह आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में समाज के सदस्यों महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लिया । इस तरह का वार शक पिकनिक प्रत्येक वर्ष हम लोगों द्वारा मनाई जाती है । इसमें या पता चलता है कि हम लोगों के समाज में बच्चों लोगों की क्या प्रोग्रेस हुई है एक दूसरे का सुख-दुख का भी पता चलता है पासवान समाज द्वारा सेक्टर 4 में हम लोगों के भगवान बाबा चौहरमल की भी प्रतिमा की स्थापना की गई है जो की प्रत्येक वर्ष चैत माह के पूर्णिया में धूमधाम से बाबा चौहरमल की पूजा अर्चना की जाती है इस पूजा में काफी संख्या में समाज के साथ साथ सभी वर्ग के लोग भी पूजा में सम्मिलित होते हैं इस पिकनिक से हम लोग यह संदेश देना चाहते हैं कि अगर किसी भी समाज का लोग मजबूत होता है तो हमारे देश एवं लोकतंत्र को और मजबूती मिलती है। इस कार्यक्रम में भगवान राम, श्याम नंदन पासवान, जय सियाराम पासवान, महेश पासवान उर्फ भोला, प्रिया रंजन पासवान, मनोज पासवान, अवधेश पासवान, नथुनी पासवान, सुधीर पासवान, शंकर पासवान, रंजन पासवान , मुंजाए पासवान, रामाश्रय पासवान, राम अवतार पासवान, हंस कुमार पासवान, राजाराम पासवान, रंजीत पासवान, सिलावंती देवी अनिता कुमारी कुसुम देवी आदि लोग मौजूद रहे।

हेमंत सरकार राज्य के विकास और नागरिकों के कल्याण की दिशा मे काम कर रहे हैं : मंटू यादव

बोकारो(बिभा) : झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो महानगर क्षेत्र के विभिन्न शाखा कमिटीयों में बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए बोकारो महानगर प्रमुख मंटू यादव ने कहा कि हेमंत सरकार राज्य के विकास और नागरिकों के कल्याण की दिशा में काम कर रही हैं झामुमो नेता मंटू यादव ने कहा कि पार्टी का लगातार जनाधार बढ़ रहा है संगठन के एक-एक कार्यकर्ता सदस्यता अभियान को व्यापक स्तर पर चलते हुए प्रत्येक घर में सदस्य बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है । पार्टी के प्रत्येक शाखा कमेटी और वार्ड में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो ताकि सभी लोग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं से अवगत हो सकें। बैठक में आज बालीडीह शाखा कमेटी के बिंदेश्वरी घटवार, ज्वाला सिंह,मो० मकसूद आलम देवनारायण सिंह, सरिता देवी, भोला टुडू, सचिन सिंह,संगठन सचिव-मो० पालन हक्कानी, कमीर्डीह शाखा विनोद बिहारी , चंदन यादव , रवि कुमार, बबलू अंसारी, धनंजय कर्मकार, बीयाडा औद्योगिक क्षेत्र शाखा के प्रमोद कुमार गुप्ता नजीर अंसारी, चंदन कुमार, संतोष सिंह, अजय सिंह, माराफारी शाखा आलम अंसारी, पीयूष कुमार, संजय पांडे, सलीम खान, मनोज वर्मा दीपक कुमार, उपेंद्र कुमार। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मटुकलाल किस्कू, फिरदौस अंसारी, फैयाज खान, चंदू सिंह मुंडा, अजय हेंब्रम, मस्तान अंसारी,फिरोज अंसारी,सुनील सिंह, शंभू गुप्ता, रामरतन राय, सदानंद गोप, बाबू खान, संजय पांडे, आलम अंसारी, संजय प्रसाद, त्रिभुवन प्रसाद, बलजीत कुमार, मनोहर प्रसाद, रितिक कुमार, विजय कुमार, साहब सिद्दीकी, लालू राय, सत्येंद्र यादव, रामाधार सिंह, अमित रंजन, उपेंद्र कुमार,अमन यादव, वीरेंद्र गुप्ता इत्यादि उपस्थित थे।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ हादसे में मृतक श्रद्धालुओं को दी श्रद्धांजलि

बिभास संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दूबे,मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता छोटू, ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव संजीत यादव एवं अभिषेक साहू कांग्रेस नेता फिरोज रिजवी मुन्ना,कुमुद रंजन सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने अंबेडकर चौक डोरंडा पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में हुई दर्दनाक हादसे पर मृतक श्रद्धालुओं के प्रति गहरी संवेदना एवं दुख प्रकट करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।साथ ही साथ प्रयागराज में हुई आगजनी एवं देश के अन्य दूसरे हिस्सों में तीर्थ यात्रियों की किसी ने किसी प्रकार से हुई निधन पर भी शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया एवं दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव श्री आलोक कुमार दूबे ने कहा कि सरकार की बद इंतजामी से आक्रोशित है, पूरे देश की जनता; जब इतनी बड़ी संख्या में संपूर्ण देश से रेलवे के द्वारा लोग महाकुंभ जा रहे हैं तो सरकार को भी इसके लिए विशेष इंतजाम करना चाहिए था तथा यह रेलवे की जिम्मेदारी थी कि निरीह जनता जिसने रेलवे को पैसा अदा कर टिकट कटाया था उन्हें सुविधा देते हुए उनके गंतव्य तक पहुंचने की जिम्मेदारी ले। भीड़ को देखते हुए रेलवे को संज्ञान लेना चाहिए था, आवश्यकता से अधिक यदि टिकट कट गए थे तो स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था करनी चाहिए थी ट्रेन की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने चाहिए थी; और यह इंतजाम करना चाहिए था कि प्लेटफार्म पर आवश्यकता से अधिक भीड़ जमा ना हो ; उन्होंने कहा कि क्राउड मैनेजमेंट में पूरी तरह से विफल है रेलवे! निश्चित रूप से घटना के नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए और अपनी जिम्मेदारियां को का निर्माण नहीं करने के कारण रेल मंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और यह स्वीकार करना चाहिए कि यह इंतजाम उनके बस का नहीं!

झारखंड का प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता श्री लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि सरकार के गैर इंतजाम के कारण इतनी बड़ी संख्या में लोगों के मृत्यु हुई है यदि संपूर्ण घटनाक्रम को देखें; सरकार के द्वारा किए गए इंतेजामत को देखें तो यह कहने में कोई संकोच नहीं कि यह वास्तव में हादसा नहीं बल्कि नरसंहार है जिसे रेलवे और प्रशासन ने अपनी जिम्मेवारी का निर्वाहन न करके किया है; उन्होंने पूछा कि सरकार में इस रेल हादसे की जिम्मेदारी कोई लेगा या इसके लिए भी जनता खुद ही दोषी है। उन्होंने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री या रेल मंत्री नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देंगे या फिर इस हादसे का ठीकरा भी जनता के सिर पर ही फोड़ेंगे।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने कहा कि सरकार के बदइंतजामी से महाकुंभ के दौरान, महाकुंभ जाने में, प्रयागराज में, रेलवे स्टेशन पर त्राहिमाम की स्थिति है और इसका कारण यह है कि सरकार जनता की आस्था और विश्वास को कुचलकर महाकुंभ जैसे पवित्र पर्व को भाजपा की चुनावी रैली बना दिया है भाजपा के सारे मंत्री मुख्यमंत्री रेलगाड़ी और फोटो शूट कर रहे हैं और सरकार के बाद इंतजार में से कीड़े मकोड़े की तरह कुचल कर मर रही है जनता; और आश्चर्य तो यह है कि कोई नेता कोई मंत्री हादसों की जिम्मेवारी लेने के लिए तैयार नहीं है।

महानगर काली पूजा समिति के अध्यक्ष विनय सिंह ने कहा निश्चित रूप से यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है संपूर्ण देश की जनता आक्रोशित है ; सरकार को जनता की सुरक्षा से कोई लेना-देना नहीं है अपनी ही पीठ थपथाने में व्यस्त है सरकार; सारी व्यवस्थाएं सिर्फ वीआईपी लोगों के लिए है सामान्य जनता के लिए कुछ है ही नहीं।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी महाकुंभ की बातचीत पंजाबी और नई दिल्ली रेलवे हादसे पर सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के मंत्रियों से महाकुंभ के आयोजन की बदइंतजामी की नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए सामूहिक इस्तीफे की मांग करती है; नई दिल्ली रेलवे स्टेशन प्रयाग कुंभ और यात्रा के दौरान हादसे में मारे गए सभी मृतकों के प्रति अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि व्यक्त करती है तथा सरकार को भी करती है कि देश के अन्य रेलवे स्टेशन , महाकुंभ, अयोध्या और वाराणसी में भी सुरक्षा के पुख्ते इंतजाम की आवश्यकता है अपने जिम्मेदारी को सही ढंग से निभाए सरकार।

श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस नेता रंजीत महतो, विजय कुमार, महानगर काली पूजा समिति के अध्यक्ष विनय सिंह,उपाध्यक्ष बबलू वर्मा, सुमित वर्मा दीपांशु सिंह, कांग्रेस नेता रवीन्द्र महतो ,अजय कुमार, नवनीत कुमार ,गोपाल छेत्री, गोपाल राय,शशिकांत,सुमित मिश्रा सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चन्दनकियारी के हर क्षेत्र में होगा विकासः उमाकांत रजक

बिभा संवाददाता

बोकारो : चन्दनकियारी विधानसभा के हर क्षेत्र में होगा विकास।उक्त बातें पूर्व मंत्री सह विधायक उमाकांत रजक ने चास प्रखंड के कोलबेन्दी में आयोजित अभिनंदन समारोह में कही।समारोह की अध्यक्षता अमृत बाउरी एवं संचालन सोमनाथ बनर्जी एवं बंशीधर बाउरी ने संयुक्त रूप से की।विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक,रोजगार सहित अन्य मूलभूत सुविधा के लिए रोडमैप तैयार किया जा रहा है।क्षेत्र के हर समस्याओ का सरल एवं सहज तरीके से निदान करने को प्रयासरत रहूंगा।उन्होनें कहा कि मैने जो नया चन्दनकियारी बनाने का संकल्प लिया हूं,उस पर शत प्रतिशत खरा उतरने प्रयास करूंगा। उसके पूर्व कोलबन्दी के ग्रामीणों अभिनंदन समारोह उमाकांत रजक का फूल-मालाओं जोरदार स्वागत किया। मौके पर प्रताप सिंह देव,जंयत सिंह देव,दुर्योधन सिंह चौधरी,संतोष शर्मा,विजय सिंह देव,शिवपूजन सिंह देव,जगबंधु बाउरी सजल गुंई,बीरबल बाउरी,सुधीर बाउरी, शंकर सिंह,निरंजन बाउरी,दीनबंधु बाउरी,मिहिर बाउरी, सहाबुद्दीन अंसारी,मो शफी अंसारी,अजय दास, शरत दास,राजीव राय, मोईन अंसारी,उमेश सिंह चौधरी,हरदयाल माहाथा,मैनुल अंसारी, ब्रजेश सिंह देव सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ओएनजीसी बोकारो द्वारा संरक्षण क्षमता महोत्सव के तहत वॉकाथन का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : ओएनजीसी सी बी एम परिसंपत्ति, बोकारो द्वारा संरक्षण क्षमता महोत्सव (सक्षम) 2024-25 के तहत 16 फरवरी की सुबह वॉकाथन आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारी एवं समुदाय के सदस्य ईंधन संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एकत्रित हुए। इस रैली की अगुवाई सीबीएम परिसंपत्ति के परिसंपत्ति प्रबंधक श्री आदित्य जौहरी ने की, जिनके साथ ओएनजीसी के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और स्वच्छ ईंधन को अपनाने के महत्व के बारे में लोगों को शिक्षित करने और जागरूकता फैलाने के लिए किया गया। संरक्षण क्षमता महोत्सव (सक्षम) 2024-25 का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन के स्मार्ट और अधिक जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देकर सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और भावी पीढ़ियों के लिए ऊर्जा संरक्षण में सहायक व्यवहारिक परिवर्तन को प्रेरित करना है।

गण्यमान्य समाज संगठन का सम्मेलन संपन्नः जीएसएस ने गरीब और वंचित वर्ग के लिए काम करने का संकल्प लिया

बिभा संवाददाता

बोकारो : गण्यमान्य समाज संगठन के द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत स्थान सेक्टर 8 सी बोकारो इस्पात नगर में गन्यमान्य समाज संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मदन मोहन महतो के अध्यक्षता,एवं मुख्य अतिथि हिटलर सिंह अवर सचिव कोयला मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के गरिमामई उपस्थिति में सम्मेलन का कार्यक्रम संपन्न हुई सर्वप्रथम मुख्य अतिथि को गुलदस्ता एवं शाल ओढाकर सम्मानित किया गया

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि हिटलर सिंह ने कहा जीएसएस देश के विभिन्न राज्यों में गरीब वंचित असहाय वर्ग को हर स्तर पर सहयोग करते हुए मुख्य धारा में जोड़ने का लगातार प्रयास कर रही है जीएसएस नई दिल्ली से निर्बंधित समाजसेवी संगठन है यह संगठन देश हित में मुख्य धारा से अलग हाशिये में पड़े वंचित तबके को शिक्षा रोजगार महिला बाल विकास स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त करने हेतु समाज सेवा की ओर अग्रसर है । श्री मदन मोहन महतो ने कहा जीएसएस भारत के उत्तर प्रदेश राजस्थान दिल्ली महाराष्ट्र गुजरात मध्य प्रदेश बिहार झारखंड हरियाणा पंजाब छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में किसान, मजदूर के बीच शिक्षा के माध्यम से सामाजिक सांस्कृतिक शैक्षणिक बौद्धिक आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए तथा अंधविश्वास पाखंडवाद रूढ़िवादी परंपरा के खिलाफ जागरूकता लाने की प्रयास किया जा रहा है सम्मेलन में सर्वसम्मति से सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया तथा सभी जिलों में संगठन का विस्तार प्रखंड पंचायत एवं मोहल्ले तक करने का आह्वान किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जयप्रकाश महतो संजय शान,राजू कुशवाहा, संतोष कुमार महतो, उमेश कुमार महतो, सुरेश कुमार महतो, भारत कुमार भारती, राजकुमार प्रसाद, विष्णु प्रसाद, दशरथ महतो ,विजय कुमार महतो, सुरेश प्रसाद महतो, रमेश कुमार, दशरथ महतो, भारत किशोर महतो, नंद किशोर महतो ,राजेंद्र महतो, श्याम प्रसाद महतो, संतोष कुमार, पुष्पेंद्र कुमार ,भगवान सिंह, अवधेश कुमार सिंह ,राजू महतो, ऋषिकेश कुमार ,अगम महतो आदि उपस्थित रहे ।

नेतृत्व क्षमता विकसित करने को लेकर किशोरियों का एक्सपोजर विजिट

बिभा संवाददाता

बोकारो: बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सहयोगिनी बोकारो द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत धनबाद के बाघमरा प्रखंड के महुदा पहुंचीं। यह दौरान एक्सपोजर विजिट के तहत जेजीवीटी संस्था के किशोरियों से बाल विवाह रोकने से जुड़ी पहल और प्रयासों की जानकारी प्राप्त की।

महुदा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किशोरियों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों और इसके सामाजिक असर से अवगत कराया गया। इस दौरान हल्ला-बोल/ आवाज-दो कार्यक्रम के तहत बाल विवाह से उत्पन्न समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की गई। धनबाद और बोकारो की किशोरियों ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए इस प्रथा के खिलाफ आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया।

इस संबंध में सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि अब क्षेत्र की किशोरियां बाल विवाह के खिलाफ खुलकर विरोध करने लगी हैं। उन्होंने कहा कि धनबाद और बोकारो की किशोरियां जागरूक हैं और वे इस सामाजिक कुरीति को रोकने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

प्रो शंकर रवानी ने कहा कि नेतृत्व क्षमता विकास होने से किशोरियां सशक्त होंगी।

इस अवसर पर सहयोगिनी की कुमारी किरण, सूरजमणि देवी, सोनी कुमारी, हलीमा एजाज, शंकर रवानी, अमरजीत कुमार, पायल कुमार ,स्वाती कुमारी, अंजली कुमारी, नीलू कुमारी सोनी देवी,अमरजीत , शीतल कुमारी,रूमा कुमारी सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ का महासम्मेलन सम्पन्न, पूर्णिमा अध्यक्ष तो राजेंद्र ध्वनिमत से पुनः बने महामन्त्री

कर्त्तव्यनिष्ठा, एकता, संघर्ष, परिवर्तन और अधिकार हीं हमारा मूल मंत्रः राजेंद्र

बिभा संवाददाता

बोकारो ; क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ (हिन्द मजदूर सभा) का 13वाँ एकदिवसीय द्विवार्षिक महासम्मेलन बोकारो इस्पात नगर के जनवृत 02 कला केन्द्र में लगभग पाँच हजार प्रतिनिधियो (डेलिगेट्स) द्वारा ध्वनिमत से पारित 26 सूत्री प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुआ। महासम्मेलन मे सेल/बोकारो इस्पात संयंत्र तथा सेल के विभिन्न माइंस से आये हुए प्रतिनिधियो ने वर्तमान समस्याओ, संगठन विस्तार एवं अगले दौ वर्ष युनियन की रणनीति पर गहन विचार मंथन किया। हालाँकि युनियन की अध्यक्ष पूर्व विधायक झरिया विधानसभा श्रीमती पूर्णिमा सिंह महासम्मेलन में परिजन के चिकित्सीय कारणो से उपस्थित नही हो सकी।श्रीमती सिंह ने दूरसंचार पर अपनी अनुपस्थिति के लिये खेद व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे बहुत दुख है कि मजदूरो के इस ऐतिहासिक महासम्मेलन का हिस्सा नही बन पायी।महासम्मेलन मे पारित सभी प्रस्ताव पर मेरी सहमति है।

महासम्मेलन मे मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित स्टील,मेटल एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एस.एम.ई.एफ.आई) के राष्ट्रीय महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस संजय बढ़ावकर ने अपने संबोधन मे कहा कि प्रबंधन का विगत चार वर्षो मे मजदूरो के प्रति नकारात्मक रवैया चिन्ताजनक है।आर पार की लड़ाई का वक्त आ चुका है। श्रम कानून मे परिवर्तन और संगठित क्षेत्र मे घटती रोजगार से सरकार एवं प्रबंधन की मंसूबों को भली-भाँति समझा जा सकता है। क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ (एचएमएस)मे महिलाओ एवं युवाओ की बढ़ती भागीदारी उत्साहित करने वाला है।वेज रिवीजन का एमओयू हुए चार वर्ष बीत चुके हैं मगर अब तक समझौता नहीं होना प्रबंधन के द्वारा एनजेसीएस की एकता को तोडने की साजिश है।ठेका मजदूरो के सुरक्षा से समझौता और मिनिमम वेज ना मिलना बेहद चिन्ताजनक है।

वहीं पूर्व अध्यक्ष स्व बच्चा सिंह के निधन से आहत एवं श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह का युनियन अध्यक्ष के रूप में मनोनयन से उत्साहित युनियन के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस श्री राजेंद्र सिंह ने व्यापक रूप से पिछले दौ वर्ष में युनियन की गतिविधियों के साथ-साथ अगले दौ वर्ष की रणनीति पर विचार रखा। श्री सिंह ने कहा कि एक ओर वर्ष 2000 से लगातार युनियन अध्यक्ष के रूप में युनियन के मार्गदर्शक स्व बच्चा सिंह का निधन ना सिर्फ युनियन के लिये अपितु व्यक्तिगत रूप से मेरे लिये एक अपूरणीय क्षति है।वहीं दूसरी ओर श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह को अध्यक्ष के रूप मे पाकर बेहद उत्साहित हैं।

श्री सिंह ने कहा कि वैश्वीकरण, निजीकरण और सरकार की मुनाफा नीति का सबसे अधिक आघात सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानो पर हुआ है।100% तक ऋऊक कर परोक्ष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का निजीकरण किया जा रहा है।मगर सेल में एनजेसीएस के कड़े तेवर और मजदूर एकता के कारण सरकार की निजीकरण की नीति कामयाब नहीं हो पायी है।परन्तु ठेकेदारी और आउटसोर्सिंग की नीति जोरो पर है।श्रम लागत में कटौती कर मुनाफा का रास्ता ढुँढा जा रहा है जबकि लागत मूल्य में सिर्फ 12% हीं श्रम लागत है,बाकी 88% पूँजी पर प्रबंधन का नियंत्रण होता है,फिर भी कटौती सिर्फ श्रम मूल्य में,प्रबंधन का कैसा प्रबंध है?

मनमानी का आलम ऐसा है कि वेज रिवीजन पर वर्ष 2021 का एमोयू मुख्य श्रमायुक्त के दिशानिर्देश के बावजूद समझौते की बाट जोह रहा है।रिकॉर्ड उत्पादन के बाद भी मजदूर खाली हाथ हैं।

चास के राम राजा पूजा के चौथे दिन भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

चास (बिभा)। चास पुराना बाजार हरि मंदिर में आयोजित सात दिवसीय राम राजा पूजोत्सव के चौथे दिन रविवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मेले में मीना बाजार में लोगों ने जमकर खरीदारी किया। इस दौरान मंदिर कमेटी की ओर से सुरक्षा को लेकर समिति सदस्यों को मेले परिसर के गश्ती में लगाया गया। इस बाबत कमेटी के अध्यक्ष देबू पाल ने कहा कि मेले में पहुंचे लोगों को किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हो इसको लेकर विशेष काम किया जा रहा है।

श्रीवास्तव गिरोह का लेवी व फायरिंग में फरार अभियुक्त गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रामगढ़: पतरातु थाना क्षेत्र अंतर्गत पतरातु रेलवे फाटक के पास फ्लाई ओभर ब्रिज बनाने वाली कम्पनी MGCPL के साईट पर 10.12.2024 को अमन श्रीवास्तव गिरोह के द्वारा फायरिंग कराया गया था। उसके बाद उक्त कम्पनी के मैनेजर से लेवी लेने के लिए अमन श्रीवास्तव गिरोह के सदस्य लगातार फोन पर धमकी दे रहे थे। 05.01.2025 को पतरातु थाना अंतर्गत MGCPL कम्पनी के द्वारा बनाये जा रहा रेलवे फ्लाई ओभर ब्रिज के मैनेजर से लेवी लेने के संबंध में मिटिंग करने हेतू पतरातु थाना क्षेत्र अंतर्गत तालाटांड स्थित

ऐलेक्सा रिसोर्ट में अमन श्रीवास्तव गिरोह के लोग गये थे। जिसमें 1. दीपक कुमार उम्र करीब 30 वर्ष पिता स्व० विजय शंकर राव सा० स्टीम कॉलोनी, थाना पतरातु जिला-रामगढ़ वर्तमान पता सा० रोचाप, थाना पतरातु जिला - रामगढ़, 2. शहादत अंसारी उम्र करीब 28 वर्ष पिता-नुरहसन अंसारी, 3. एहसान अंसारी पिता स्व० गुलाम नवी दोनों सा० रोचाप थाना- पतरातु जिला - रामगढ़, को गिरफ्तार कर दिनांक-07.01.2025 को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया तथा निरूद्ध बालक 4. गुलफान अंसारी पिता-मुस्लिम अंसारी सा० रोचाप थाना-पतरातु जिला - रामगढ़ को माननीय न्यायालय के आदेशानुसार संप्रेक्षण गृह हजारीबाग में दिनांक 07.01.2025 को सुपुर्द किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त दीपक कुमार एवं सहादत अंसारी के निशानदेही पर सुजुकी फ्रोनेक्स गाडी पंजीयन संख्या - JH01FH-8859 से एक देशी पिस्टल बरामद किया गया था जिस संबंध में पतरातु थाना कांड सं0-02 /2025 दिनांक- 06.01.2025 धारा 111(4)(b)/111(4)/61 बी0एन0एस0 एवं 25 (6) 26 / 35 आर्म्स एक्ट दर्ज हैं। उक्त कांड के फिरार अभियुक्त असरफ अंसारी उम्र 39 वर्ष, पिता स्व० ईशाक मियां सा० रोचाप थाना - पतरातु जिला - रामगढ़ गिरफ्तारी के डर से फिरार था जिसे पकडने के लिए अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पतरातु के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। उक्त

टीम द्वारा फिरार अभियुक्त असरफ अंसारी उम्र 39 वर्ष, पिता- स्व० ईशाक मियां सा० रोचाप थाना-पतरातु, जिला - रामगढ़ को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

छापामारी दल में पवन कुमार, अनमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु, सत्येन्द्र कुमार, पुलिस निरीक्षक, पतरातु अंचल, शिवलाल गुप्ता, थाना प्रभारी, पतरातु, शिवा कच्छप पतरातु तथा पतरातु थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

उत्साह उमंग में नजर आए धार्मिक पाठशाला में बच्चे

हजारीबाग(बिभा): श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ा बाजार में रविवारीय पूजन की श्रृंखला में सभी बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ जिनेन्द्र देव की पूजन एवं प्रातःकालीन आराधना की। वहीं रविवार को तीर्थंकर प्रभु 1008 पद्म प्रभ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव था। इस निर्वाण महोत्सव को बच्चों ने धूमधाम से मनाया। विशेष प्रश्न मंच का भी आयोजन हुआ जिसमें सही उत्तर देने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। विशेष प्रभावना अनिल नीलम पाटनी के 25वें शादी के सालगिरह के उपलक्ष्य में उनकी ओर से प्रदान की गई।

शहीद कप्तान सरदार करमजीत सिंह बक्शी जी की अंतिम अरदास

हजारीबाग(बिभा) : गहरे शोक और श्रद्धा के साथ, शहीद कप्तान सरदार करमजीत सिंह बक्शी की अंतिम अरदास आज सोमवार को गुरुद्वारा परिसर में किया जा रहा है। यह पवित्र समागम गुरुद्वारा परिसर में संपन्न होगा, जिसमें संगत उनके आत्मिक शांति के लिए अरदास करेगी। इस अवसर पर पटना साहिब से विशेष रूप से पधारे हजूरी रागी भाई कविंदर सिंह जी अपनी मधुर एवं भक्तिमय कीर्तन सेवा द्वारा गुरु महिमा का गुणगान करेंगे। उनका कीर्तन संगत को आध्यात्मिक शांति और प्रेरणा प्रदान करेगा।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में नवीन नामांकन जांच परीक्षा का हुआ आयोजन

हजारीबाग(बिभा): सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली, हजारीबाग में नवीन नामांकन जांच परीक्षा का आयोजन हुआ। कक्षा अरुण से लेकर कक्षा नवम में नामांकन हेतु बच्चों ने परीक्षा दी । मालूम हो कि नामांकन जांच परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद चयनित अभ्यर्थी विद्यालय में आकर नामांकन करा सकते हैं। मौके पर नामांकन प्रभारी विनीत कुमार वर्मा एवं आचार्य बंधु- भगिनी उपस्थित थे।

नारी सशक्तीकरण की मिसाल : महिला पुरोहितों ने करायी शादी, कन्यादान की जगह समर्पण की रस्म निभायी

जमशेदपुर(बिभा) : शहर के इतिहास में 14 फरवरी का दिन नारी सशक्तीकरण का मिसाल बना. वेलेंटाइन डे के एक दिन पहले गुरुवार की शाम और शुक्रवार को पुनः ऐसा आयोजन बदलते समाज की सोच का उदाहरण बना, जब पुरुषों का वर्चस्व तोड़ महिलाओं ने पौरोहित्य की बागडोर संभाली. दो अलग-अलग जगह वैवाहिक अनुष्ठान को महिला पुरोहितों ने संपन्न कराया. सोनारी मरीन ड्राइव में विवाह अनुष्ठान के द्वारा यह भी संदेश दिया गया कि बेटी कोई वस्तु नहीं है कि उसका कन्यादान किया जाये. इसलिए इस विवाह अनुष्ठान में कन्यादान की जगह समर्पण की रस्म निभायी गयी. सिंदूर दान के समय वर ने वधु का मांग भर कर सात जन्मों तक उसका साथ देने का वायदा किया, तो वधु ने अपनी अनामिका अंगुली से मांग में भरे गये सिंदूर को लेकर वर के ललाट पर लगाया और उसे स्वीकार किया. गुरुवार की शाम में टाटा स्टील के रिटायर्ड कर्मी बासव चौधरी व रंगकर्मी रश्मि चौधरी के छोटे बेटे रिशव चौधरी के साथ श्वेता का विवाह सोनारी मरीन ड्राइव स्थित एक बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुआ. यह विवाह अनुष्ठान कोलकाता के शुभमअस्तु ग्रुप की चार महिला पुरोहितों की टीम ने कराया. वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह अनुष्ठान को संपन्न कराया गया. बंगाली पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं इन महिला पुरोहितों के द्वारा बांग्ला एवं अंग्रेजी हर विधि के बारे में बताया गया. इस दौरान संस्कृत के श्लोक एवं रबींद्र संगीत की प्रस्तुति दी गयी. सभी विधि-विधान को वर-वधु ने समान रूप से पूरा किया. एक-एक विधि के बाद शादी के महत्व को बताया गया. दोनों को समान रूप से सभी नियम कराये गये. टीम की प्रमुख नंदिता ने बताया कि इस टीम की सदस्याएं अलग-अलग यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं, जिन्होंने इस क्षेत्र में अनुभव प्राप्त किया है, ताकि समाज के लिए कुछ अलग काम कर सकें. साथ ही समाज की सोच बदलने के लिए वे आगे आयीं. उन्होंने बताया कि वैवाहिक अनुष्ठान को संपन्न कराने के लिए प्राप्त राशि को चैरिटी में दिया जाता है. नरेंद्र मोदी विचार मंच एवं सनातन सेवा परिषद द्वारा सोनारी भूतनाथ मंदिर में शुक्रवार को आयोजित सामूहिक विवाह अनुष्ठान में सगाई के विधि-विधान को आचार्य डालिया भट्टाचार्य एवं उनकी टीम की सदस्या आशा साहू और मृदुला सिंह द्वारा पूरा कराया गया. गायत्री परिवार की डालिया भट्टाचार्य 101 जोड़ों की शादी करवा चुकी हैं. वह वैवाहिक अनुष्ठान के साथ-साथ तर्पण अनुष्ठान कराती हैं. सोनारी वृंदावन सोसाइटी निवासी डालिया भट्टाचार्य ने वर्ष 2017 में गायत्री परिवार से दीक्षा ग्रहण की. दो साल की पढ़ाई एवं हरिद्वार से दो माह का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आचार्य बनीं. वर्ष 2019 में उन्होंने घाटशिला में 51 जोड़े, वर्ष 2020 में बिष्टुपुर राम मंदिर में 28 जोड़े, वर्ष 2023 में गालुडीह में 24 जोड़ों की शादी करा चुकी हैं. शुक्रवार को आठ जोड़ों की सगाई की रस्म पूरी करायी, जिनका 11 मार्च को विवाह भी करायेंगी. सामूहिक विवाह गायत्री परिवार की ओर से कराया जा रहा है.

इनकी हुई सगाई : वर -विजय राम /वधु -लता मानिकपुरीवर - कृष्णा कुमार/ वधु -रितु कालिंदीवर झ कृष्णा कुमार/वधु -राजनंदनी कुमारीवर -किसान मुण्डा/ वधु -पिंकी मुण्डा वर झ विनोद सेठ / वधु -रुकमनी कुमारीवर – नीरज मुखी / वधु -मनसा मुखीवर -सावन मुखी / वधु -निकिता सेदरिया वर -राज मुखी /वधु -सानिया गोप।

झारखंड गृह रक्षा वाहिनी के नव नामांकित गृह रक्षकों का पारण परेड कार्यक्रम

प्रशिक्षु गृह रक्षकों को पद और गोपनीयता दिलाई गई शपथ

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: झारखंड गृह रक्षा वाहिनी के नव नामांकित गृह रक्षकों के प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 16 फरवरी को आयोजित पारण परेड में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय शामिल हुई। इस दौरान उपायुक्त के द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया,मौके पर रोहित आनंद समादेष्टा हजारीबाग मौजूद रहे। तत्पश्चात उपायुक्त के द्वारा उन सभी 206 प्रशिक्षु गृह रक्षकों को पद और गोपनीयता शपथ दिलाई गई।

उपायुक्त के द्वारा मुख्य परेड कमाण्डर पवन कुमार साहु, द्वितीय परेड कमाण्डर सोमनाथ भगत एवं अन्य सभी कम्पनी के कमाण्डर को पुरस्कृत किया गया।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, हजारीबाग में महानिदेशक-सह-महासमादेष्टा का

कार्यालय के द्वारा 16 दिसंबर 2024 से 16 फरवरी 2025 तक कुल 63 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया,जिसमें कुल 206 प्रशिक्षु गृह रक्षक (सभी गुमला जिला के) सम्मिलित हुए। उपायुक्त ने अपने संबोधन में सभी नव नामांकित गृह रक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए संबोधित किया। उन्होंने कहा वर्दी धारण करने का अर्थ है अनुशासित रहना। वर्दी रक्षा का प्रतीक है विश्वास का प्रतीक है। किसी भी वर्दीधारी को ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए जिससे वर्दी के सम्मान पर ठेस पहुंचे। उन्होंने गृह रक्षा वाहिनी के सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कम समय में व्यवस्थित प्रशिक्षण देने पर तारीफ की तथा सभी प्रशिक्षु लगन एवं तन्मयता से प्रशिक्षण पूर्ण किए वें भी बधाई की पात्र है। सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, हजारीबाग में बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु गृह रक्षकों को श्री अनिल पलटा डी०जी० के निर्देशन में अनेको प्रकार के प्रशिक्षण दिया गया। जैसे-टर्नआउट, व्यक्तिगत कवायद, आधुनिक हथियार (5.56 एम० एम० इन्सास), भीड़ नियंत्रण, गार्ड / संतरी का कर्त्तव्य, नागरिक सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन, भी०आई०पी० डियूटी, यातायात नियंत्रण, अनुशासन, श्रम एवं आपदा प्रबंधन इत्यादि। प्रशिक्षण के क्रम में प्रशिक्षु गृह रक्षकों को .303 रायफल एवं 5.56 एम० एम० इन्सास से 10-10 राउण्ड लक्ष्याभ्यास / लक्ष्याभेदन फायरिंग रेंज पदमा हजारीबाग में कराया गया।

मानवता की सेवा में हजारीबाग यूथ विंग, 3 मार्च को आयोजित होगा रक्तदान शिविर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग यूथ विंग द्वारा आगामी 3 मार्च को आयोजित भव्य रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए विभिन्न विद्यालयों, संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के साथ जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह सहित कई अन्य लोगों को संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यों के द्वारा आमंत्रण पत्र दिया जा रहा है। इन सभी से आग्रह किया गया की वे इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होकर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाएं और रक्तदान के इस पुनीत कार्य में सहयोग करें। इस शिविर के माध्यम से 200 से भी अधिक थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, जिन्हें हर 45 दिनों में रक्त की आवश्यकता होती है, उनके लिए जीवनदायी रक्त एकत्रित किया जाएगा। सभी से अपील की गई है कि वे आगे आकर इन बच्चों के लिए एक सहारा बनें। यह रक्तदान शिविर लक्ष्मी सिनेमा हॉल के सभागार में आयोजित होगा और प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ होगा। रक्त संग्रहण का कार्य शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज ऑफ अस्पताल तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से किया जाएगा।

3 मार्च को आयोजित इस रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक लोग जुड़ें और थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए जीवनरक्षक रक्तदान करें। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन का आधार बन सकता है।अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा की यह हजारीबाग यूथ विंग सदैव समाज सेवा के लिए तत्पर रहा है। यह रक्तदान शिविर न केवल जरूरतमंदों की सहायता का माध्यम है, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने का भी एक प्रयास है। हम सभी विद्यालयों, संस्थानों और नागरिकों से अपील करते हैं कि वे इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और रक्तदान कर एक नई उम्मीद जगाएं.

योगदा सत्संग महाविद्यालय में झारखंड स्टूडेंट्स प्रोफेशनल फेस्ट का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : योगदा सत्संग महाविद्यालय धुरवा में इंटरनेशनल नवोदय चैंबर ऑफ कॉमर्स के द्वारा झारखंड स्टूडेंट्स प्रोफेशनल फेस्ट 2025 का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. महुआ मांजी राज्यसभा संसद थी। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष सीएमए अमल कुमार दास, सीएमए महेश शाह, सीएमए डॉ. बलविंदर सिंह और सीएमए बिश्वरूप बसु समरोह में उपस्थित रहे। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया के परिषद सदस्य सीएस रूपंजना डे ने महिला सशक्तीकरण के ऊपर जोड़ दिया। रांची के लगभाग सभी बड़ी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने झारखंड के युवाओं का कौशल विकास के ऊपर जोड़ दिया। इस समारोह में 1000 से ज्यादा पेशेवर छात्रों ने भाग लिया। संसद अध्यक्ष के द्वारा झारखंड के 24 नये पेशेवर को सम्मान देकर प्रोत्साहित किया गया। इस समारोह में दिल्ली, कोलकाता, जयपुर से आए हुए पेशेवर शिक्षकों के द्वारा बच्चों का मार्गदर्शन किया गया। इस अवसर पर सीए सतीश जालान, सीए संगम अग्रवाल, निखिल गुप्ता, रोहन शर्मा, अक्षय सेन, निखिल कुमार और अन्या 50 से ज्यादा पेशावर उपस्थित थे। इंटरनेशनल नवोदय चैंबर ऑफ कॉमर्स के संस्थापक सीएमए संदीप कुमार ने कहा झारखंड के सभी पेशेवर छात्रों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण को कंपनी से बात करके अवसर उपलब्ध करवाएंगे। इस अवसर पर उत्तर भारत के छेत्रिय परिषद सीएमए माधुरी कश्यप भी शामिल थी। इस अवसर पर वरिष्ठ अतिथि श्री बी के सबरवाल और सीएमए मदन मोहन भट्टाचार्य जी भी उपलब्ध थे।

शाहिद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी को केशव महतो कमलेश ने दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी के आवास पर पहुंचकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित किया और उनके माता-पिता से मिलकर अपनी संवेदनाएं प्रकट की और कहा कि शहीद पूरे देश के लिए सर्वोपरि है । आज सेना के जवान बॉर्डर पर है, तभी हम लोग अपने घरों में चैन की नींद सो पाते हैं। साथ ही साथ उन्होंने कहा की यह माता-पिता धन्य है जिन्होंने ऐसे शूरवीर को जन्म दिया जिन्होंने अपने देश के खातिर बलिदान दे दी और वीरगति को प्राप्त किया ।इनके इस कृत्य के लिए पूरा देश इनका आभारी रहेगा और जिसे शब्दों से बयां कर पाना काफी मुश्किल है।

हजारीबाग सिख समाज के लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष से आग्रह किया कि पैगोडा चौक का नामकरण कप्तान शाहिद करमजीत सिंह बक्शी के नाम पर किया जाए जिस पर पहल करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने तत्काल विभाग के सचिव और सरकार के संबंधित पदाधिकारी से बात की और इस पर संज्ञान लेते हुए उनसे आग्रह किया कि चौक का नामकरण जो है करमजीत सिंह बक्शी के नाम पर हर हालत में झारखंड सरकार करने का काम करेगी ।इनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय पूर्व सांसद प्रदीप बालमुचू रामगढ़ विधायक ममता देवी, हिन्दू न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योती मथारू प्रदेश से आए सतीश पाल मुंजनी, रियाजउद्दिन अंसारी, शांतनु मिश्रा, परमजीत सिंह, बलजीत सिंह बेदी ओबीसी के सुरजीत नागवाला, अशोक देव, अवधेश कुमार सिंह, विरेन्द्र कुमार सिंह, शशि मोहन सिंह जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, संजय गुप्ता, अनिल उपाध्याय, संजय तिवारी, डॉ.प्रकाश कुमार, रेणू कुमारी, मनीषा टोप्पो, ओमप्रकाश गोप, भैया असीम कुमार, परवेज अहमद, गुड्डु सिंह, कृष्णा किशोर प्रसाद, साजिद अली खान,रीतलाल मंडल, शारदा रंजन दुबे, धीरज सिंह, रंजीत यादव, दीपक गुप्ता, रविन्द्र प्रताप सिंह, राजीव कुमार मेहता, कजरु साव, गोवर्धन गंझू के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे ।

हजारीबाग ब्रह्म समाज में मनाया गया माघ उत्सव

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग की भूमि में पुनर्जागरण के आंदोलन को लाने में यहां 1867 में स्थापित ब्रह्म समाज हजारीबाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मेन रोड हजारीबाग में अवस्थित इसी ब्रह्म समाज के मंदिर में रविवार को माघ उत्सव मनाया गया।इस दिन आयोजित उपासना में एक तरफ जहां पाठ और प्रार्थना का आयोजन किया गया वहीं बीच-बीच में ब्रह्मसंगीत प्रस्तुत किए गए। आज के दिन पाठ और संगीत के माध्यम से ईश्वर को स्मरण करने का और उन्हें धन्यवाद देने का कार्य किया गया। साथ ही गीत के माध्यम से यह प्रार्थना की गई की सब का जीवन सुखमय हो, समाज में भाईचारा बनी रहे, चारों तरफ खुशी का माहौल हो।

ज्ञात हो की माघ उत्सव का आयोजन सर्वप्रथम ब्रह्म समाज के संस्थापक राजा राममोहन राय ने 1830 में किया था। माघ महीने में ब्रह्म समाज की स्थापना की गई थी और इसी स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष माघ उत्सव का आयोजन किया जाता है। हजारीबाग ब्रह्म समाज में 1867 से प्रत्येक वर्ष माघ महीने में इस उत्सव का आयोजन किया जाता है।

रविवार के दिन आयोजित उपासना में संध्या धनपति एवं कोलकाता से आए सुप्रतिम चक्रवर्ती ने पाठ का दायित्व संभाला। इसके माध्यम से ईश्वर को स्मरण करते हुए ब्रह्म समाज एवं ब्रह्म संगीत के इतिहास पर प्रकाश डाला।उपासना के पूर्वार्ध में गीत प्रस्तुत करने का दायित्व हजारीबाग के तापसी दास, श्रीमती रीता भद्र, रूप पाल, रूबी धणपति, मंदिरा गुप्ता एवं सुलगना ने संभाला। डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने ब्रह्म संगीत शैली में तबला पर संगत किया।कार्यक्रम के दूसरे भाग में गीत प्रस्तुत करने का दायित्व कोलकाता से आए सुप्रतिम चक्रवर्ती, श्रीमती एलोरा चक्रवर्ती एवं जयश्री डे ने संभाला। उपासना कार्यक्रम के बाद खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया।कार्यक्रम के आयोजन में हजारीबाग ब्रह्म समाज के सचिव निलंजन चटर्जी, डॉ दीपक कुंडू एवं श्री अतनु घोष मुख्य भूमिका में रहे। शहर के बंगाली समाज के लोग अच्छी संख्या में उपासना में सम्मिलित हुए।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में मची भगदड़ में घायल व मृतकों के प्रति चंद्रप्रकाश जैन ने शोक संवेदना प्रकट की

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: शनिवार की रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक दुखद घटना घटी, जिसमें भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। हादसा रात करीब 9:26 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 13, 14 और 15 के बीच हुआ, जब महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाली तीन ट्रेनें लेट हो गईं, जिससे भीड़ बढ़ गई और भगदड़ मच गई। इधर हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है और मृतकों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है।उन्होंने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई इस हृदयविदारक घटना से मैं गहरा दुखी हूं। यह हादसा न केवल प्रभावित परिवारों के लिए बल्कि

पूरे देश के लिए एक त्रासदी है। मैं उन सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। साथ ही, प्रशासन से अनुरोध करता हूं कि इस घटना की गहन जांच हो और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसा : भगदड़ से शमशान घाट बन गया रेलवे स्टेशन जिम्मेवार कौन?

नरेंद्र भारती

देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा।

भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई ' महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई ' देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं जिसका ताजा घटनाक्रम 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई ' अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे ' रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है ' ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी 'कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों

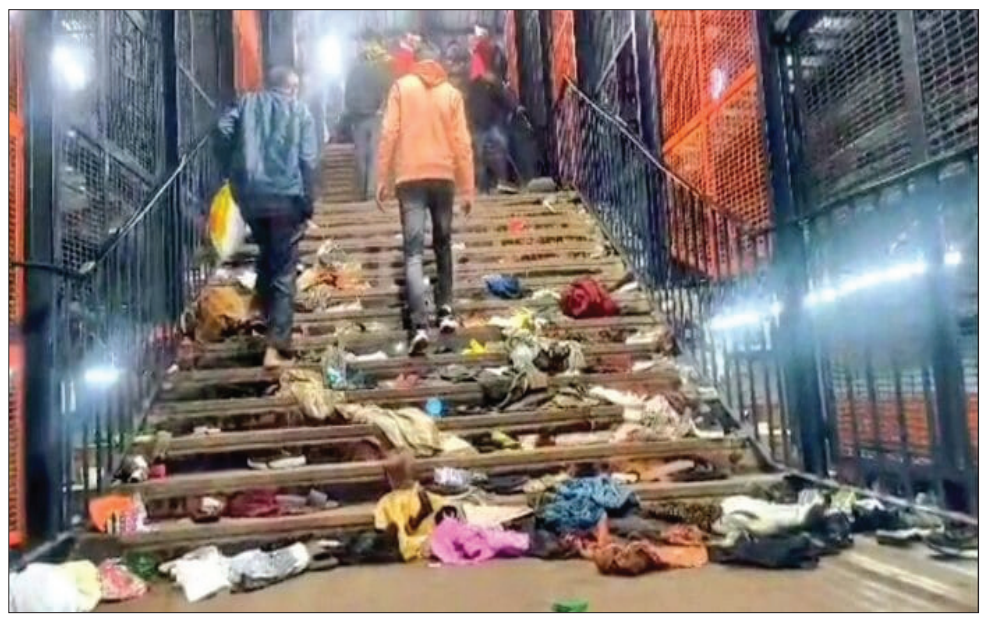

महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी ' 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे '2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया। ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो. रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल व रेलवे स्टेशन शमशानघाट बनते रहेगें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आस्था का महास्फोट

यह कुंभ कई मायनों में अप्रतिम रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के अनुसार अब तक प्रयागराज के महाकुंभ में लगभग 50 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। शायद ही कोई संत, महंत, साधु, संन्यासी ऐसा हो, जो चाहे किसी अखाड़े या संप्रदाय से क्यों न जुड़ा हुआ हो यहां न आया हो। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर सत्ता पक्ष के लगभग सभी बड़े नेता कुंभ स्नान कर चुके हैं। अंबानी और अडानी सहित देश के शीर्षक उद्योगपति परिवारों के लोग त्रिवेणी के जल में स्नान कर चुके हैं। फिल्म उद्योग तथा अन्य गतिविधियों से जुड़े हुए प्रसिद्ध और चर्चित चेहरे प्रयागराज की माटी चूम चुके हैं। सामान्य श्रद्धालुओं का जो उत्साह प्रारंभ में उमड़ता हुआ दिखाई दिया था उसकी उमड़.किसी भी दिन कम नहीं हुई। मौनी अमावस्या के दिन दुखद दुर्घटना हुई। कुछ श्रद्धालुओं की मृत्यु भी हुई। कई स्तर पर अव्यवस्था भी दिखाई दी। प्रयागराज पहुंचने वाले हर मार्ग पर मीलों लंबे जाम लगे। इन सबके अतिरिक्त विपक्षी दलों के नेताओं। ने चुन चुन कर प्रहार किया कांग्रेस के नेताओं ने कुंभ की मूल भावनाओं पर ही सवाल खड़े किए। इसके बावजूद आस्था के ज्वार में हर उत्सव को ठंडा करने वाला हर तत्व बह गया। शायद दुनिया की यह एकमात्र ऐसी परिघटना है जहां आस्था का इतना विकेट उद्वेलन देखा जा रहा है। अगर राजनीति की बात हो तो सत्ता पक्ष सत्ता पक्ष उत्साहित है, लेकिन विपक्ष को आस्था का यह सैलाब परेशान कर रहा है और प्रश्न यह है कि यह बाढ़ के नियंत्रित पानी जैसा या सुनामी जैसा आस्था का जो समुद्र उमड़ा है, क्या वह किसी रचनात्मक ऊर्जा का प्रतीक है जिसे अंततः अनियंत्रित होकर अराजक हो जाना है। क्या हिन्दुत्ववादी शक्तियों के पास सचमुच कोई ऐसी योजना है जिससे आस्था की इस स्फोट से राष्ट्रीय समाज के उत्थान के अनुशासित ऊर्जा का सृजन हो सके। अगर यह आस्था सकारात्मक और रचनात्मक दिशा की ओर नहीं ले जायी जाती है तो इसके परिणाम भारत जैसे बहुलतावादी देश के लिए नकारात्मक भी हो सकते हैं। वस्तुतः आस्था के समुद्र पर ऐसे बांध बनाने की जरूरत है जिनसे राष्ट्र हितवारी ऊर्जा संपन्न हो सके और सामाजिक विवेक का विस्तार हो सके।

सूक्ति

सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृत्ति हैं जो मायने रखती है
- विंस्टन चर्चिल

हमारे जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते है
- मार्टिन लूथर किंग

चिंतन-मनन

उत्तम शरण है धर्म

धर्म के बारे में भिन्न-भिन्न अवधारणाएं हैं। कुछ जीवन के लिए धर्म की अनिवार्यता को स्वीकार करते हैं। कुछ लोगों का अभिमत है कि धर्म ढकोसला है। वह आदमी को पंगु बनाता है और रूढ़ धारणाओं के घेरे में बंदी बना लेता है। शायद इन्हीं अवधारणाओं के आधार पर किसी ने धर्म को अमृत बताया और किसी ने अफीम की गोली। ये दो विरोधी तत्व हैं। इन दोनों ही तथ्यों में सत्यांश हो सकता है, यह अनेकांतवादी चिंतन का फलित है। धर्म की अनिवार्यता स्वीकार करने वालों के लिए धर्म है अंधकार से प्रकाश की यात्रा। आलोक आदमी के भीतर है। उसे पाने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। आलोक तक वही पहुंच सकता है, जो अंतमरुखी होता है। अंतमरुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतमरुखता प्रकाश है और बहिर्मुखता अंधकार है। अंतर्मुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतर्मुखता आचार है और बहिमरुखता अतिचार है। जो व्यक्ति जितना भीतर झांकता है, उतना ही धर्म के निकट होता है।

धर्म को मानने वाले वे प्रबुद्ध लोग हैं जिन्होंने पूजा और उपासना को ही धर्म मान लिया। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धर्म-स्थानों में जाने वाले व्यक्तियों के हर आचरण को धर्म समझ लिया। धार्मिक क्रियाकांडों तक जिनकी पहुंच सीमित हो गई और धार्मिकों की दोहरी जीवनपद्धति को देखकर जो उलझ गए। भगवान महावीर अपने युग के सफल धर्म-प्रवर्तक थे। धर्म को जानने या पाने के लिए उन्हें किसी परंपरा का अनुगमन नहीं करना पड़ा। उन्होंने उस समय धर्म के द्विविध रुप का निरूपण किया। उनकी दृष्टि में धर्म का एक रूप अमृतोपम था तो दूसरा प्राणलेवा जहर जैसा।

लेखक

मयंक मुरारी

जीवन की श्रेष्ठता में देवत्व की तलाश

> हमने अपने श्रेष्ठतम ज्ञान से अपने देवता को पहचाना है, उसे देखा है और उसका विस्तार किया है। भारतीय इतिहास और पुराणों की परंपरा में ही नहीं, बल्कि ऋग्वेद की प्राचीनतम दस्तावेज में भी ऋषि देव है, ज्ञान देव है और प्रश्न उठना भी देवत्व की श्रेणी में आता है। यही कारण है कि जहां सृजन, शक्ति और साधना का केंद्र मिला, उसे देवस्थान बना दिया। हिमालय देवभूमि है, वहां कैलाश पर शिव अखंड समाधि में अवस्थित है, तो बदरी विशाल में श्रीकृष्ण तपरत रहे। गंधमाधन पर्वत की चोटी पर नर-नारायण साधनरत है। धरती के हरेक स्थान को देवत्व से जोड़ने के लिए शिव-शक्ति से स्थलों को जोड़ दिया गया। विष्णु को विराट पुरुष के रूप में परिकल्पना कर समूचा भारतवर्ष को उनका ही प्रतिबिंब बना दिया गया।

भारतीय चितन में मनुष्य की प्रतिष्ठा देवता से ऊपर है। मनुष्य अपने कर्म, ज्ञान, विचार और धर्म से देवत्व को प्राप्त कर मुक्ति का आरोहण कर सकता है। यह सौभाग्य देवता को भी प्राप्त नहीं है। इस भाव के कारण ही हरेक स्थल, तट, किनारा, संगम और शिखर पर जीवन और जगत को जोड़नेवाली आध्यात्मिक चेतना का अलख जगाया। हमने अपने श्रेष्ठतम ज्ञान से अपने देवता को पहचाना है, उसे देखा है और उसका विस्तार किया है। भारतीय इतिहास और पुराणों की परंपरा में ही नहीं, बल्कि ऋग्वेद की प्राचीनतम दस्तावेज में भी ऋषि देव है, ज्ञान देव है और प्रश्न उठना भी देवत्व की श्रेणी में आता है।

यही कारण है कि जहां सृजन, शक्ति और साधना का केंद्र मिला, उसे देवस्थान बना दिया। हिमालय देवभूमि है, वहां कैलाश पर शिव अखंड समाधि में अवस्थित है, तो बदरी विशाल में श्रीकृष्ण तपरत रहे। गंधमाधन पर्वत की चोटी पर नर-नारायण साधनरत है। धरती के हरेक स्थान को देवत्व से जोड़ने के लिए शिव-शक्ति से स्थलों को जोड़ दिया गया। विष्णु को विराट पुरुष के रूप में परिकल्पना कर समूचा भारतवर्ष को उनका ही प्रतिबिंब बना दिया गया। अंगुत्तर निकाय नामक ग्रंथ में महात्मा बुद्ध ज्ञान प्राप्त करने के पूर्व उन्हें स्वप्न में इसका पूवार्भास हो गया था। सपने में बुद्ध भारत देश पर लेटे हुए हैं, मानो वह कोई बड़ा बिस्तर हो। उनका सर हिमालय पर टिका है।

बांया हाथ पूर्वी समुद्र महोदधि में तथा दाहिना हाथ पश्चिमी समुद्र रत्नाकर में तथा दोनों पैर हिंदमहासागर में दिखाया गया है। यह भारत के भूगोल का चित्रण है। यही नहीं हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को शक्तिपीठ के रूप में मान्यता दी गयी है। यह सब हमारी अमरता का केंद्रबिंदू होता गया। इतना ही नहीं, हमने नक्षत्र, ऋतु, मास और दिवस को भी देवत्व एवं सुजनधर्म से जोड़ा है। चैत मास में इस सृष्टि की रचना हुई। यह भगवान नारायण का मास है। वैशाख और फाल्गुन मास राधा मास है, तो मार्गशीर्ष या अग्रहन मास श्रीकृष्ण को प्रिय है। वैशाख को माधव मास कहा जाता है। सावन शैव की अर्चना का मास है तो माता पार्वती को भादो अतीव प्रिय है। कार्तिक और चैत माह तो उत्सव का ही मास है। मार्गशीर्ष साधना का तो आषाढ़ माह गुरुपर्व का है। इस प्रकार एकादशी का दिन विष्णु को प्रिय है, तो त्रयोदशी का दिन शिव का प्रिय दिवस है। अमावस व्रत का, मौन का और साधना का अवसर है, तो पूर्णिमा का दिन उत्सव का, विष्णु स्मरण का और आनंद का समय होता है। सप्ताह का हरेक दिन किसी देव या देवी से जुड़ा है।

हमारे हृदयों, विचारों, ऋचाओं और मंत्रों में जितने में वेदरूपों का वर्णन आता है, उनका निवास इसी लोक में है। हमारी प्रकृति ही देवों का निवासस्थल है। देवताओं का लोक प्रकृति के अवयवों से जुड़ा है। जो प्रकाश बाहर है, वहीं हमारे अंदर भी है। जो प्राण बाहर प्रवाहित है, वही हमारे भीतर है। जो रस शून्य गगन में प्रवाहित है। वहीं रस हमारे हर भी झरता है। हम निराकर को आकार देकर शिवलिंग और शालीग्राम बना देते हैं। पत्थर का एक टुकड़ा मंदिर में रखा जाता है तो शिवत्व (महादेव), तो वही पत्थर का टुकड़ा तुलसी चैरा में शालिग्राम (भगवान विष्णु) बन जाता है। इन पदार्थों को आकार देकर देवत्व से जोड़ देते है और उनमें प्राणों की प्रतिष्ठाकर विराट बना देते हैं। प्रकृति हरेक अनाम पत्थर पर पहाड़ के शिखर से सदैव जलाभिषेक करती है। मनुष्य का शिवलिंग पर जलार्पण उसका ही विस्तारित स्वरूप है। पहाड़ की चोटी पर जब बर्फ पिघलता है, तो पहला अर्पण इन पत्थरों पर ही होता है। प्रकृति जलाभिषेक ही नहीं करती है, बल्कि साथ में संगीत के अक्षय कोष का मुंख खोल देती है। पंक्षियों के हल्के कलरव की प्रार्थना, दिशाओं से वनस्पतियों के सामूहिक गान के स्वर और पेड़ के तनों से अंजुलि भर धूप के अर्पण के साथ हवाओं की प्राकृतिक सुगंध मानवजाति को अहर्निश ही अस्तित्व की साधना में तल्लीन रहने का आमंत्रण देती है। हिमालय के गहवरों में खड़े देवदार को देखकर शिव और शक्ति को पुत्र की कामना उठी। इसी कारण वृक्ष का देवत्व स्वरूप बना। बेल और बरगद में भगवान शिव, आंवला, तुलसी ओर केला में विष्णु और लक्ष्मी का निवास हो गया।। यहां तक की दुर्बा में भगवान गणेश का वास बताया गया। हमारे मन में वृक्ष, लताओं, पुष्पों, जलों और वायु का भी बड़ा स्थान है। यह प्राणी का प्रकृति के प्रति एक आदर भाव बनाते हैं। ऐसे ही उदात भावों के कारण यह भावना बनी कि पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र है। यदि जन का यह भाव और आगे बढ़ता जाए तो उसकी चेतना के प्राणवायु में देवत्व का संचार होता जायेगा और व्यक्ति पृथ्वी से आकाश में छा जायेगा। जहां भी दिव्यता दिखी, वहां देवत्व को प्रतिस्थापित कर दिया। पृथ्वी पर पैर पड़े, इसके पूर्व उनकी आराधना जरूरी है। हम माता धरती से इसके लिए क्षमा प्रार्थना करते हैं। इसी प्रकार हमारे संबंधों की अटूटता प्रदान करने के लिए नदी देवता, ग्राम देवता, अरण्य देवी, लोक देवता का उदभव होता गया।

प्रकृति के प्रति समादर के भाव ऐसे की आधी रात में नदी में पैर नहीं रखा जाता क्योंकि नदी सोई होती है। विराट को अपने में भरने का ही ढंग है कि रात में पेड़ से फूल और फल कौन कहे, प×ी भी नहीं तोड़ते है कि पेड़ सोया है। विख्यात लेखक स्वेट मार्डन ने लिखा है कि भारत में गाय और जानवरों को गले में घंटियां या घुंघरू को बाधा जाता है, जिसके पीछे एक मनोवैज्ञानिक कारण होता है। इन घंटियों एवं घुंघरूओं की आवाज संगीत की तरह गूंजती है। पशुओं को यह आवाज मनमोहक लगता है। इससे उनको संतुष्टि और प्रसन्नता मिलती है। इसके प्रभाव में गायों से अधिक दूध निकलता है। घोड़े और बैल अधिक काम करते हैं। भारतीय जीवन सदैव ही प्राकृतिक सौंदर्य और साझा मानवीय अनुभवों के बीच समन्वय खोजता है, उसके उदात्त भावों को प्रकट करता है।

वैश्विकी: म्यूनिख में अमेरिका-यूरोप टकराव

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद राजनीतिक और कूटनीतिक झटके यूरोप में महसूस किए जा रहे हैं। जर्मनी के शहर म्यूनिख में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भाषण ने यूरोप के सत्ता प्रतिष्ठानों को हिला दिया है। कुछ महीने पहले तक अमेरिका यूरोप के नेता एक ही सुर में बोलते थे। यूक्रेन युद्ध सहित अनेक विश्व मामलों में दुनिया को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बजाय आग में घी डालने का काम किया। यूक्रेन, रूस और यूरोप को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वायदे के अनुसार कार्यकाल के आरंभ में ही युद्ध समाप्त कराने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से लंबी बातचीत की। ट्रंप का शांति फामूर्ला है यूक्रेन में तुरंत युद्ध विराम हो तथा बातचीत शुरू हो। रूस को भरोसा दिलाया जाए कि यूक्रेन को कभी पश्चिमी देश सैन्य संगठन नाटो एवं सदस्य नहीं बनाया जाएगा। वास्तव में कुछ वर्ष पहले यदि यह घोषणा की गई होती तो युद्ध शुरू ही नहीं होता। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग सेथ ने नाटो की बैठक में अमेरिका के इसी रवैये को दोहराया जो यूरोपीय सदस्य देशों को नागवार गुजरा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप प्रशासन का विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि पर्दे के पीछे वह अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेड़ी वेंस का संबोधन यूरोप की सरकारों और नेताओं की नीतियों पर खुला प्रहार था। उन्होंने इन देशों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपनाई जा रही पाखंडपूर्ण नीतियों की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप को रूस और चीन सहित बाहरी शक्तियों के बजाय घरेलू ताकतों से असल खतरा है। जेडी वेंस ने आरोप लगाया कि यूरोपीय देशों में अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जा रही है जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्तोरियस ने आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। वास्तव में आव्रजन, इस्लामी कट्टरवाद, गर्भपात, पर्यावरण और वैक्सीन आदि मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन तथा यूरोपीय नेताओं में मतभेद है। पिछले चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ ट्रंप को भारी जनादेश दिया था। ट्रंप प्रशासन अब इन्हीं नीतियों को अन्य देशों में फैलाना चाहता है। उपराष्ट्रपति वेंस का संबोधन ऐसे समय सामने आया है जब जर्मनी में आम चुनाव होने वाले हैं। चांसलर शोल्ज को कड़ी चुनौती का सामना है। यूरोप की अन्य देशों की तरह जर्मनी में भी आव्रजन और इस्लामी कट्टरवाद विरोधी राजनीतिक दलों की ताकत बढ़ रही है। जर्मनी के दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दल एडीएफ की ताकत में इजाफा हो रहा है। मस्क एड़ीएफ का समर्थन कर रहे हैं। जर्मनी और यूरोप के अन्य देशों में यह धारणा बन रही है कि ट्रंप प्रशासन चुनाव में दखलअंदाजी कर रहा है।

यह विडंबना है कि कुछ दिन पहले जो यूरोपीय देश अन्य देशों को अभिव्यक्ति की आजादी की नसीहत दे रहे थे, वे आज खुद कठघरे में खड़े हैं। वास्तव में पश्चिम का वर्चस्ववादी वैश्विक तंत्र सूचना युद्ध पर टिका था। सूचना के सभी माध्यमों पर इन देशों का एकाधिकार था। किसी भी मुद्दे पर घरेलू और विदेशी मोर्चे पर जनमत का निर्माण करने के लिए इस सूचना तंत्र का इस्तेमाल किया जाता था। ट्वीटर, फेसबुक और व्हाट्सएप आदि के प्रचलन के बाद लोगों को सूचना के वैकल्पिक माध्यम हासिल हुए। एलन मस्क ने ट्वीटर का स्वामित्व हासिल करने के बाद इसे आंतरिक सेंसरशिप से मुक्त किया। वास्तव में भारत पश्चिमी देशों के सूचना एकाधिकार के दुष्परिणाम का भुक्तभोगी रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर कहते रहे हैं कि भारत और उसकी सरकार की छवि खराब करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाया जाता है। जयशंकर ने कुछ वर्ष पूर्व इसी म्यूनिख सम्मेलन में कहा था कि यूरोपीय देश यह मानते हैं कि इस महाद्वीप की समस्या विश्वव्यापी है जबकि अन्य देशों की समस्याओं से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रकारांतर से जयशंकर के तर्क को ही आगे बढ़ाया है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।

तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।

कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर
यहां राम ने ब्रह्महत्या का पाप धोया था

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने ष पहुंचे, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

मंत्र जपने के चमत्कारिक फायदे

मंत्रयोग या जपयोग के चमत्कार के संबंध में शास्त्रों में ढेर सारे उल्लेख मिलते हैं। वेदों में उल्लेख है कि विशेष प्रकार के मंत्रों से विशेष तरह की शक्ति उत्पन्न होती है। अनेक परिक्षणों से यह सिद्ध हो गया है कि मंत्रों में प्रयोग होने वाले शब्दों में भी शक्ति होती है। मंत्रों में प्रयोग होने वाले कुछ ऐसे शब्द हैं, जिन्हे 'अल्फा वेव्स' कहते हैं। मंत्र का यह शब्द 8 से 13 साइकल प्रति सैकेंड में होता है और यह ध्वनि तरंग व्यक्ति की एकाग्रता में भी उत्पन्न होती है। इन शब्दों से जो बनता है, उसे मंत्र कहते हें। मंत्रों के जप करने से व्यक्ति के भीतर जो ध्वनि तरंग वाली शक्ति उत्पन्न होती है, उसे ही जपयोग या मंत्र योग कहते हैं। शास्त्र अनुसार 'ज' का अर्थ जन्म का रुक जाना और 'प' का अर्थ पाप का नष्ट हो जाना। किसी भी मंत्र को बार बार जपने से कई तरह के चमत्कारि घटित होते हैं। आओ जानते हैं 5 चमत्कारिक फायदे।

बढ़ती एकाग्रता मानसिक - शक्ति : मंत्र का अर्थ होता है मन

को एक तंत्र में बांधना। जब मन एक तंत्र में बंध जाता है तो व्यक्ति मानसिक रूप से शक्तिशाली बन जाता है और इससे एकाग्रता भी बढ़ जाती है। अच्छे विचार, मंत्र और भगवान का बार-बार जप करने या ध्यान करते रहने से व्यक्ति की मानसिक शक्ति बढ़ती जाती है। मानसिक शक्ति के बल पर ही व्यक्ति सफल, स्वस्थ और शक्तिशाली महसूस कर सकता है। मंत्र के द्वारा हम खुद के मन या मस्तिष्क को बुरे विचारों से दूर रखकर उसे नए और अच्छे विचारों में बदल सकते हैं। लगातार अच्छी भावना और विचारों में रत रहने से जीवन में हो रही बुरी घटनाएं रुक जाती है और अच्छी घटनाएं होने लगती है।

देवताओं से जुड़ता संबंध - अपने ईष्ट या किसी शक्तिशाली मंत्र का निरंतर जप करने से व्यक्ति ईधर माध्यम की सकारात्मक ऊर्जा और शक्तियों से जुड़ जाता है। मंत्र से किसी देवी या देवता को साधा जाता है, मंत्र से किसी भूत या पिशाच को भी साधा जाता है और मंत्र से किसी यक्षिणी और यक्ष को भी साधा जाता है। 'मंत्र साधना' भौतिक बाधाओं का आध्यात्मिक उपचार है। यदि आपके जीवन में किसी भी प्रकार की समस्या या बाधा है तो उस समस्या को मंत्र जप के माध्यम से हल कर सकते हैं।

प्राप्त होती सिद्धि -किसी भी मंत्र को प्रातिदिन निरंतर जपते रहने से सिद्धियों का द्वार खुल जाता है। जागृत, स्वप्न और सुषुप्ति तीनों ही अवस्था में व्यक्ति जागा हुआ हो जाता है। जपयोग व्यक्ति के अवचेतन को जाग्रत कर उसे दिव्य दृष्टि प्रदान करता है। ऐसा व्यक्ति स्वयं को किसी भी रूप में स्थापित करने में सक्षम हो जाता है। इससे व्यक्ति टेलीपैथिक और परा मनोविज्ञान में पारंगत हो सकता है।

सूक्ष्म शरीर को सक्रिय करते हैं मंत्र -निरंतर मंत्र जप करने से ध्वनि तरंग उत्पन्न होती है, उससे शरीर के स्थूल व सूक्ष्म अंग तक कंपित होते हैं। इसके कारण व्यक्ति का सूक्ष्म शरीर सक्रिय होकर शक्तिशाली परिणाम देना प्रारंभ कर देता है।

मिटते हैं शोक- जब व्यक्ति बहुत व्यग्र या चिंतित रहता है तो तरह-तरह के नकारात्मक विचारों से घिर जाता है और पहले की अपेक्षा परिस्थितियों को और संकटपूर्ण बना लेता है। ढेर सारे विचारों से बचने के लिए किसी भी मंत्र का जप करते रहने से मन में विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। इससे शोक और संताप मिट जाता है। यह व्यक्ति को मानसिक रूप से शांत कर देता है। यदि आप सात्विक रूप से निश्चित समय और निश्चित स्थान पर बैठक मंत्र प्रतिदिन मंत्र का जप करते हैं तो आपके मन में आत्मविश्वास बढ़ता है साथ ही आपमें आशावादी दृष्टिकोण भी विकसित होता है जो कि जीवन के लिए जरूरी है।

पाखंड और अंधविश्वास से बचा सकती है ऐसी सोच

आप किसी भी शहर में हों, आपको सुनने को मिलेगा कि कोई अलौकिक बाबा, योगपुरुष या फकीर का आगमन इस शहर में हो रहा है। उनके दर्शन या स्पर्श मात्र से असाध्य से असाध्य बीमारियां पलक झपकते ही गायब हो जाती हैं। इच्छुक व्यक्ति के मिलने के लिए बाबाओं के सारे अते-पते के पैंफ्लेट शहर की दीवारों पर चिपके मिलते हैं। बाबाओं को मालूम है कि हमारे यहां समस्याग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। एक ढूंढो, लाख मिल जाते हैं।एक बार मैं भी आजमाने के खयाल से मुंबई में एक बाबा से मिलने चला गया। लेकिन वह मुझसे नाराज इसलिए हो गए क्योंकि मैंने उन्हीं की बात को दोहराते हुए कह दिया कि जब ईश्वरीय इच्छा से सब कुछ होना है तो फिर लोग आपके पास क्यों आएं वे खुद भगवान से अपने अच्छे दिन के लिए प्रार्थना करेंगे। अनेक असाध्य रोगियों से उन्हें कहते हुए सुना कि यह केस वे नहीं ले सकते क्योंकि ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध जाना होगा। इसका सीधा मतलब है कि उनका पाखंड जहां चल जाता है, वे वहां अपना धंधा करने में कामयाब हो जाते हैं। असाध्य रोगियों पर ईश्वर की इच्छा लाद देते हैं। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि हमारे देश में होने वाली घटनाओं की लंबी शृंखला की एक कड़ी है।कहीं भभूति, कहीं स्पर्श मात्र से तो कहीं मंत्र से शुद्ध किया हुआ पानी पिलाने से समस्याओं और रोगों को ठीक करने की गारंटी कब से दी जाती रही है। आजकल योग-ध्यान का विज्ञापन भी इसी सस्ती भूमिका पर उतर आया है। कोई यह सोचने के लिए तैयार नहीं है कि भारत में जब इतने महात्मा, बाबा और योगीजन बीमारियों से मुक्त करने का दावा कर रहे हैं तो बड़े-बड़े अस्पतालों, डॉक्टरों और इन पर होने वाले भारी भरकम खर्च की क्या जरूरत है लेकिन जब हम इनके जीवन के भीतर झांकते हैं तो तस्वीर का एक दूसरा बड़ा ही दयनीय और निराशाजनक पहलू सामने आता है। दूसरों को रोगमुक्त करने वाला खुद डॉक्टरों की शरण में होता है।आज शरीर-शास्त्री तथा चिकित्सा-विज्ञान के पंडित इस तथ्य से सहमत हैं कि अधिकांश रोगों का कारण हमारा मन है। मानसिक आवेग और उद्वेग बहुत प्रकार के रोगों को जन्म देते हैं। कुछ रोग आज के व्यस्तता बहुल वातावरण से उत्पन्न दबावों और तनावों की वजह से होते हैं। ये रोग मनोवैज्ञानिक हैं, इसलिए इनका इलाज भी उसी भूमिका पर होना आवश्यक होता है। इसी का फायदा बाबा उठा लेते हैं। आस्थाशील लोग एक मनो-विभ्रम से निकलकर दूसरे मनो-विभ्रम में पड़ जाते हैं। चूंकि यह सुखद विभ्रम होता है इसलिए साधारण आदमी के लिए यह चमत्कार बन जाता है। एक कथित चमत्कारिक घटना को आधार बनाकर दस नई कथाओं को खड़ा करने में भक्त लोग माहिर होते हैं। इस तरह यह सिलसिला आगे चलता रहता है।सुशिक्षित, बुद्धिमान लोग भी इनकी गिरफ्त में आ जाते हैं। लेकिन आज इस स्थिति का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण होना आवश्यक है। तभी पाखंडों और अंधविश्वासों को पनपने से रोका जा सकता है। श्रद्धा का शोषण शताब्दियों से किया जाता रहा है और आज भी हो रहा है। इन स्थितियों को समझने के साथ-साथ मनो-विभ्रम से भी निकलना बहुत जरूरी है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

कहते हैं कि पत्थर में भी जान होती है। निश्चित ही मूर्ति एक पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां बंगलामुखी माता, दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है।

तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट है। कहा जाता है कि यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम भी गई थी, जिन्होंने रिसर्च करने के बाद कहा कि यहां पर कोई आदमी नहीं है। इस कारण यहां पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं। मुगलों ने देश के कई मंदिरों को ध्वस्त किया लेकिन वे इन शक्तिपीठों को कभी खंडित नहीं कर पाए। ऐसा दुस्साहस करने वाले काल के मुख में समा गए हैं। उदाहणणार्थ माता हिंगलाज और माता ज्वालादेवी का शक्तिपीठ।

शिक्षक भर्ती घोटाला : सुवेंदु के भाई दिब्येंदु और भारती घोष, तक पहुंची सीबीआई की जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई की जांच बीजेपी के दो बड़े नेताओं तक पहुंच गई है। राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी पहले ही जेल में हैं। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस घोटाले में अब पूर्व सांसद दिब्येंदु अधिकारी और पूर्व आईपीएस अधिकारी भारती घोष पर शक जताया जा रहा है। दिब्येंदु, बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के भाई हैं और घोष अब बीजेपी में हैं। सीबीआई ने हाल ही में एक विस्तृत रिपोर्ट और सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें इन दोनों के अलावा तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर और अन्य प्रभावशाली लोगों के नाम भी शामिल हैं।सीबीआई के अनुसार, दिव्येंदु अधिकारी और ममता बाला ठाकुर ने 20-20 उम्मीदवारों की सिफारिश की थी, जबकि भारती घोष ने चार उम्मीदवारों को शिक्षक पद के लिए सिफारिश की। जांच एजेंसी को इस घोटाले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज शिक्षा विभाग से मिले थे, जिनमें इन नेताओं द्वारा भेजी गई सिफारिशी चिट्ठियां शामिल थीं। इस मामले में जिन नेताओं के नाम सामने आए हैं, उन्होंने आरोपों से इनकार किया है। भारती घोष ने कहा कि उन्होंने सिर्फ एक उम्मीदवार के परीक्षा केंद्र बदलने की सिफारिश की थी, लेकिन घोटाले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है अगर उनका नाम इस मामले से जोड़ा जाता है। ममता बाला ठाकुर ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि वह निर्दोष हैं। दिब्येंदु अधिकारी ने बयान दिया कि वह सिर्फ अदालत या जांच एजेंसी के सामने ही अपना पक्ष रखेंगे।

एक्ट्रेस शीबा बोलीं-ममता साध्वी बन गईं तो इसमें गलत क्या है वह एंजॉय कर रही है

मुंबई, । बॉलीवुड अभिनेत्री शीबा आकाशदीप 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस रही हैं। शीबा ने अपने करियर में कई फिल्मों में लीड रोल के अलावा सपोर्टिंग एक्ट्रेस के तौर पर भी काम किया है। शीबा आज एक्टिंग छोड़ चुकी हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। शीबा ने एक इंटरव्यू में पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान शीबा से ममता कुलकर्णी के साध्वी बनने को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने जब ममता के बारे में सुना तो वह हैरान थी। शीबा ने कहा कि ममता कहीं-कहीं पर लगती है कि बहुत स्वीट सी है डम सी है। मतलब उसको शायद समझ नहीं आ रहा कि वह क्या बोल रही है। या फिर ये उसकी वास्तविकता होगी। मुझे उसके बारे में ज्यादा नहीं पता, लेकिन वह वास्तव में बहुत एंजॉय कर रही हैं। ममता से मिलने के सवाल पर शीबा ने कहा कि हां हम मिल चुके हैं। 90 के दशक की लड़कियां पार्टीज में कहीं न कहीं मिली ही हैं। मैंने जब से सुना है कि ममता साध्वी बन है तो तब से याद करने की कोशिश कर रही हूं कि ममता से कहां मिली लेकिन याद नहीं आ रहा कहां मिली थी लेकिन सौ फीसदी मिली हूं। लेकिन ममता आज भी कितनी सुंदर है, लेकिन कुछ गलत तो हो रहा है। अपने समय में वह बहुत खूबसूरत थीं। मेरे से कई लोगों ने पूछा कि वह साध्वी बन गई हैं आप क्या कहना चाहेंगी। मैंने कहा अगर वह एंजॉय कर रही हैं तो अच्छी बात है।

सचखंड गुरुद्वारा के पास गोलीबारी की जांच अब महाराष्ट्र एटीएस करेगी

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में गोलीबारी की घटना की जांच अब एटीएस को सौंप दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल हुआ था। यह घटना 10 फरवरी को नांदेड़ के शाहिदपुरा में सचखंड गुरुद्वारा के पास हुई थी। अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने गुरमीत सिंह सेवादार और उसके रिश्तेदार रविंद्र सिंह राठौर पर जब गोली चलाई थी जब दोनों स्कूटर पर जा रहे थे। सेवादार नासिक सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और पैरोल पर था। उन्होंने बताया कि राठौर की मौत हो गई, जबकि सेवादार गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब इस मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस को सौंप दी गई है। मामले में दो लोगों ने हमलावर की मदद की थी, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। अदालत ने उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे 15 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले में दो महिलाओं समेत 15 बांग्लादेशी नागरिकों को बिना दस्तावेजों के रहने के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक पणिक्कम्पालयम, मेट्टुकादाई और पेरुंदुरई में छापेमारी की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे हैं और निजी फर्मों में काम कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक छापेमारी अभियान चलाया गया इस दौरान पता चला कि 15 लोग निजी कंपनियों में और राजमिस्त्री के रूप में काम करते थे। उन्होंने बताया कि जब उनसे पासपोर्ट और वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। सभी को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि औद्योगिक केंद्र पेरुंदुरई में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी काम करते हैं।

14 मार्च को चांद हो जाएगा लाल, अमेरिका में दिखेगा नजारा, भारत पर असर नहीं

नई दिल्ली। 13 मार्च 2025 की देर रात और 14 मार्च की सुबह अमेरिका में अनोखा नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन मून ब्लड रेड तो होगा साथ ही पूर्ण चंद्रग्रहण भी होगा। अमेरिका में यह नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन चंद्रमा, सूर्य और धरती सीधे एक ही रेखा में होंगे। चंद्रमा से लाल लंबी वेवलेंग्थ का प्रकाश धरती पर पड़ेगा।

अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों का दर्द, बोले-हथकड़ी-बेड़ी लगाकर भेजा

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका से निर्वासित भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार रात अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचा। इनमें से कुछ ने अपना दर्द बयां किया और कहा कि उन्हें हथकड़ियां पहनाकर यहां लाया गया है। यही नहीं पैरों में जंजीरें भी डाली गई थीं।

बता दें कि पहली बार जब 104 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था तो तस्वीरें सामने आई थीं, सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। लोगों का कहना था कि डिपोर्टेशन तक तो ठीक है लेकिन उनके साथ मानवीय व्यवहार करना ठीक नहीं। उन्होंने अवैध रूप से इमिग्रेशन के अलावा कोई दूसरा अपराध नहीं किया है।

इन भारतीय प्रवासियों से कुछ ने अपना दर्द मीडिया के सामने रखा और कहा कि हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में हथकड़ी। ये लोग 116 अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी विमान से शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे लाया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें 'डंकी' मार्ग से अमेरिका ले जाया गया था। 'डंकी' मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है जिसका इस्तेमाल प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं। इनके परिजनों का भी आरोप है कि ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया है। पहले तो एजेंट ने उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका ले जाने का आश्वासन दिया था लेकिन बाद में जब उन्हें कई स्थानों पर ले जाया गया, तो उन्हें यात्रा की वैधता पर संदेह पैदा हुआ।

बता दें अमेरिका से 116 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। एक अधिकारी ने बताया कि यह अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा 5 फरवरी के बाद निर्वासित किया गया भारतीयों का दूसरा जत्था है। इनमें पंजाब से संबंध रखने वाले लोगों को आव्रजन संबंधी और पृष्ठभूमि की जांच के बाद रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस की गाड़ियों में उनके घर पहुंचाया गया। हरियाणा सरकार ने भी राज्य से निर्वासित लोगों के लिए परिवहन की व्यवस्था की।

सूत्रों के मुताबिक दूसरे जत्थे में निर्वासित लोगों में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से दो-दो और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल है। अधिकतर निर्वासित लोग 18 से 30 साल के हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 157 निर्वासितों को लेकर तीसरे विमान के 16 फरवरी को भारत आएगा।

मैं और मेरे परिवार को मारना चाहते हैं लोग : रणवीर इलाहाबादिया का पोस्ट

मुंबई। कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में विवादास्पद टिप्पणी के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने जो पोस्ट शेयर किया है उसमें उन्होंने बताया, मैं और मेरी टीम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं। मैं प्रोसेस को फॉलो करूंगा और एजेंसियों के लिए मौजूद रहूंगा। माता-पिता को लेकर मेरी टिप्पणी बहुत ही असंवेदनशील और अपमानजनक थी। ये मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि मैं बेहतर करूं और मैं सच में आपसे माफी मांगता हूं। पोस्ट में उन्होंने बताया कि वो और उनकी टीम जांच में पुलिस का साथ दे रहे हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। रणवीर ने कहा कि कुछ लोग उनकी मां की क्लीनिक में मरीज बनकर पहुंच गए थे और वो बहुत डरे हुए हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं देख रहा हूं कि लोग मुझे जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं, कह रहे हैं वो मुझे मारना चाहते हैं। लोग मेरी मां के क्लीनिक में मरीज बनकर घुस आए। मैं बहुत डरा हुआ हूं और मुझे नहीं पता मैं क्या करूं। मैं भाग नहीं रहा हूं। मुझे पुलिस और भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। बता दें, रणवीर इलाहाबादिया का बयान दर्ज करने के लिए पुलिस उनके घर पहुंची थी, लेकिन पुलिस को उनके घर पर ताला लटका मिला। वहीं, उनका फोन भी बंद आ रहा था। पुलिस इस मामले में अभी तक रणवीर का बयान दर्ज नहीं कर पाई है।

काशी में भक्तों का सैलाब: लंबा इंतजार, दर्शन के लिए 5 किमी लंबी लाइन

वाराणसी (एजेंसी)। काशी और अयोध्या में वीकेंड पर श्रद्धालुओं का जबरदस्त सैलाब उमड़ा है। वाराणसी में करीब 20 लाख लोग पहुंचे, जिससे मंदिर और रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग की है, वहीं गंगा आरती को 26 फरवरी तक रोक दिया गया है। इसके अलावा, शाम 6 बजे के बाद गंगा में नाव संचालन पर भी रोक लगा दी गई है।

रविवार तड़के 2:45 बजे बाबा विश्वनाथ मंदिर के कपाट खोले गए, जिसके बाद श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर के बाहर 5 किलोमीटर तक लंबी कतारें लगी रहीं, और भक्तों को दर्शन करने में 5-6 घंटे का समय लगा है। भीड़ के चलते रेलवे स्टेशन पर भी हालात खराब रहे हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे यात्री स्टेशन पर ही फंसे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि वो 24 घंटे से ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ट्रेन उनके गंतव्य को जाने वाली नहीं आई।

अयोध्या में भी श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा

अयोध्या में भी 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। हनुमान गढ़ी में इतनी भीड़ है कि पैर रखने की जगह तक नहीं बची। रामलला के दर्शन के लिए 2 किलोमीटर लंबी लाइन लगी। पुलिस द्वारा गाड़ियों को सीमा पर ही रोक दिया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को 10 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ रहा है।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य से काम लेने की अपील

काशी और अयोध्या में भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी रखे हुए है। इसके साथ ही किसी अनहोनी से बचने प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने और नियमों का पालन करने की अपील की है, ताकि सभी सुरक्षित और सुगमता से दर्शन कर सकें।

अगर कोई बैंक बैन या बंद हो जाए तो क्या होगा, आपको कितना पैसा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।हाल ही में मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस प्रतिबंध के तहत बैंक के ग्राहक अगले छह महीनों तक अपनी जमा राशि नहीं निकाल सकेंगे और न ही कोई अन्य लेन-देन कर पाएंगे। यह फैसला बैंक में वित्तीय अनियमितताओं और खराब प्रबंधन को देखते हुए लिया गया है। इस घोषणा के बाद बैंक की शाखाओं के बाहर परेशान ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी, जो अपनी मेहनत की कमाई को लेकर चिंतित हैं। आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार होने के बाद ही प्रतिबंध हटाए जाएंगे। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब किसी बैंक पर इस तरह की पाबंदी लगी हो। इससे पहले पीएमसी बैंक, यस बैंक और शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे। बैंक में अपना पैसा जमा करने वाले ग्राहकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर बैंक दिवालिया हो जाता है तो उनकी जमा राशि का क्या होगा।

भारतीय बैंकिंग नियमों के अनुसार, यदि कोई बैंक डूब जाता है या उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है, तो ग्राहकों को अधिकतम 5 लाख रुपए तक की राशि वापस मिल सकती है। यह सुरक्षा डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत आती है, जो बचत खाता, चालू खाता और एफडी जैसी सभी जमाओं को मिलाकर अधिकतम 5 लाख रुपए की गारंटी देती है। यदि किसी ग्राहक के एक ही बैंक में 7 लाख रुपए जमा हैं, तो भी उसे अधिकतम 5 लाख रुपए ही वापस मिलेंगे। लेकिन अगर उसने अपनी जमा राशि को अलग-अलग बैंकों में वितरित कर रखा है, तो प्रत्येक बैंक से उसे 5 लाख तक की राशि प्राप्त हो सकती है।

बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार, ग्राहकों को अपनी पूरी जमा राशि एक ही बैंक में रखने के बजाय अलग-अलग बैंकों में वितरित करनी चाहिए। इसके अलावा, सरकारी बैंकों जैसे एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और बड़े निजी बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा में धन जमा करना अधिक सुरक्षित माना जाता है। सहकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति कई बार अस्थिर हो सकती है, इसलिए उनमें बड़ी मात्रा में धन रखने से बचना चाहिए। आरबीआई ने साफ किया है कि न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक की स्थिति सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। यदि बैंक की हालत बेहतर होती है, तो प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। लेकिन फिलहाल ग्राहकों को धैर्य बनाए रखने और अपने निवेश को सोच-समझकर करने की सलाह दी गई है।

सिद्धरमैया हमारे नेता हैं, उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं: शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है।

पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्धरमैया का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्धरमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। किसी को भी आए दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि वह मीडिया (अटकलबाजी) का विषय बनें।

पार्टी नेताओं के बयानों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, कोई भ्रम नहीं है, कांग्रेस पार्टी हर दिन हर चीज पर नजर रख रही है। सिद्धरमैया मई 2023 से मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले वह 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा नहीं होने की वजह से अब अगले माह भाजपा को मिलेगा नया अध्यक्ष

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा फिलहाल अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। यह दायित्व संभाले हुए उन्हे करीब 6 साल हो गए हैं। कई बार नए अध्यक्ष को लेकर चर्चा चली लेकिन कुछ न कुछ अड़चन आने के कारण नड्डा का कार्यकाल बढ़ता रहा है। इस बार भी कहा जा रहा है कि मार्च में भाजपा को जेपी नड्डा का विकल्प मिल पाएगा। इसकी वजह यह है कि भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम आधी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों का चुनाव हो जाना चाहिए। वहीं प्रदेश अध्यक्षों के इलेक्शन से पहले जिलाध्यक्ष चुने जाने चाहिए। अब तक कई राज्य ऐसे हैं, जहां जिलाध्यक्ष ही नहीं चुने जा सके हैं और इसके कारण प्रदेश अध्यक्षों का इलेक्शन अटका है।

इससे पहले नड्डा लोकसभा चुनाव तक के लिए कार्यकाल विस्तार मिला था, लेकिन फिर महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के चुनाव के कारण नए अध्यक्ष का चुनाव लटक गया। उम्मीद थी कि जनवरी या फरवरी तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा,

लेकिन यह फिर से टल गया है। फिर इसी के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भी देरी हो रही है। इसकी एक वजह यह भी रही कि भाजपा ने अपने संगठन की पूरी मशीनरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतार दिया था। इसके कारण कई राज्यों में संगठन चुनाव लटक गए। भाजपा ने अब तक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 11 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने हैं। कई राज्यों में चुनाव जारी हैं और कहीं तो अध्यक्षों को रिपीट ही किया जा रहा है। अब तक आंध्र प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जिलाध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। लेकिन उत्तराखंड, यूपी समेत कई राज्यों में अब भी इलेक्शन अटका हुआ है। भाजपा संगठन के लोगों का कहना है कि राज्यों में ही चुनाव होना फरवरी या मार्च के शुरुआती दिनों तक संभव है। ऐसे में इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

इस तरह पूरी संभावना है कि मार्च के आखिर तक ही भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इस देरी कि एक वजह यह भी रही कि लोकसभा चुनाव के बाद भी लगातार राज्यों के चुनाव बने रहे। फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव आ गया। अब बिहार विधानसभा इलेक्शन में करीब 6 महीने का वक्त है। ऐसे में बीच के इस समय का इस्तेमाल भाजपा संगठन में बदलाव के लिए करना चाहेगी। इससे संगठन की कमान संभालने वाले नए अध्यक्ष को भी तैयारी का मौका मिल जाएगा। भाजपा के अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का ही होता है, लेकिन जेपी नड्डा को इस बार विस्तार मिला। जेपी नड्डा भले ही पीएम नरेंद्र मोदी की छाया में रहे हैं, लेकिन उनके कार्यकाल को कई राज्यों में शानदार जीत और लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने के लिए याद किया जाएगा।

अमेरिका से 157 भारतीयों को लेकर आ रहा तीसरा विमान, यह भी अमृतसर में उतरेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवासी भारतीयों को लेकर अमेरिका से तीसरा विमान आ रहा है। कितने बजे तक लैंड करेगा इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। ये तीसरा विमान भी अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरेगा।

अमेरिका से 116 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर सैन्य विमान सी-17 ए ग्लोबमास्टर-3 शनिवार रात 11:30 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। पहले 119 अप्रवासियों को डिपोर्ट करने के खबरें थीं, लेकिन बाद में लिस्ट अपडेट की गई। इस विमान में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से 2-2 और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल थे।

एयरपोर्ट के अंदर पहले सभी के दस्तावेजों की चेकिंग की गई। इसके साथ यह भी देखा गया कि किसी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया। अमेरिका तीसरे बैच में 157 अवैध प्रवासी भारतीयों को रविवार यानी आज सुबह अमृतसर भेजेगा। अभी यह पता नहीं चल सका है कि विमान कितने बजे यहां लैंड करेगा।

अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे: मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर हवाई अड्डे पर भारतीय प्रवासियों को ला रहे अमेरिकी विमानों की लैंडिंग को लेकर केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पवित्र शहर अमृतसर को बदनाम किया जा रहा है। हम अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए लोगों को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतारना केंद्र सरकार की साजिश है। यह जहाज दिल्ली या अहमदाबाद अथवा देश के किसी भी एयरबेस पर उतारा जा सकता है। अमेरिका से आने वाले जहाज के लिए पहले दिल्ली एयरपोर्ट आता है।

स्पीड में चीन के बाहुबली फाइटर जेट का मुकाबला नहीं कर सकता अमेरिका का एफ 35

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने भी 5वीं जेनरेशन का एयरक्राफ्ट डेवलप किया है। यह एयरक्राफ्ट अमेरिका के एफ 35 से कई गुना ज्यादा गति वाला है। चीन ने हाल में ही 5वीं जेनरेशन फाइटर जेट जे-35ए को दुनिया के सामने पेश किया था। बताया जाता है कि बीजिंग ने एफ-35 से प्रेरित होकर जे-35ए फाइटर जेट बनाया है। हालांकि, चीनी लड़ाकू विमान स्पीड और टेक्नोलॉजी के मामले में अमेरिका के एफ-35 एयरक्राफ्ट से अपग्रेड है।

बता दें कि चीन पिछले कुछ साल में अपने डिफेंस पर खर्च में बेतहाशा वृद्धि की है। खासकर एयरफोर्स और नेवी को अपग्रेड किया है। यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। इसे देखेते हुए भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना पड़ रहा है। भारत भी एयरफोर्स को अपग्रेड कर रहा है। राफेल के बाद अब अमेरिका से एफ-35 एयरक्राफ्ट को खरीदने का फैसला किया गया है। दूसरी तरफ नेवी को भी मॉडर्न बनाया जा रहा है। राफेल-एम की खरीद उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके अलावा मिसाइल और अन्य आधुनिक वेपन को डेवलप किया जा रहा है। सबसे पहले चीन की पांचवीं पीढ़ी के विमान जे-35ए की बात करते हैं। बीजिंग ने बदलते सामरिक माहौल के बीच पांचवीं पीढ़ी के विमान का निर्माण शुरू किया है। इसी क्रम में डेवलप किया गया है। यह फाइटर जेट स्टील्थ होने के कारण रडार की पकड़ से बाहर है। मतलब इसे रडार पकड़ नहीं सकते हैं।

अमेरिका का एफ-35 फाइटर जेट भी पांचवीं पीढ़ी का विमान है। यह एयरक्राफ्ट मैक-1.6 की रफ्तार से उड़ान भरने में सक्षम है। फिफ्थ जेनरेशन का विमान होने की वजह से यह रडार की पकड़ से दूर है। मतलब इसे रडार नहीं पकड़ सकता है। इसमें एडवांस्ड सेंसर लगे हुए हैं, ताकि टारगेट को हासिल करने में आसानी रहे। इसके अलावा इस विमान में रडार को जाम करने की भी क्षमता है। साथी मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से भी यह फाइटर जेट लैस है।

वैश्विक रुख, एफपीआई की गतिविधि तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा : विश्लेषक

- डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल के दाम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे

मुंबई ।

कंपनियों का तिमाही पे रिणामों का सीजन समाप्त होने के बाद इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी कोषों की लगातार निकासी, कंपनियों के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों और वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध की आशंका से पिछले सप्ताह शेयर बाजारों की धारणा पर असर हुआ है। शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी लगातार आठवें कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि तीसरी तिमाही के नतीजों का सीजन समाप्त होने के साथ अब बाजार की नजरें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों की वजह से उत्पन्न हालात और वैश्विक घटनाक्रमों पर रहेगी। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के साथ अब बाजार की निगाह आगे के संकेतों के लिए एफपीआई के प्रवाह और मुद्रा के उतार-चढ़ाव पर रहेगी। इसके साथ ही अमेरिकी शुल्क और वैश्विक व्यापार पर इसका प्रभाव भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। सप्ताह के दौरान फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा भी जारी किया जाएगा। एक वरिष्ठ विश्लेषक ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर घटनाक्रमों के अभाव में वैश्विक रुझान बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि बाजार में कई कारणों से गिरावट आई है। इसमें प्रमुख कारक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा व्यापारिक भागीदार देशों पर ऊंचा शुल्क लगाने की घोषणा है।

इसके अलावा कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों तथा विदेशी निवेशकों की सतत निकासी से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई है।

विदेशों में दाम चढ़ने से बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

- सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट रही

नई दिल्ली । बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाने के तेल महंगे होने तथा देश में आयात शुल्क पुनर्निर्धारित करने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजार में अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। निर्यात में सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) का दाम कम मिलने के बीच सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट देखने को मिली। बाजार सूत्रों ने कहा कि इन सबके अलावा समीक्षाधीन सप्ताह के अंत में खाद्य तेलों के आयात शुल्क मूल्य में फेरबदल करते हुए सोयाबीन डीगम तेल का आयात शुल्क मूल्य 88 रुपये क्विंटल घटाया गया है, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) का आयात शुल्क मूल्य पांच रुपये क्विंटल बढ़ाया गया है। पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य को 19 रुपये क्विंटल घटाया गया है। विदेशों में पिछले महीने जिस सोयाबीन डीगम तेल का दाम 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन था वह समीक्षाधीन सप्ताह में बढ़कर 1,175-1,180 डॉलर प्रति टन हो गया। इस दौरान, 1,170-1,175 डॉलर वाले सीपीओ का दाम बढ़कर 1,180-1,185 डॉलर प्रति टन हो गया। यानी सीपीओ और सोयाबीन डीगम के दाम का जो अंतर पहले अधिक था, वह अंतर अब लगभग बराबर हो चला है। सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में एक मात्र सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट रही। यह गिरावट मुख्यतः निर्यात में अच्छा दाम नहीं मिलने की वजह से है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 6,125-6,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 150 रुपये के सुधार के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,295-2,395 रुपये और 2,295-2,420 रुपये टिन (15 किलो) पर, सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,275-4,325 रुपये और 3,975-4,075 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 300 रुपये, 250 रुपये और 400 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 14,000 रुपये, 13,650 रुपये और 10,000 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तिलहन का भाव 200 रुपये की तेजी के साथ 5,475-5,800 रुपये क्विंटल पर, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 150 रुपये और 30 रुपये के सुधार के साथ 14,200 रुपये और 2,165-2,465 रुपये प्रति टिन, कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 200 रुपये सुधरकर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल और पामोलीन दिल्ली का भाव 350 रुपये मजबूत होकर

भारत के एक्सपोर्ट में आई तेजी, 446 अरब डॉलर के निर्यात का अनुमान

निर्यात 109.3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत के व्यापारिक निर्यात में चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 124.8 बिलियन डॉलर की वृद्धि होने का अनुमान है। इस वृद्धि के दृष्टिकोण में इंडिया एक्जिम बैंक के अनुमानों के अनुसार, कुल व्यापारिक निर्यात 446.5 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। निर्यात में गैर-तेल निर्यात में तीव्र वृद्धि के साथ 109.3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का व्यापार घाटा दिसंबर में घटकर 21.94 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि नवंबर में इसमें वृद्धि हुई थी। हालांकि, दिसंबर में आयात में गिरावट आई। इसके बावजूद, व्यापार नीति की अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाव के चलते चुनौतियाँ बनी रही हैं। सालाना आधार पर दिसंबर के दौरान व्यापार घाटा बढ़ा, लेकिन निर्यात में कुछ मामूली गिरावट आई। यह स्थिति व्यापारिक निर्यात को गुजरने वाले समय में वृद्धि की संभावना को दर्शाती है। नए अनुमान स्थिर सुधार की दिशा में हैं, जो कि मजबूत विनिर्माण गतिविधि और मांग में वृद्धि के साथ समर्थित होने का संकेत देते हैं।

व्यापार नीति की अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक विखंडन जैसी चुनौतियों के बावजूद, निर्यात में सकारात्मक गति अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जारी रहने की संभावना है. नवीनतम अनुमान स्थिर सुधार का संकेत देते हैं, जो कि मजबूत विनिर्माण गतिविधि, लचीले कृषि निर्यात और वैश्विक मांग में सुधार द्वारा समर्थित हैं। इस बीच, भारत का व्यापार घाटा दिसंबर में घटकर 21.94 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 32.84 बिलियन डॉलर था, क्योंकि मासिक आधार पर निर्यात में वृद्धि हुई, जबकि आयात में गिरावट आई. दिसंबर में व्यापारिक निर्यात बढ़कर 38.01 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि नवंबर में यह 32.11 बिलियन डॉलर था, जबकि आयात घटकर 59.95 बिलियन डॉलर रह गया, जो नवंबर में 64.95 बिलियन डॉलर था। हालांकि, सालाना आधार पर दिसंबर के दौरान व्यापार घाटा बढ़ गया, जबकि दिसंबर 2023 में यह 18.76 बिलियन डॉलर था. दिसंबर 2024 में व्यापारिक निर्यात में 1 प्रतिशत की गिरावट आई, जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 38.39 बिलियन डॉलर था, जबकि आयात में दिसंबर 2023 में 57.15 बिलियन डॉलर से 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.6 बिलियन डॉलर तक बढ़ा

नई दिल्ली ।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार ने 7 फरवरी तक 7.6 बिलियन डॉलर बढ़कर 638 डॉलर बिलियन हो गया। यह तीसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। पिछले साल सितंबर में भारत का उच्च स्तर 704.885 अरब डॉलर था। 2023 में वृद्धि के साथ भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 58 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली। स्वर्ण भंडार में भी 1.3 बिलियन डॉलर की वृद्धि के साथ 72.20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ पर्याप्त वृद्धि देखी गई। भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब 876 टन है, जो दुनिया के सबसे बड़े सोने के खरीदारों में दूसरे स्थान पर है। आरबीआई ने नीतिगत कदम के रूप में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कमी कर 6.25 फीसदी करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करके रुपये में अस्थिरता को प्रबंधित कर रहा है, खासकर जब विदेशी निवेशक शेयर बेचकर निकासी करते हैं। ग्लोबल अर्थव्यवस्था के साथ समर्थनात्मक स्थिति के साथ, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार और स्वर्ण भंडार देश के अर्थों में सुधार का संकेत दे रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने नवंबर 2024 में अतिरिक्त 8 टन सोना हासिल किया, जिससे महीने के दौरान वैश्विक केंद्रीय बैंक खरीद 53 टन हो गई।

भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब 876 टन है, जो पोलैंड के बाद 2024 में दूसरे सबसे बड़े खरीदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करता है। एक महत्वपूर्ण नीतिगत कदम में आरबीआई ने नवीनतम मौद्रिक नीति समिति की बैठक के दौरान रेपो दर में 25 आधार अंकों की कमी कर 6.25 फीसदी करने का निर्णय लिया, पांच वर्षों में पहली बार दर में कटौती। केंद्रीय बैंक रुपये में अस्थिरता को प्रबंधित करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करता है, खासकर जब विदेशी निवेशक शेयर बाजार से शेयर बेचकर निकासी करते हैं।

गौतम अडानी की संपत्ति में बड़ी गिरावट

- दुनिया के अमीरों की सूची में 23वें स्थान पर

मुंबई ।

देश के प्रमुख रईसों में से एक अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, उनकी नेटवर्थ 2.73 अरब डॉलर घटकर 66.1 अरब डॉलर रह गई है। इसके चलते वे दुनिया के अमीरों की सूची में 23वें स्थान पर खिसक गए हैं। अडानी के साथ ही भारतीय रईसों की नेटवर्थ में गिरावट देखने को मिल रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति में भी 4.55 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इससे एशिया के सबसे बड़े रईस के स्थान पर सवाल खड़े हैं। भारतीय रईसों के बीच संपत्ति में गिरावट के कारण घरेलू शेयर बाजार में लगातार गिरावट आ रही है। इससे नामी उद्योगपतियों जैसे शिव नाडर, शापूरजी मिस्त्री, अजीम प्रेमजी, सावित्री जिंदल और दिलीप सांघवी की नेटवर्थ में भी गिरावट देखने को मिल रही है। विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति एलेन मस्क की नेटवर्थ में भी गिरावट दर्ज की गई है, जबकि मार्क जुकरबर्ग सबसे अच्छे कमाई वाले रईस बने हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में इस साल 4.55 अरब डॉलर की गिरावट आई है। वह 86.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर बने हुए हैं। एचसीएल के शिव नाडर ने इस साल 4.14 अरब डॉलर, शापूरजी मिस्त्री ने 2.18 अरब डॉलर, अजीम प्रेमजी ने 18.8 करोड़ डॉलर, सावित्री जिंदल ने 5.20 अरब डॉलर और सन फार्मा के दिलीप सांघवी ने 3.40 अरब डॉलर गंवाए हैं।

दुनिया में सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने के मामले में एलन मस्क पहले नंबर पर हैं जबकि सबसे ज्यादा कमाई करने में मार्क जुकरबर्ग सबसे आगे हैं। दुनिया के सबसे बड़े रईस मस्क की नेटवर्थ में इस साल 34.1 अरब डॉलर गंवाए हैं। अब उनकी नेटवर्थ 398 अरब डॉलर रह गई है। दूसरी तरफ फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ जुकरबर्ग की नेटवर्थ में इस साल 52 अरब डॉलर की तेजी आई है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने सोने की खरीदारी में बढ़ोतरी की

जनवरी 2025 तक आरबीआई के पास कुल 876.18 टन सोना था

नई दिल्ली । दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल के वर्षों में सोने की भारी खरीदारी की वजह से महत्वपूर्ण स्थिति हासिल की है। 2024 के दौरान आरबीआई ने 72.6 टन सोने की खरीदारी की, जो पिछले साल के मुकाबले चार गुना ज्यादा है। इस बढ़ती खरीदारी ने आरबीआई को दुनिया के शीर्ष दस केंद्रीय बैंकों में शामिल कर दिया है। यह सोना आरबीआई के फिनैंसियल पोर्टफोलियो को वैश्विक अनिश्चितताओं के खिलाफ सुरक्षित बनाने में मदद कर रहा है। इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया कि आरबीआई का ध्यान केवल भंडार के संतुलन पर है और इसका मकसद किसी अन्य मुद्रा की जगह सोने को प्राथमिकता देना नहीं है। जनवरी 2025 तक आरबीआई के पास कुल 876.18 टन सोना था, जिसकी कीमत 66.2 अरब डॉलर थी। यह एक चौंकाने वाली वृद्धि है इसके अलावा रिजर्व बैंक की खरीदारी ट्रेंड को लेकर विश्लेषकों का मानना है कि यह ट्रेंड जारी रहेगा, जो दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के लिए सुरक्षित संपत्ति प्रदर्शित करता है।

हीरो मोटोकॉर्प का अगले वित्त वर्ष में राजस्व में 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली । देश की लीडिंग दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपने नए उत्पादों और खंडों में सतत निवेश के माध्यम से अगले वित्त वर्ष में अपने राजस्व में दो अंकीय वृद्धि का लक्ष्य घोषित किया है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी ने इसकी जानकारी दी, जिसके अनुसार दिसंबर तिमाही में कंपनी का राजस्व 10,260 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी की नजर नए उत्पादों और खंडों पर निवेश करने की ओर है, जिससे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय में वृद्धि होगी। वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी ने अपने हीरो 2.0 मिशन के तहत अपने बिक्री शोरूमों का अद्यतन किया है और प्रीमियम शोरूम की स्थापना भी की है। इसके साथ ही कंपनी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मांग में वृद्धि के साथ नए उत्पादों की पेशकश और पावर ब्रांड में निवेश के लिए प्रतिबद्ध है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की वृद्धि के लिए उम्मीदें हैं, जो उद्योग में और अधिक विकास के संकेत हो सकते हैं।

देश के टैबलेट बाजार में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली । सालाना आधार पर देश के टैबलेट बाजार में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत के टैबलेट बाजार में 2024 में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। बाजार में यह उछाल मुख्य रूप से 5जी टैबलेट की बढ़ती मांग के कारण आया है, जिसमें पिछले साल की तुलना में 424 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के कुल टैबलेट बाजार में एप्पल ने 29 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद सैमसंग 28 प्रतिशत और लेनोवो 16 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पहली बार, एप्पल ने भारत में एक ही साल में 10 लाख से अधिक आईपैड शिप कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। सीएमआर का अनुमान है कि 2025 में भारत का टैबलेट बाजार 10-15 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि के साथ आगे बढ़ता रहेगा। हालांकि, 2024 की चौथी तिमाही में सैमसंग ने 29 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ बढ़त बना ली, जबकि लेनोवो 23 प्रतिशत और एप्पल 21 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सीएमआर की सीनियर एनालिस्ट मेनका कुमारी के अनुसार, भारत का टैबलेट बाजार अब प्रीमियम सेगमेंट (20,000 रुपये से अधिक) की ओर शिफ्ट हो रहा है। इस श्रेणी में शिपमेंट में 128 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि लोग अब अधिक उन्नत फीचर्स और बेहतर प्रदर्शन वाले टैबलेट खरीदना पसंद कर रहे हैं। एप्पल ने इस सेगमेंट में अपना दबदबा बनाए रखा, जिसमें आईपैड 10 सीरीज सबसे अधिक बिकने वाला मॉडल रहा। एप्पल के कुल शिपमेंट में इसका योगदान 55 प्रतिशत था। आईपैड मिनी (2024) के लॉन्च से एप्पल के बाजार नेतृत्व को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर, सैमसंग ने भी 53 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की। गैलेक्सी टैब ए9 प्लस 5जी मॉडल ने इसकी सफलता में बड़ी भूमिका निभाई, जो कंपनी की कुल टैबलेट शिपमेंट का 68 प्रतिशत था।

सेंसेक्स की 10 में से आठ प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 2.03 लाख करोड़ घटा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और आईटीसी के मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 2,03,952.65 करोड़ रुपये की गिरावट आई। वहीं भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 67,526.54 करोड़ रुपये घटकर 16,46,822.12 करोड़ रुपये, टीसीएस का मूल्यांकन 34,950.72 करोड़ रुपये घटकर 14,22,903.37 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 28,382.23 करोड़ रुपये घटकर 12,96,708.35 करोड़ रुपये, आईटीसी की 25,429.75 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,13,699.85 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 19,287.32 करोड़ रुपये घटकर 7,70,786.76 करोड़ रुपये, एसबीआई की बाजार हैसियत 13,431.55 करोड़ रुपये घटकर 6,44,357.57 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 10,714.14 करोड़ रुपये घटकर 5,44,647 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 4,230.4 करोड़ रुपये घटकर 5,20,082.42 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के विपरीत भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 22,426.2 करोड़ रुपये बढ़कर 9,78,631.54 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 1,182.57 करोड़ रुपये बढ़कर 8,88,815.13 करोड़ रुपये हो गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और आईटीसी का स्थान रहा।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), निवेश का सही रास्ता

नई दिल्ली । सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) एक ऐसा निवेश माध्यम है जो नियमित रूप से निवेश करने के माध्यम से रिटेल इन्वेस्टर्स को आवश्यक धन वृद्धि का अवसर प्रदान करता है। यह निवेश प्रक्रिया एक डिसिप्लिन तथा विश्वसनीय उपाय है जिसमें साप्ताहिक, मासिक या तिमाही आधारित निवेश करने की स्वतन्त्रता होती है। एक रिपोर्ट दर्शाती है कि 7 साल की एसआईपी एक अधिक रियलिस्टिक और व्यापक रूप से उपयुक्त समय-सीमा है। इस अवधि के दौरान, बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक को ज्यादा रिटर्न की संभावना होती है एवं उनका निवेश भी कम जोखिमपूर्ण होता है। एक और अध्ययन में 2005 से 2025 तक के दौरान निफ्टी स्मॉलकैप 250 का मिनिमम रिटर्न -7.3 फीसदी रहा जबकि निफ्टी मिडकैप 150 ने 27.3 फीसदी रिटर्न प्रदान किया। यह दिखाता है कि स्मॉलकैप में निवेश करने वाले निवेशकों को थोड़ा जोखिम झेलना पड़ता है, जबकि मिडकैप में निवेश करने वालों को ऐसा अनुभव नहीं होता। यानी कि एसआईपी एक बेहतरीन निवेश विकल्प है जो निवेशकों के लिए धन का उत्थान करने में मदद कर सकता है, परंतु उन्हें इसे दीर्घकालिक एवं नियमित रूप से अपनाना होगा। इस प्रकार सही समय अवधि चुनने में और उसे नियमितता से अपनाने में ही एसआईपी की सफलता छिपी है।

चालू वित्त वर्ष में मदर डेयरी को अपना कारोबार 17,000 करोड़ के पार होने की उम्मीद

- मदर डेयरी की स्थापना 1974 में हुई थी, कंपनी ने अपनी स्थापना के 50 साल पूरे किए

नई दिल्ली ।

अपने खाद्य उत्पादों की बेहतर मांग तथा उत्पादन क्षमता के साथ वितरण नेटवर्क के विस्तार से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में दिल्ली-एनसीआर में प्रमुख दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी का कारोबार 15 प्रतिशत बढ़कर 17,000 करोड़ रुपये से अधिक रहने की उम्मीद है। दूध और अन्य डेयरी उत्पादों के अलावा मदर डेयरी धारा ब्रांड के तहत खाद्य तेल और सफल ब्रांड के तहत बागवानी उत्पाद बेचती है। मदर डेयरी की स्थापना 1974 में हुई थी। अब यह राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। मदर डेयरी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि इसने अपनी स्थापना के 50 साल पूरे किए हैं। हम चालू वित्त वर्ष में 15 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ साल का समापन 17,000 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार के साथ करेंगे। वित्त वर्ष 2023-24 में मदर डेयरी ने 15,037 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल किया था। डेयरी कारोबार ने कुल वार्षिक राजस्व में लगभग 75 प्रतिशत का योगदान दिया था। यह मजबूत प्रदर्शन हमारी रणनीतिक पहल का प्रमाण है। दिल्ली-एनसीआर से परे हम राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति बढ़ा रहे हैं, नई पीढ़ी के वितरण चैनल के माध्यम से अपनी पहुंच को मजबूत कर रहे हैं, विनिर्माण क्षमता का विस्तार कर रहे हैं और उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए नए रोमांचक उत्पाद पेश कर रहे हैं। क्षमता विस्तार के लिए मदर डेयरी 500 करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित निवेश के साथ महाराष्ट्र के नागपुर में एक विशाल दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित कर रही है। इस नई सुविधा के 2026 तक चालू होने की उम्मीद है और यह मध्य और दक्षिणी क्षेत्र के बाजारों को उत्पादों की आपूर्ति करेगा। बागवानी कारोबार में मदर डेयरी ने दो एकीकृत फल और सब्जी प्रसंस्करण सुविधाओं की आधारशिला रखी है।

इनमें से एक इटोला, वडोदरा, गुजरात और दूसरी आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में है। इसके अलावा सफल ब्रांड के तहत कंपनी ने 350 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ दो नए संयंत्र स्थापित किए हैं। चालू वित्त वर्ष में कंपनी ने विभिन्न श्रेणियों में 30 नए उत्पाद उतारे हैं।

अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वैल्यू फॉर मनी एसयूवी का स्थान बरकरार

रांची, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की प्रमुख एसयूवी, एमजी हेक्टर भारतीय कार खरीदारों के लिए लगातार पहली पसंद बनी हुई है, जो बगैर भारी कीमत के स्टाइल, स्पेस, आराम और अत्याधुनिक तकनीक की तलाश में हैं, साथ ही 500 रुपये प्रति माह का कम मेंटेनेंस खर्च. प्रीमियम हैचबैक की तुलना में कम मेंटेनेंस खर्च के साथ, एमजी हेक्टर 2024 में एसयूवी श्रेणी में एक स्मार्ट निवेश के रूप में उभरकर सामने आई है। भारत की पहली इंटरनेट एसयूवी झ एमजी हेक्टर ने अपनी लॉन्चिंग के बाद से ही भारतीय एसयूवी उत्साही लोगों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यह लक्जरी, दक्षता और बोल्ड आइकोनिक डिजाइन का एक बेमिसाल संयोजन है। तकनीक-आधारित सुविधाओं से लैस और आरामदायक सवारी प्रदान करने वाली हेक्टर आधुनिक ड्राइवर की जरूरतों को पूरा करती है। एमजी हेक्टर अपनी कम कुल स्वामित्व लागत, उच्च रीसेल वैल्यू और उत्कृष्ट गुणवत्ता के कारण उद्योग में एक बेंचमार्क स्थापित कर रही है।

वैश्विक स्तर पर अच्छी खबर आई है कि वर्ष 2024 और 2025 में सीएफओ ने कर्मचारियों का मुआवजा औसत से बढ़ाने की योजना बनाई है।

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर अच्छी खबर आई है कि वर्ष 2024 और 2025 में सीएफओ ने कर्मचारियों का मुआवजा औसत से बढ़ाने की योजना बनाई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेक्नोलॉजी इन्वेस्टमेंट और डिजिटल विकास को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे उद्योगों में विकास और दक्षता में सुधार आ सकता है। यह सीएफओ का दृष्टिकोण है कि टेक्नोलॉजी बजट में वृद्धि करने से कंपनियों को विविधता और प्रतिस्पर्धा के माध्यम से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सेक्टर-अनुसार टेक्नोलॉजी खर्च में वृद्धि देखने के साथ, बैंकिंग और रिटेल सेक्टर में भी मुआवजे और बाहरी सेवाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। एक अच्छी खबर यह है कि इस दिशा में अग्रणी कंपनीयां भी सक्रिय हैं। अब दिख रहा है कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन की ओर गतिशील कदम बढ़ रहे हैं, जो कंपनियों को प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखने में मदद करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि कूलिंग लेबर मार्केट संगठनों को मुआवजे पर अधिक बातचीत करने की शक्ति देता है, सीएफओ को संभावित जोखिमों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए क्योंकि घरेलू आवश्यकताओं की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अधिकांश क्षेत्र 2025 में टेक्नोलॉजी खर्च को प्राथमिकता दे रहे हैं। रिटेल सेक्टर में बेची गई वस्तुओं की लागत (सीओजीएस) और मुआवजे में वृद्धि देखने को मिल सकती है क्योंकि संगठन उत्पाद की गुणवत्ता और ग्राहक संपर्क को बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं. इस बीच, बैंकिंग क्षेत्र में, टेक्निकल टैलेंट को आकर्षित करने और गैर-रणनीतिक कार्यों को आउटसोर्स करने के लिए मुआवजे और बाहरी सेवाओं को भी प्राथमिकता दी जाती है।

विजय अभियान जारी रखने उतरेंगे दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा (एजेंसी)। अपने पहले मैच में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स महिला प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां जब आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखना होगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की।

अच्छी शुरुआत से दोनों टीम का मनोबल बढ़ा होगा लेकिन आरसीबी की टीम विशेषकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अधिक संतुलित नजर आ रही है और इसलिए वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। आरसीबी की बल्लेबाजी इकाई की मजबूती का पता इससे चलता है कि उसने 200 से अधिक रन के लक्ष्य को बड़ी आसानी से हासिल किया।

स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम अपना यह प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। आरसीबी को राघवी बिष्ट और कनिका आहूजा जैसी युवा खिलाड़ियों के कारण मजबूती मिली है जो मंधाना, एलिसे पेरी, ऋचा घोष और डैनी व्याट के साथ सहजता से घुल-मिल गई हैं। राघवी और कनिका ने पहले मैच में जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आरसीबी के गेंदबाजों को हालांकि कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी। गेंदबाजी ने उसे पेरी की कमी महसूस हो रही है। ऑस्ट्रेलिया की यह स्टार ऑलराउंडर चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगी।

दिल्ली की बल्लेबाजी बेहद मजबूत है और आरसीबी के गेंदबाजों को उन पर लगाम लगाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान मेग लैनिंग, एनाबेल सदरलैंड, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, एलिस कैप्सी और सारा ब्राइस जैसी धुरंधर बल्लेबाज हैं जो किसी भी तरह के

आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकती हैं। तेज गेंदबाज शिखा पांडे की अगुवाई वाली दिल्ली की गेंदबाजी इकाई ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को 164 रन पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह जारी रखने की कोशिश करेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स : मेग लैनिंग (कप्तान), एलिस कैप्सी, सारा ब्राइस, एनाबेल सदरलैंड, मिन्नू मणि, शैफाली वर्मा, अरुंधति रेड्डी, एन चरानी, शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, नंदिनी कश्यप, स्नेहा दीप्ति, जेस जोनासेन, निकी प्रसाद, तानिया भाटिया, मारिज़ैन कैप, राधा यादव, टिटास साधु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : स्मृति मंधाना (कप्तान), नुजहत परवीन, जोशिता वीजे, ऋचा घोष, डैनी व्याट, कनिका आहूजा, सब्बीनेनी मेघना, एकता बिष्ट, किम गर्थ, श्रेयंका पाटिल, एलिसे पेरी, प्रेमा रावत, जॉर्जिया वेयरहैम, राघवी बिस्ट, हीथर ग्राहम, जाग्रवी पवार, रेणुका सिंह, चार्ली डीन।

रणजी टीम से भी बाहर हुए यशस्वी

मुम्बई (एजेंसी)। युवा सलामी बल्लेबाज जायसवाल को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में यशस्वी रणजी ट्रॉफी में खेलने जा रहे थे पर अब वह भी संभवन नहीं है। यशस्वी चोटिल होने के कारण रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से भी बाहर हो गए हैं। रणजी सेमीफाइनल नागपुर के जामठा में सोमवार से मुंबई और विदर्भ के बीच शुरु होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यशस्वी के बाएं टखने में दर्द है और उनको जांच के लिए बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ले जाया जाएगा। आज रविवार को नागपुर में मुंबई के अभ्यास सत्र में फील्डिंग पर नेट्स में बल्लेबाजी करते समय उन्हें दर्द उभरने लगा। कहा जा रहा है कि उनकी पुरानी चोट फिर से उभर आई है। अब उनकी रिकवरी प्रक्रिया बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगी।÷

यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है और दोनो को ही नॉन ट्रैवलिंग सब्स्टीट्यूट के तौर पर रखा गया है। इससे साफ है कि जब कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो विकल्प के तौर पर इन्हें शामिल किया जाएगा। यशस्वी ने इस सत्र कमात्र रणजी ट्रॉफी मैच जम्मू और कश्मीर के खिलाफ खेला था।

चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं विराट

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास एक अहम रिकार्ड बनाने का अवसर है। विराट इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष खिलाड़ी बन सकते हैं। भारतीय टीम 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी और दौरान सभी की नजरें विराट कोहली पर रहेंगी। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक लगाकर फार्म हासिल कर लिया है। ऐसे में सभी को उनसे अधिक से अधिक रन बनाने की उम्मीदें रहेंगी। विराट अपनी चौथी चैंपियंस ट्रॉफी खेल रहे हैं। विराट ने अब तक 13 मैचों में 529 रन बनाए हैं और इस प्रकार वह भारतीय टीम के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्हें चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के सफल बल्लेबाज बनने के लिए केव 173 रन चाहिये।

अभी शिखर धवन के नाम चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन हैं, जिन्होंने 2013 और 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 701 रन बनाए थे। धवन दोनों चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। भारत ने 2013 में ट्रॉफी जीती थी जबकि 2017 में टीम फाइनल तक पहुंची थी। वहीं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली 665 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2000 और 2002 में चैंपियंस ट्रॉफी खेले थे। विराट ने चैंपियंस ट्रॉफी में 12 पारियों में 529 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका औसत 88.16 का है और उन्होंने 53 चौके लगाए हैं। भारत को इस टूर्नामेंट में कम से कम तीन मैच खेलने हैं, और कोहली के पास रन बनाकर इस सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने का सुनहरा अवसर होगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में केवल एक अनुभवी तेज गेंदबाज के साथ उतर रही भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम को 19 फरवरी से होने वाली आईसीस चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। कप्तान रोहित शर्मा भी पिछले कुछ समय से लगातार असफल रहे है। ऐसे में उनका लक्ष्य भी इस ट्रॉफी का जीतकर प्रशंसकों को खुश करना रहेगा। हालांकि ये इतना आसान भी नहीं है। इसका कारया मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नहीं होना है। बुमराह ने पिछले कुछ समय में हर सीरीज में अबसे अधिक विकेट लिए हैं। ऐसे में भारतीय टीम के पास मोहम्मद शमी के अलाव कोई भी अनुभवी तेज गेंदबाज नहीं है। टीम के पास अन्य तेज गेंदबाजों में युवा हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह है। वहीं टीम पांच स्पिनरों के साथ जा रही है।

टीम के साथ रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर रहेंगे। भारत के मैच दुबई में होने हैं जहां तेज गेंदबाजों को अधिक सफलता मिलती रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर 2009 के बाद से 58 एकदिवसीय खेले गये हैं जिसमें तेज गेंदबाजों को पांच से कम की इकॉनामी दर से 466 विकेट मिले हैं। वहीं स्पिनरों को 334 विकेट मिले हैं और उनकी किफायत दर 4.2 रही है। वहीं भारतीय टीम 5 स्पिनर लेकर जा रही है और उसे ये रणनीति भारी पड़ सकती है। उसके पास स्पिन ऑलराउंडर के रूप में रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल हैं जबकि विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव हैं।

पांच स्पिनरों को लेकर जाने पर भी सवाल उठ रहे है क्योंकि दुबई की पिचों पर स्पिनरों को अधिक सहायता

नहीं मिलती है। टीम में शामिल रहस्यमयी गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती से काफी उम्मीदें हैं और अब देखना है कि वह क्या करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में लीग चरण में भारत को बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से खेलना है और इनमें से किसी ने भी वरुण का पहले सामना नहीं किया है। जडेजा और अक्षर का खेलना लगभग तय है और वरुण के खेलने पर कुलदीप यादव को बाहर रहना पड़ सकता है। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने कहा, दुबई में पिच से गेंदबाजों को शारजाह की तुलना में अधिक मदद मिलती है। तेज गेंदबाजों को यहां सफलता मिलती रही है जिसकी वजह से पाकिस्तान ने टीम में अधिक तेज गेंदबाज चुने हैं हालांकि उन्हें यहां ज्यादा मैच नहीं खेलने हैं। बुमराह के बाहर होने पर सिराज की जगह राणा को चुनने पर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि ऐसे टूर्नामेंटों में अनुभव खिलाड़ी की जरुरत रहती है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या है मोहम्मद शमी और अर्शदीप या राणा के साथ तीसरे तेज गेंदबाज होंगे पर उनके साथ कई बार फिटनेस की समस्या आज जाती है।वहीं कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि पुरानी गेंद से अधिक प्रभावी नहीं होने के कारण ही सिराज को बाहर रखा गया। राणा ने टी20 में पदार्पण करके छठे गेंदबाज के तौर पर 33 रन देकर तीन विकेट लिए थे। भारतीय टीम की जीत के लिए कप्तान रोहित शर्मा औ अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को बड़ी पारियां खेलनी होंगी।

पाकिस्तान का तेज गेंदबाज चोट से उबरा, चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए होगा उपलब्ध

कराची - पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ चोट से उबर चुके हैं और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान टीम के एक करीबी सूत्र ने रविवार को पुष्टि की कि हारिस चोट से उबर गए हैं और कराची में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलेंगे। इस तेज गेंदबाज को हाल ही में त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान छाती की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। सूत्र ने कहा, 'हारिस अब ठीक हैं और त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच के बाद दिए गए आराम से उन्हें उबरने में मदद मिली है।% सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान के किसी अन्य खिलाड़ी के साथ फिटनेस संबंधी कोई समस्या नहीं है। अपनी तेज गति और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता के साथ पाकिस्तान के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हारिस टीम के साथ बने हुए हैं जबकि चयनकर्ताओं ने उनके विकल्प के रूप में अकिफ जावेद को बुलाया है जिन्हें पदार्पण का इंतजार है। हारिस ने 46 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 83 विकेट और 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 110 विकेट चटकाए हैं। पाकिस्तान त्रिकोणीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड से दो बार हार गया था जिसमें शुक्रवार को हुआ फाइनल भी शामिल है। टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में हार का बदला चुकता करने का मौका मिलेगा जिसमें वे गत विजेता भी हैं।

श्रेयंका डब्ल्यूपीएल से बाहर हुई

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की श्रेयंका पाटिल फिट नहीं होने के कारण महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के तीसरे सत्र से बाहर हो गयी हैं। आरसीबी के अनुसार श्रेयंका अपनी चोट से नहीं उबर पायी हैं। इसी कारण उनकी जगह पर ऑलराउंडर स्नेह राणा को शामिल किया गया है। फ्रेंचाइजी ने उनके बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा कि ये खिलाड़ी अपनी पिंडली की चोट से परेशान हैं जिसका वह अभी इलाज करायेंगी। श्रेयंका ने आरसीबी की ओर से पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 8 मैचों में 13 विकेट लिए थे। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। लीग में श्रेयंका के अलावा आशा शोभना और सोफी मोलिनक्स की चोटिल होकर बाहर हो गयी हैं। श्रेयंका की जगह पर शामिल राणा ने गुजरात जायंट्स के लिए डब्ल्यूपीएल के दो सत्रों के 12 मैचों में भाग लिया है। उसने दो मैचों में टीम की कप्तानी भी की थी।

चैंपियंस ट्रॉफी में स्मिथ पारी शुरु करें : गिलक्रिस्ट

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज रहे क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने कहा कि 19 फरवरी से होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में कप्तानी कर स्टीव स्मिथ पारी की शुरुआत करें। गिलक्रिस्ट के अनुसार इससे स्मिथ को अधिक से अधिक गेंदें खेलने के लिए मिलेंगी। इससे पहले हुए श्रीलंका दौरे में स्मिथ ने मध्यक्रम के बल्लेबाज के तौर पर काफी कम रन बनाये थे। गिलक्रिस्ट के अनुसार युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। ऐसे में स्मिथ को पारी शुरु करनी चाहिए। गिलक्रिस्ट के अनुसार मैट शॉर्ट को भी शीर्ष क्रम में ट्रैविस हेड के साथ उतारा जा सकता है पर अभी स्मिथ को पारी शुरु करनी चाहिए क्योंकि शॉर्ट के पास अधिक अनभव नहीं है।

उन्होंने कहा,मुझे मैट को बल्लेबाजी में हैड

के साथ उतारना भी अच्छा प्रयोग लग रहा है। इससे बाएं हाथ और दाएं हाथ का अच्छा संयोजन बनेगा। वहीं स्मिथ भी पारी शुरु कर सकते हैं, टी20 में हमने उन्हें 20 ओवर के क्रिकेट में ऐसा करते हुए देखा है। वह मध्यक्रम में काफी अच्छे बल्लेबाजी है पर पारी की शुरुआत में भी वह सफल रहेंगे। इससे उन्हें ज्यादा गेंदों का सामना करने का अवसर मिलेगा। टीम चैंपियंस ट्रॉफी में मिशेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और पैट कमिंस जैसे शीर्ष तेज गेंदबाजों के बिना उतरेगी। इसके अलावा ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और मिशेल मार्श भी उसके साथ नहीं हैं, ऐसे में युवा खिलाड़ियों पर अधिक जम्मेदारी है। ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी के लीग चरण के मैचों में इंग्लैंड, अफ़गानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला करना है। गिलक्रिस्ट को लगता है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उनकी सीमित तैयारी के कारण टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि इस प्रारूप के संबंध में सीमित तैयारी हुई है।

यानिक सिनर और वाडा के बीच समझौता, टेनिस खिलाड़ी बोले- अब साफ-सुथरे खेल में विश्वास नहीं

लंदन । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर पर डोपिंग मामले में तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के समझौते की टेनिस खिलाड़ियों ने कड़ी आलोचना की है। सिनर और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के बीच निलंबन को लेकर समझौता हो गया है जिसका मतलब है कि इटली का यह खिलाड़ी पांच मई से फिर से खेल सकता है। इससे उनकी विश्व में नंबर एक रैंकिंग पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा तथा वह सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे। पिछले साल मार्च में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाए जाने वाले सिनर को कोई खिताब या पुरस्कार राशि भी नहीं गंवानी पड़ेगी। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका ने एक्स पर लिखा, 'मैं अब साफ-सुथरे खेल में विश्वास नहीं करता।' विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने एक्स पर कहा, 'टेनिस में निष्पक्षता मौजूद नहीं है। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। कोई खिताब नहीं खोया, कोई पुरस्कार राशि नहीं खोई। दोषी है या नहीं? टेनिस के लिए दुखद दिन।' विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने मार्सिले ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हर कोई वाडा के साथ चर्चा कर सकता है और अब से यानिक सिनर की तरह खुद का बचाव कर सकता है।' विश्व के पूर्व नंबर एक ब्रिटिश खिलाड़ी टिम हेनमैन ने कहा, 'उसने अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता है और वह अगले तीन महीने तक एटीपी टूर में नहीं खेल पाएगा लेकिन फ्रेंच ओपन में खेलने का पात्र होगा। सिनर के लिए प्रतिबंध झेलने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था लेकिन यह इस खेल के लिए कड़वे घूंट की तरह है।' नोवाक जोकोविच और वासेक पोस्पिसिल द्वारा स्थापित प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने भी निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल पार्टियों की आलोचना करते हुए एक्स पर जारी बयान में कहा, 'प्रणाली कोई प्रणाली नहीं है। यह एक क्लब है। यह केवल अनुरूप सौदों, अनुचित व्यवहार और असंगत निर्णयों के लिए कवर है। इसमें पारदर्शिता की कमी और प्रक्रिया का अभाव है।'

चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में पहुंचने लीग के सभी तीन मैच जीतने होंगे

मुम्बई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरु हो रही है। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है हालांकि इसमें भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं हालांकि मेजबान पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका भी प्रबल दावेदारों में शामिल हैं। इसमें भाग ले रही सभी आठ टीमों को चार-चार टीमों के दो समूहों में बांटा गया है और इन सभी टीमों को तीन-तीन लीग मुकाबले खेलने होंगे और सेमीफाइनल में पहुंचने ये तीनों ही मैच जीतने होंगे। एक भी हार टीम को खिताब की दौड़ से बाहर कर सकती है। इसमें शीर्ष पर रही दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को नॉकआउट टूर्नामेंट माना जाता है। यहां एक भी मैच हारना टीम की उम्मीदों को समाप्त कर सकता है। भारतीय टीम को ग्रुप ए में मेजबान पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टीम इंडिया पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं भारतीय टीम को अपना अंतिम लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सीधे जगह बनाने के लिए सभी तीनों मैच जीतने होंगे। वहीं अगर तीन में से 1 मैच भी टीम हारती है तो उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़ेगा। चार टीमों के ग्रुप में दो ऐसी टीमें जिन्होंने 2-2 मुकाबला जीते होने पर सेमीफाइनल में जाने वाली टीम का फैसला नेट रन रेट के आधार पर किया जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी के वह एतिहासिक क्षण जिन्हें भूला पाना है मुश्किल

दुबई (यूएई) (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 19 फरवरी से शुरू हो रही है जो पाकिस्तान और यूएई में खेली जाएगी। भारत अपने मैच यूएई में हाईब्रिड मॉडल के तहत खेलेगा जबकि बाकी का टूर्नामेंट पाकिस्तान में होगा। टूर्नामेंट से पहले आइए इसके पिछले संस्करणों के पांच सबसे प्रतिष्ठित क्षणों पर एक नजर डालते हैं जिन्हें भुला पाना मुश्किल है।

वीरेंद्र सहवाग ने गेंद से जीत दिलाने में की मदद

स्टार बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अपनी ऑफ-स्पिन से खेल को बदल दिया क्योंकि भारत ने कोलंबो में दक्षिण अफ्रीका पर रोमांचक जीत के साथ 2002 के संस्करण के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। सहवाग ने पहले ही शानदार अर्धशतक का योगदान दिया था, जिसमें भारत ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में 261/9 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया था, लेकिन रन चेज के दौरान

प्रोटियाज नियंत्रण में दिखाई दिए और उन्होंने सात विकेट और नौ ओवर शेष रहते स्कोर 200 तक पहुंचा दिया। सहवाग ने मार्क बाउचर, जैक्स कैलिस और लांस क्लूजनर के महत्वपूर्ण विकेट लिए और भारत के लिए रोमांचक जीत सुनिश्चित की और श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

वेस्टइंडीज की शानदार जीत

2004 में लंदन के ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में जब मुख्य बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल आउट हो गए और कैरेबियाई टीम को जीत के लिए 81 रन की जरूरत थी, तब वेस्टइंडीज के लिए चीजें निराशाजनक लग रही थीं, लेकिन कोर्टनी ब्राउन और इयान ब्रैडशॉ के बीच 9वें विकेट की अविश्वसनीय साझेदारी ने एक शानदार रन चेज का मार्ग प्रशस्त किया। ब्राउन और ब्रैडशॉ ने नाबाद 71 रनों की पारी खेली जिससे वेस्टइंडीज ने सात गेंद शेष रहते इंग्लैंड के 217 रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया और कैरेबियाई टीम ने अपना पहला खिताब जीता।

इंग्लैंड ने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका को हराया

2009 में सेंचुरियन में हुए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में इंग्लैंड ने मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका पर शानदार जीत के साथ नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की। ओवैस शाह ने बल्ले से हीरो बनकर 98 रनों की पारी खेली जिसमें उन्होंने छह छक्के लगाए जबकि तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने तीन-तीन विकेट चटकाए जिससे प्रोटियाज टीम जवाब में बुरी तरह से पिछड़ गई। ग्रीम स्मिथ ने दक्षिण अफ्रीका के लिए शानदार 141 रन की पारी खेली लेकिन यह काफी नहीं था क्योंकि इंग्लैंड ने काफी तेजी के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

लसिथ मलिंगा का कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में शानदार प्रदर्शन

कम स्कोर वाले मुकाबलों में अक्सर रोमांचक अंत होता है और 2013 में कार्डिफ में ऐसा ही हुआ जब न्यूजीलैंड ने श्रीलंका पर एक विकेट से शानदार जीत दर्ज की। बहुत से लोगों ने उम्मीद नहीं की होगी कि श्रीलंका का 138 रन का स्कोर प्रतिस्पर्धी होगा, लेकिन तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के इरादे कुछ और ही थे, उन्होंने ब्लैक कैप्स के मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया और न्यूजीलैंड को जवाब में 122/8 पर रोक दिया। टिम साउथी और मिशेल मैक्लेनाघन को न्यूजीलैंड को जीत दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई, लेकिन इससे पहले श्रीलंका ने बड़ा उलटफेर कर दिया था।

फखर जमान ने पाकिस्तान को भारत पर जीत दिलाई

लंदन के ओवल में एक यादगार दिन था, जब पाकिस्तान ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत पर जोरदार जीत के साथ अपना पहला चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने शानदार शतक के साथ पाकिस्तान को 338/4 का स्कोर बनाने में मदद की और मोहम्मद आमिर के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि यह स्कोर पर्याप्त से अधिक हो। आमिर ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को जल्दी-जल्दी आउट करके भारत के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया और भारत कभी भी उबर नहीं सका और जवाब में सिर्फ 158 रन पर ढेर हो गया।

चैम्पियंस ट्रॉफी में फखर और बाबर से रहना होगा भारतीय टीम को सावधान

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम 19 फरवरी से शुरु हो रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई पहुंच गयी है। यहां भारतीय टीम को 23 फरवरी को पाकिस्तान से अहम मुकाबला खेलना है। ऐसे में भारतीय टीम पिछली बार हुए चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल की यादों को भूलना चाहेगी। तब पाक टीम के फखर जमां और बाबर आजम के कारण भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भी ये दोनो ही खिलाड़ी पाक टीम में हैं जिनसे भारतीय टीम को निपटना होगा। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि ये इस बार अपने पहले वाले फार्म में नजर नहीं आ रहे। ऐसे में विराट कोहली की कप्तानी में मिली हार का हिसाब रोहित शर्मा की टीम लेना चाहेगी। पिछली बार बाबर आजम, फखर जमां और फहीम अशरफ ने पाक टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी ये तीनो ही पाक टीम में शामिल हैं। बाबर आजम ने 2017 के फाइनल में 52 बॉल पर 46 रन की अहम पारी खेली थी। तब पाक टीम ने 338 रन बनाये थे। वहीं फखर जमां ने शतकीय पारी खेली थी। जिससे पाक टीम 338 रन बनाने में सफल रही थी।

संक्षिप्त समाचार

पोप फ्रांसिस अस्पताल में भर्ती

वेटिकन सिटी, एजेंसी। पोप फ्रांसिस (88) को सांस संबंधी तकलीफ और हल्के बुखार के कारण रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वेटिकन ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें ब्रोंकाइटिस की शिकायत थी। पिछले एक सप्ताह से समस्या लगातार बढ़ रही थी। पोप का उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत संतोषजनक है। वेटिकन ने शुक्रवार शाम जारी बुलेटिन में कहा कि पोप को 6 फरवरी को ब्रोंकाइटिस का पता चला था, लेकिन वे अपने दैनिक कार्यक्रम जारी रखे हुए थे। हालांकि, उनका भाषणों उनके सहायक पढ़ रहे थे, क्योंकि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। पोप फ्रांसिस को युवावस्था में फेफड़े का एक हिस्सा निकालना पड़ा था, और वे लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते रहे थे। उन्हें सर्दियों में अक्सर ब्रोंकाइटिस की शिकायत होती है। पिछले साल जून में भी उन्हें जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी आंतों की सर्जरी हुई थी। इससे पहले मार्च 2023 में भी उन्हें निमोनिया के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

क्रोएशिया में अवैध रूप से खतरनाक कचरे का निपटान करने के आरोप में 13 लोग गिरफ्तार

ज़ाग्रेब, एजेंसी। यूरोपीय संघ की कानून प्रवर्तन एजेंसी ने क्रोएशिया में खतरनाक कचरे के अवैध आयात और निपटान के आरोप में संदिग्ध तेरह लोगों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने इस बारे में बयान भी जारी किया है। इसमें कंपनी ने कहा कि मुख्य संदिग्ध और दो क्रोएशियाई नागरिकों ने इटली, स्लोवेनिया और जर्मनी से क्रोएशिया तक अवैध खतरनाक अपशिष्ट को आयात किया था। इन लोगों ने उचित तरीके से कचरे का निपटान करने के बजाय उसे बस फेंक दिया। बयान में यह भी कहा गया है कि कम से कम 35,000 टन (38,580 अमेरिकी टन) कचरे का अवैध रूप से निपटान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 4 मिलियन यूरो (4.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का लाभ हुआ।

ट्रंप प्रशासन ने 2,000 से अधिक कर्मियों को नौकरी से निकाला : सूत्र

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रशासन ने सरकारी नौकरियों में कटौती के तहत अमेरिका के गृह विभाग में कार्यरत करीब लगभग 2,300 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। सूत्रों के अनुसार गृह विभाग अमेरिकी की करीब 50 करोड़ एकड़ सार्वजनिक भूमि का प्रबंधन करता है। इसमें इसके राष्ट्रीय उद्यान भी शामिल हैं। यह देश के तटवर्ती और अपतटीय तेल और गैस पट्टे कार्यक्रमों का भी प्रबंधन करता है। सूत्र ने बताया कि छंटनी में भूमि प्रबंधन ब्यूरो के करीब 800 कर्मी भी शामिल हैं। बता दें कि ट्रंप ने अरबपति उद्यमी एलन मस्क को सरकारी खर्च और नौकरशाही में कटौती करने का जिम्मा सौंपा है। इसी के चलते एजेंसियों और विभागों में बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू हो गई है।

ब्रिटेन ने टाटा समूह के चेयरमैन को दी नाइटहुड की मानद उपाधि

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को नाइटहुड की मानद उपाधि देकर सम्मानित किया। उन्हें यह उपाधि ब्रिटेन-भारत व्यापार संबंधों में उनकी सेवाओं के लिए दी गई है, समूह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए लिखा, चंद्रशेखरन को ब्रिटिश साम्राज्य के द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (सिविल डिवीजन) - मानद डीबीई/केबीई से सम्मानित किया गया। यह उत्कृष्ट योगदान के लिए यूके सरकार की तरफ से दिया वाला एक खास सम्मान है। सम्मान मिलने पर चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा ग्रुप को यूके के साथ अपने मजबूत और दीर्घकालिक साझेदारी पर बहुत गर्व है। हमारा व्यवसाय यूके में तकनीक, उपभोक्ता उत्पाद, आतिथ्य, इस्पात, रसायन और ऑटोमोटिव जैसे कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। उन्होंने आगे कहा, हमें जगुआर लैंड रोवर और टेटली जैसे अपने प्रतिष्ठित ब्रिटिश ब्रांडों पर अविश्वसनीय तौर से बेहद गर्व है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में हमारी कंपनी 70,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है। उन्होंने आगे कहा कि टाटा समूह का यूनाइटेड किंगडम (यूके) के शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ मजबूत और सफल शोध व शैक्षणिक साझेदारी है। इनमें यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक और यूनिवर्सिटी ऑफ स्वानसी शामिल हैं। चंद्रशेखरन ने यूके सरकार को टाटा समूह को समर्थन देने के लिए शुक्रिया कगा। उन्होंने इस संबंध को मजबूत और लंबे समय तक टिकने वाला बताते हुए कहा कि वे यूके में टाटा की मौजूदगी को और बढ़ाने की उम्मीद करते हैं।

ओपनएआई बोर्ड ने मस्क को दिया झटका

वाशिंगटन, एजेंसी। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के बाद अब ओपनएआई के बोर्ड ने भी मस्क को झटका दे दिया है। दरअसल ओपनएआई के बोर्ड ने एकमत होकर एलन मस्क के 97 अरब डॉलर में ओपनएआई का अधिग्रहण करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ओपनएआई बोर्ड के अध्यक्ष ब्रेट टेलर ने एक बयान में कहा कि ओपनएआई बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है और बोर्ड एकमत होकर मस्क द्वारा प्रतिस्पर्धा को खत्म करने की उनकी कोशिश को खारिज करता है। बता दें कि मस्क और निवेशकों के एक समूह ने ओपनएआई का 97 अरब डॉलर में अधिग्रहण करने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन सैम ऑल्टमैन ने मस्क के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था और उल्टा 9.7 अरब डॉलर में एक्स को खरीदने का प्रस्ताव दे दिया था।

अमेरिका बोला- हम यूक्रेन में टिकाऊ शांति चाहते हैं : यूरोप से कहा- अपनी सुरक्षा मजबूत करो, ताकि हम दूसरे खतरों पर फोकस करें

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के म्यूनिख में जारी सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में शुक्रवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक की। वेंस ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन में टिकाऊ और स्थायी शांति चाहता है। हम ऐसी शांति नहीं चाहते जिससे आने वाले सालों में पूर्वी यूरोप में संघर्ष शुरू हो जाए। जेडी वेंस ने यूरोप से कहा कि वह अपनी रक्षा को मजबूत करने के लिए कदम बढ़ाए ताकि अमेरिका दुनिया में अन्य जगहों पर मौजूद खतरों पर भी फोकस कर सके। बैठक से पहले वेंस ने कहा था कि यूरोप को भी इस बैठक में शामिल होना चाहिए। अमेरिका रूस पर दबाव बनाने के लिए तैयार है। म्यूनिख में 14 फरवरी से 16 फरवरी तक 3 दिन की सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस जारी है।

जेलेंस्की का सुरक्षा गारंटी पर जोर : जेलेंस्की ने वेंस के साथ मुलाकात के बाद कहा कि हमारी बीच अच्छी बातचीत हुई। भले ही ये हमारे बीच पहली मुलाकात थी, लेकिन ये आखिरी नहीं है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने ङ्क्ष पर लिखा- हम जल्द से जल्द सुरक्षा गारंटी के साथ शांति समझौते के लिए तैयार हैं। बैठक से पहले जेलेंस्की ने कहा था कि अमेरिका और रूस बिना यूक्रेन को शामिल किए डील करते हैं, तो सफल नहीं होगी। जेलेंस्की का कहना था कि यूक्रेन तभी बातचीत के लिए तैयार होगा, जब सुरक्षा गारंटी मिलेगी। मैं कातिल (पुतिन) के साथ बैठने के लिए भी तैयार हूं, लेकिन सुरक्षा गारंटी के बिना सब बेकार है।

अप्रवासियों के मुद्दे पर यूरोप को आड़े हाथ लिया : अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने अप्रवासियों के मुद्दे पर भी यूरोपीय सरकारों को आड़े हाथ लिया। हाल ही में जर्मनी में एक अफगान व्यक्ति ने लोगों को कार से टक्कर मार दी थी, जिसमें 36 लोग घायल हो गए थे। इसे लेकर उन्होंने कहा कि हमें कितनी बार इस तरह के भयानक झटकों का सामना करना पड़ेगा। यह एक डरावनी कहानी है, जिसे हमने यूरोप और अमेरिका में भी बहुत बार सुना है। ट्रम्प ने वेंस का सपोर्ट करते हुए कहा कि मैंने उनका भाषण सुना। उन्होंने अप्रवासियों के बारे में बात की, जो यूरोप में एक बड़ी दिक्कत है।

यूक्रेन की नाटो में सदस्यता को अमेरिका का सपोर्ट नहीं : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी बुधवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर जंग खत्म करने को लेकर बातचीत की थी। ट्रम्प की पुतिन से लगभग डेढ़ घंटे बातचीत हुई। दोनों नेता एक-दूसरे के देशों का दौरा करने पर सहमत हुए। दूसरी तरफ अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने साफ कर दिया कि अमेरिका अब युक्रेन को पहले की तरह बड़ी आर्थिक और सैन्य सहायता नहीं देगा। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रम्प यूक्रेन की नाटो में सदस्यता का समर्थन नहीं करते हैं। हेगसेथ ने कहा कि यूक्रेन के लिए 2014 से पहले की सीमाओं पर लौटना अब असंभव है। अमेरिका रूस के साथ किसी भी शांति समझौते के लिए यूक्रेन में सैनिक नहीं भेजेगा।

ट्रम्प 100 दिन के भीतर जंग रोकने की कोशिश में जुटे : अमेरिका में ट्रम्प के शपथ लेने के बाद रूस-यूक्रेन जंग के समाप्त होने को लेकर चर्चा बढ़ गई है। चुनाव के दौड़ान ट्रम्प ने यह दावा किया था कि वे शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर जंग रोक देंगे। पिछले महीने यूक्रेन में ट्रम्प के विशेष शांति दूत कीथ केलॉग ने कहा था कि उनका मकसद ट्रम्प प्रशासन के 100 दिन के भीतर जंग रोकना है।

एलन मस्क का 13वां सीक्रेट बच्चा? महिला का दावा- 5 महीने पहले बेटे को दिया जन्म

वाशिंगटन, एजेंसी। टेक अरबपति एलन मस्क को लेकर एक महिला ने बड़ा दावा किया है। एमएजीए इन्फ्लुएंसर ने कहा कि उसने एक बच्चे को जन्म दिया है, जिसके पिता एलन मस्क हैं। महिला के इस दावे को लेकर सोशल मीडिया पर तहलका मच गया। लोग इसे सुनकर हैरान हैं और सवाल पूछे जा रहे हैं। 31 वर्षीय एशले सेंट क्लेयर ने वैलेंटाइंस डे पर एक पोस्ट के जरिए यह बात कही। उन्होंने बताया कि उनका और मस्क का एक बच्चा है जो अभी 5 महीने का है। मालूम हो कि क्लेयर दक्षिणपंथी झुकाव रखती हैं और उन्हें अपने विवादास्पद विचारों के लिए जाना जाता है। एशले क्लेयर ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, 5 महीने पहले मैंने एक बच्चे का इस दुनिया में स्वागत किया। इसके पिता एलन मस्क हैं। मैं अपने बच्चे की गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर चिंतित थी। इसलिए मैंने पहले इसका खुलासा नहीं किया। मगर, हाल ही में पता चला कि टैब्लॉयड मीडिया ऐसा करने का इरादा रखता है और उसे इससे होने वाले नुकसान की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं तो अपने बच्चे को सामान्य और सुरक्षित वातावरण में बड़े होते देखना चाहती हूं। इसलिए मीडिया से अपील है कि हमारे बच्चे की गोपनीयता का सम्मान करे। रिपोर्ट के मुताबिक, एलन मस्क के 12 बच्चे हैं। उनकी तीन महिला पत्नियां रही हैं। उनकी पहली पत्नी जस्टिन के साथ उनके 6 बच्चे हुए। संगीतकार ग्रिम्स से 3 और न्यूरालिंक के पूर्व संचालन निदेशक शिवोन जिलिस से तीन बच्चे हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया जाता है कि एलन मस्क की कई महिला पार्टनर्स रही हैं। साल 2000 के बाद से वह अब तक कई महिलाओं के साथ रिलेशनशिप में रह चुके हैं।

न्यूयॉर्क पुलिस को मिला लापता व्यक्ति का शव, दावा- पांच लोगों ने एक महीने से अधिक समय तक किया प्रताड़ित

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क पुलिस ने शुक्रवार को एक लापता व्यक्ति की हत्या मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार लापता व्यक्ति के साथ एक महीने से अधिक समय तक मारपीट की गई। साथ ही उतने समय तक ही यातना देने के बाद उसकी हत्या कर शव को खेत में फेंक दिया गया। पुलिस ने आगे बताया कि 24 वर्षीय पीड़ित सैम नॉर्डक्विस्ट एक ट्रांसजेंडर था जो मिनसोटा का रहने वाला था।

पिछले साल सितंबर में न्यूयॉर्क आया था सैम : बता दें कि सैम नॉर्डक्विस्ट का लापता होना 9 फरवरी को रिपोर्ट किया गया था, और वह पिछले साल सितंबर में न्यूयॉर्क आया था। इसके बाद से उसका किसी से संपर्क नहीं हुआ था। मामले में पुलिस ने बताया कि नॉर्डक्विस्ट को जो यातना और हत्या दी गई, वह बहुत ही क्रूर और शर्मनाक थी। यह उनकी अब तक की सबसे बुरी हत्या की जांच है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान : पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कैनडाईगुआ, न्यूयॉर्क के 38 वर्षीय प्रेशियस अर्जुगा और 30 वर्षीय पैट्रिक गुडविन, रोचेस्टर, न्यूयॉर्क के 33 वर्षीय काइल सेज, और जिनेवा, न्यूयॉर्क की 19 वर्षीय एमिली मोट्यका शामिल हैं। पुलिस ने इन आरोपियों को दूसरे दर्जे की हत्या का आरोप लगाया है और वे सभी हिरासत में हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने यूरोपीय देशों को लगाई लताड़

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को यूरोप की अप्रवासन नीति, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीति पर जमकर भड़ास निकाली। जिसकी यूरोपीय देशों ने तीखी आलोचना की। जर्मनी के राष्ट्रपति ने जेडी वेंस की आलोचना पर नाराजगी जाहिर की। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने संबोधन में जेडी वेंस ने कहा कि यूरोप को अब अपनी सुरक्षा के लिए खुद कदम उठाने चाहिए। जेडी वेंस ने कहा कि वॉशिंगटन में अब एक नई सरकार आ गई है और अब चीजें उसके हिसाब से होंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी वेंस के बयान का समर्थन किया और कहा कि यूरोप में अभिव्यक्ति की आजादी खतरे में है। साथ ही ट्रंप ने अप्रवासन के मुद्दे पर भी वेंस के बयान के प्रति समर्थन जताया। जेडी वेंस का बयान उस घटना के बाद सामने आया है, जिसमें म्यूनिख में 24 वर्षीय अफगान युवक ने भीड़ पर गाड़ी चढ़ा दी, जिसमें 36 लोग घायल हो गए। वेंस ने कहा कि हमें कितनी बार इस तरह के हमले झेलने पड़ेंगे या फिर हमें अपनी सभ्यता को नई दिशा में लेकर जाना चाहिए? यूरोप और अमेरिका में इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जहां शरण लेने वाले लोगों ने इस तरह के हमलों को अंजाम दिया। वेंस ने कहा कि कोई भी मतदाता इसलिए मतदान नहीं करता कि शरणार्थियों के लिए

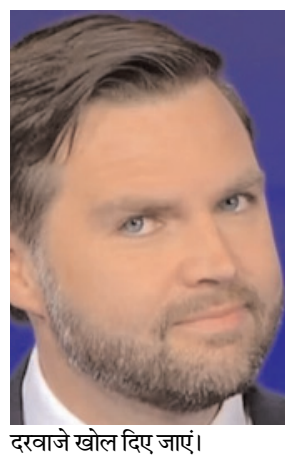

दरवाजे खोल दिए जाएं।

ग्रेटा थनबर्ग को लेकर क्या बोले वेंस : जर्मनी ने उनकी राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। जर्मनी का निशाना मस्क की तरफ था, जो जर्मनी के आम चुनाव में खुलकर जर्मनी की दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी का समर्थन कर रहे हैं। जेडी वेंस ने भी म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी की प्रमुख एलिस वीडेल से मुलाकात की। जर्मन की राजनीति में दखल के आरोपों पर वेंस ने कहा कि अगर अमेरिकी लोकतंत्र 10 साल तक पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग की डांट सुन सकता है तो वे कुछ महीने तक एलन मस्क को झेल ही सकते हैं।

जर्मनी के राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री ने जताई बयान से नाराजगी : वेंस के इस बयान से जर्मनी के रक्षा मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई। वहीं जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक वॉल्टर स्टीनमीर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका और जर्मनी के रिश्तों में गिरावट आई है। स्टीनमीर ने कहा कि दुनिया को लेकर जो हमारी सोच है, अमेरिका के मौजूदा प्रशासन की सोच उससे बहुत अलग है।

जर्मन राष्ट्रपति ने यूरोपीय देशों के नेताओं से अपील करते हुए कहा कि जब अमेरिका द्वारा विध्वंसक नीतियों का एलान किया जा रहा है तो ऐसे वक्त में यूरोपीय नेताओं को शांति बनाए रखनी चाहिए और हमें डरना नहीं चाहिए। वेंस ने यूरोप की अभिव्यक्ति की आजादी को कम करके आंका है। जर्मनी के रक्षा मंत्री ने कहा कि वेंस ने यूरोप की राजनीति का जिस तरह से तानाशाही सरकार के रूप में चित्रण किया है, वह गलत है और बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा कदम, ट्रांसजेंडर अब नहीं बन पाएंगे अमेरिकी सैनिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने घोषणा की है कि वह अब ट्रांसजेंडर लोगों को सेना में भर्ती होने की अनुमति नहीं देगी. साथ ही जवानों को लिंग परिवर्तन से संबंधित प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगी. सोशल मीडिया एक्स पर साझा किए गए एक बयान में अमेरिकी सेना ने कहा कि यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है. लिंग को लेकर अवसाद के इतिहास वाले लोगों के लिए सभी नए प्रवेश रोक दिए गए हैं. एक्स पर साझा की गई पोस्ट की एक श्रृंखला में अमेरिकी सेना ने लिखा, अमेरिकी सेना अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में शामिल होने की अनुमति नहीं देगा और सेवा से जुड़े सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगा.

इसमें आगे कहा गया, तत्काल प्रभाव से लिंग डिस्फोरिया के इतिहास वाले व्यक्तियों के लिए सभी नए प्रवेश रोक दिए गए हैं. अमेरिकी सेना की यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले महीने की गई घोषणा के बाद आई है. इसमें उन्होंने चार कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं जो

सेना को नया रूप देंगे. इसमें ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों को अमेरिकी सशस्त्र बलों में सेवा देने पर प्रतिबंध लगाना भी शामिल है. एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में अमेरिकी सेना ने कहा, लिंग संबंधी अवसाद वाले व्यक्तियों ने हमारे देश की सेवा करने के लिए स्वेच्छा से काम किया है और उनके साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाएगा. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार 27 जनवरी को ट्रंप ने घोषणा की कि उन्होंने चार कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं जो सेना को नया स्वरूप देंगे. इसमें ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों को अमेरिकी सेना में सेवा देने पर प्रतिबंध लगाना और कोविड-19 के खिलाफ टीका लगवाने से इनकार करने के कारण बर्खास्त किए गए सैनिकों को पिछले वेतन के साथ बहाल करना शामिल है.

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने फ्लोरिडा से वाशिंगटन जाते समय एयर फोर्स वन विमान में सवार होकर कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए थे. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अपने पहले कार्यकाल के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने 2017 में ट्रांसजेंडर अमेरिकियों को सशस्त्र बलों में सेवा देने से प्रतिबंधित कर दिया था. हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2021 में प्रतिबंध को निरस्त करने का आदेश जारी किया था. 20 जनवरी को 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ट्रंप ने ट्रांसजेंडर सदस्यों को सेवा करने की अनुमति देने के बाइडेन प्रशासन के 2021 के कदम को रद्द करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए।

अमेरिका तक पहुंचने वाली मिसाइल का जल्द उत्पादन शुरू कर सकता है उत्तर कोरिया : अमेरिकी जनरल

सोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया जल्द ही अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) का निर्माण शुरू कर सकता है। अमेरिका के एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने शुक्रवार को यह चेतावनी दी। जनरल ग्रेगरी गुइलोट ने सीनेट सशस्त्र सेवा समिति से कथित तौर पर कहा कि उत्तर कोरिया पूरे उत्तरी अमेरिका में अपने लक्ष्यों पर परमाणु बम गिरा सकता है। गुइलोट अमेरिकी उत्तरी कमान और उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस रक्षा कमान के प्रमुख हैं। समिति के समक्ष लिखित गवाही में गिलोट ने पिछले अक्टूबर में ह्वासोंग-19 (एचएस-19) आईसीबीएम के प्रारंभिक उड़ान परीक्षण का विवरण दिया। इसके बारे में विश्लेषकों का मानना ??है कि यह अधिक लम्बे समय तक और ज्यादा ऊंचाई पर उड़ान भर सकती है। यह बयान खासा अहम है क्योंकि डोनाल्ड्र ट्रंप पिछली बार प्योंयांग को लेकर काफी सकारात्मक बातें कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 23 जनवरी को कहा कि वे किम जोंग उन से फिर से संपर्क करेंगे। उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता को स्मार्ट शख्स बताया जिनसे वह तीन बार पहले मिल चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह किम से दोबारा संपर्क करेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया : हां, मैं करूंगा। वह मुझे पसंद करते हैं। इससे पहले वाशिंगटन में अपने शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत

बाद संवाददाताओं बातचीत के दौरान उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति बताया। वह यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि उनके और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच बहुत अच्छा तालमेल है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने 7 फरवरी को उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की। आमने-सामने की शिखर वार्ता के बाद ट्रंप और इशिबा ने एक संयुक्त बयान जारी किया। दोनों पक्षों ने दक्षिण कोरिया के साथ त्रिपक्षीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। संयुक्त बयान में कहा गया, दोनों नेताओं ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की और डीपीआरके के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

वियतनाम में मलेरिया के मामले 2024 में 21 प्रतिशत कम हुए

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में 2024 में मलेरिया के मामलों में गिरावट जारी रही। इस दौरान कुल 353 मामले सामने आए, जो पिछले साल की तुलना में 21 प्रतिशत कम है। वियतनाम न्यूज के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इन मामलों में से एक तिहाई बाहर से आए हुए थे। राहत की बात यह रही कि किसी की मृत्यु नहीं हुई और न ही कोई बड़ा संक्रमण फैला। यह वियतनाम की मलेरिया खत्म करने की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है।

राष्ट्रीय मलेरिया संस्थान के निदेशक होआंग दिन्ह काह ने बताया कि देश ने मलेरिया उन्मूलन में महत्वपूर्ण सफलता पाई है। वियतनाम के 48 प्रांतों और शहरों को आधिकारिक रूप से मलेरिया मुक्त घोषित किया जा चुका है। वियतनाम ने मलेरिया को समाप्त करने के लिए एक रणनीति बनाई है, जिसका लक्ष्य 2030 तक मलेरिया खत्म करना है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 2027 तक वियतनाम को यह सुनिश्चित करना होगा कि वहां मलेरिया के कोई स्थानीय मामले न हों। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, जो कुछ खास मच्छरों के काटने से फैलती है। यह आमतौर पर गर्म और नम जलवायु वाले देशों में पाई जाती है। यह बीमारी रोकी और ठीक की जा सकती है। मलेरिया एक परजीवी के कारण होता है और यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में सीधे नहीं फैलता। इसके लक्षण हल्के भी हो सकते हैं और गंभीर भी। हल्के लक्षणों में बुखार, ठंड लगना और सिरदर्द शामिल हैं, जबकि गंभीर लक्षणों में कमजोरी, भ्रम की स्थिति, दौरे पड़ना और सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। नवजात और 5 साल से छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, वे लोग जो

मलेरिया प्रभावित क्षेत्र में यात्रा कर रहे हैं, एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोग मलेरिया के प्रति अधिक जोखिम वाले हैं। मलेरिया से बचने के लिए मच्छरों के काटने से बचाव करना जरूरी है। इसके लिए मच्छरदानी और दवाओं का इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि समय पर इलाज न किया जाए, तो हल्के मामले गंभीर हो सकते हैं। मलेरिया मुख्य रूप से संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। संक्रमित खून चढ़ाने या दूषित सुई के इस्तेमाल से भी यह फैल सकता है। संक्रमण के शुरुआती लक्षणों में इसकी सटीक पहचान मुश्किल हो सकती है। यदि पीड़ित व्यक्ति का इलाज न किया जाए, तो मलेरिया गंभीर रूप ले सकता है और 24 घंटे के भीतर जानलेवा हो सकता है। इसलिए शुरुआती जांच करवाना बहुत जरूरी है। विश्व मलेरिया रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में मलेरिया के 26.3 करोड़ मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 25.2 करोड़ थी। 2023 में अनुमानित 5,97,000 मौतें हुईं, जो 2022 में 6,00,000 थीं।

संक्षिप्त खबरें

चाईबासा में मिला पांच किलो आईईडी बम, किया गया डिफ्यूज

चाईबासा(बिभा) : चाईबासा में सुरक्षाबलों के जवानों को नुकसान पहुंचाने के नक्सलियों के नापाक मंसूबे पर पानी फेर दिया गया। सर्च ऑपरेशन पर निकले जवानों ने एक 5 किलो का शक्तिशाली आईईडी बम बरामद किया है। बम चाईबासा के गोईलकेरा थानाक्षेत्र के लेमसाडीह के आस-पास जंगली / पहाड़ी इलाके में प्लांट किया गया था। यह आईईडी बम सुरक्षबलों के जवानों को नुसकान पहंचाने के इरादे से नक्सलियों ने लगाया था। बरामद आईईडी को बम निरोधक दस्ता की मदद से डिफ्यूज कर दिया गया है। वहीं सर्च ऑपरेशन जारी है। यहां याद दिला दें कि नक्सलियों के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया और अश्विन के सारंडा और कोल्हान इलाकों में मूवमेंट की खबर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। चाईबासा पुलिस, कोबरा, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमें इस अभियान में जुटी हैं। सर्च ऑपरेशन के दरम्यान ही आज यानी रविवार को सुरक्षाबलों को यह कामयाबी हाथ लगी है।

दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन

सिमडेगा(बिभा): नेहरू युवा केंद्र, सिमडेगा द्वारा दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन एस. एस. +2 उच्च विद्यालय, सिमडेगा के प्रांगण में किया गया। जिसका समापन आज किया गया। प्रतियोगिता में प्रखंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता के विजेताओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता अंतर्गत बालक वर्ग में फुटबॉल, 400 मी दौड़ और लंबी कूद एवं बालिका वर्ग में कबड्डी, 200 मी दौड़ और रस्सी कूद प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञानेन्द्र, अपर समाहर्ता, सिमडेगा उपस्थित रहे। साथ ही रोशन कुमार जिला युवा अधिकारी, सत्यजीत कुमार, एन सी सी ऑफिसर एवं सोरिना टेटे, लेखापाल एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक भी मौजूद रहें। मुख्य अतिथि ने फुटबॉल के फाइनल मैच में प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त किया एवं फुटबॉल को किक मारकर मैच का शुरूआत कराया। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में पढ़ाई के साथ साथ खेल भी रोजगार का स्वर्णिम माध्यम बन गया है इसलिए जिन लोगों की नैसर्गीक रुचि है वो अपना करियर बनाने के लिए खेल में आगे बढ़ सकते हैं और जिन्हें पढ़ाई में रुचि है वो भी शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खेल को जोड़ कर रख सकते हैं। बालक वर्ग अंतर्गत फुटबॉल में कुलुमारा जलडेगा ने टुकुपानी ठेठेईटांगर को पेनल्टी शूट आउट में हराकर विजेता रहा। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में 400 मी दौड़ में दिनेश महतो ने प्रथम, शुभंकर मांझी ने द्वितीय तथा करन नायक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, लंबी कूद में प्रथम स्थान हेमन्त मांझी, द्वितीय जगन्नाथ मांझी एवं तृतीय स्थान दिनेश महतो ने प्राप्त किया। बालिका वर्ग में कबड्डी में जामबहार ठेठेईटांगर ने कुरकुरा पहारटोली बांसजोर को हराकर विजेता रहा। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में 200 मी दौड़ में प्रथम स्थान प्रतिमा मांझी, द्वितीय नीतिका सोरेंग एवं तृतीय मुनिका कुमारी ने प्राप्त किया, रस्सी कूद में प्रथम स्थान शबनम प्रधान, द्वितीय मुनिका कुमारी एवं तृतीय स्थान रासनी नायक ने प्राप्त किया। सभी विजेताओं एवं उपविजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में संजय पान, सुषमा प्रधान, पौलूस कीड़ों, संगीता एवं अन्य ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुमला में साहित्य और संस्कृति का उत्सव, हजारों नागरिकों ने बढ़ाया आयोजन का गौरव

गुमला(बिभा): झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद एवं कोल इंडिया लिमिटेड के तत्वावधान में जिला प्रशासन गुमला द्वारा आयोजित द्वितीय गुमला साहित्य महोत्सव के दूसरे दिन का शुभारंभ उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के स्वागत संबोधन से हुआ। इस अवसर पर उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संदेश का वाचन किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में गुमला की समृद्ध साहित्यिक परंपरा की सराहना करते हुए जिले में संचालित सावित्रीबाई फुले पुस्तकालय और अन्य पुस्तकालयों के माध्यम से पठन-पाठन संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव से न केवल साहित्यिक प्रतिभाओं को मंच मिलेगा, बल्कि स्थानीय भाषाओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिलेगी। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके पश्चात साहित्य जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने मंच की शोभा बढ़ाई, जिनमें विक्रम ग्रीवाल, अक्षय बहिबालाजी, डॉ. नारायण उरांव, यदुवंश प्रणय, जसिंता केरकेट्टा, चंद्रहास चौधरी, अनुकृति उपाध्याय, अनुज लुगुन, महेश्वर सोरेन, डॉ. प्रेम चंद्र उरांव, संजीव कुमार मुर्मू, और शताब्दी मिश्रा प्रमुख रूप से शामिल रहे।

20 वें ऑल इंडिया कांफ्रेंस ऑफ हेड्स ऑफ साइंस म्यूजियम का तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची : उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, झारखंड सरकार के तत्वाधान में आयोजित 20 वें ऑल इंडिया कांफ्रेंस ऑफ हेड्स ऑफ साइंस म्यूजियम का आयोजन दिनांक 14 फरवरी से 16 फरवरी तक होटल रेडिशन ब्लू में आयोजित किया गया था। तीन दिवसीय इस आयोजन का प्रथम दिन, उदघाटन एवं तकनीकी सत्र, दूसरे दिन तकनीकी सत्र और तीसरे दिन तकनीकी एवं समापन सत्र के साथ सम्पन्न हुआ। इस तीन दिवसीय आयोजन का उदघाटन सत्र यानि 14 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे , अरिजीत दत्त चौधरी, निदेशक, नेशनल काउंसिल साइंस एंड म्यूजियम कोलकाता, सुदीव्य कुमार, माननीय मंत्री हायर एजुकेशन एंड टेक्निकल एजुकेशन, डिपार्मेंट अर्बन डेवलपमेंट एंड हाउसिंग डेवलपमेंट ऑफ टूरिज्म आर्ट एंड स्कल्पचर स्पोर्ट्स एंड यूथ अफेयर्स, झारखंड सरकार, सुनील कुमार, निदेशक हायर एजुकेशन एवं टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट झारखंड सरकार, सैयद रियाज अहमद, अंडर सेक्रेटरी, हायर एजुकेशन एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट, झारखंड सरकार और डॉ तपन कुमार शांडिल्य, कुलपति डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची की गौरवमई उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस उदघाटन सत्र की शुरूआत स्वागत संबोधन के साथ डॉ. तपन कुमार शांडिल्य, कुलपति, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने आए हुए मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने डिजिटल युग में नई चुनौतियों के विषय में चर्चा की उन्होंने कहा कि विज्ञान संगठनों के लिए अवसर के तीन बड़े क्षेत्र दिखाई देते हैं। इसके विषय में उन्होंने विस्तृत मत रखे। इसके अतिरिक्त उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित अनेक पक्षों पर अपनी बात रखी।

इसके उपरांत विषय प्रवेश कराते हुए सुनील कुमार, निदेशक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखंड ने अपने संबोधन में कहा कि आज 20 वें ऑल इंडिया कॉन्फ्रेंस हेड्स एंड साइंस म्यूजियम एंड सेंटर्स का आयोजन झारखंड के इस पावन धरती पर किया जा रहा है जो कोविड महामारी के बाद कई वर्षों बाद आयोजित हो रहा है। संगोष्ठी से जो विचार आएंगे उनके आधार पर हम एक बेहतर विज्ञान केंद्रीय संग्रहालय बनाने में तत्पर हो सकेंगे।

उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि सुदीव्य कुमार, मंत्री हायर एजुकेशन एंड टेक्निकल एजुकेशन, डिपार्मेंट अर्बन डेवलपमेंट एंड हाउसिंग , डेवलपमेंट ऑफ टूरिज्म, आर्ट एंड कल्चर, स्पोर्ट्स एंड यूथ अफेयर्स, झारखंड सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि लगभग साढ़े चार वर्षों के बाद यहां पर भारत के अलग-अलग प्रदेशों के विशेषज्ञों का जुटान हुआ है। उन्होंने अपने विज्ञान संग्रहालय एवं तारामंडल में किए गए अनुभवों को साझा किया तथा बिरला तारामंडल, कोलकाता का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि आजकल के बच्चे अनेक सरकारी पदों पर जाकर अधिकारी बनना चाहते हैं किंतु कोई भी बच्चा वैज्ञानिक नहीं बनना चाहता। विशेष रूप से हम बच्चों को दो डाइमेंशन पुस्तकों की लंबाई और चौड़ाई के रूप में प्रदान करते हैं तीसरे डायमेंशन के रूप में उसकी गहराई को देखा जाना चाहिए जो ऐसे ही विज्ञान केन्द्रों एवं विज्ञान संग्रहालयों के मध्य से निकलकर आता है। उन्होंने चौथे डाइमेंशन की चर्चा करते हुए कहा कि जब विज्ञान के विद्यार्थी संग्रहालय में जाकर घटनाओं के साक्षी के रूप में कार्य करेंगे तब चौथ डाइमेंशन में वह पहुंच जाएंगे। वे आगे बताते हैं कि डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में सीखने के तरीकों में बदलाव होना अवश्यम्भावी है ऐसे में विज्ञान के विद्यार्थियों के पास विज्ञान में करियर बनाने के लिए क्या अवसर उपलब्ध हैं, इस विषय में भी बात की जानी चाहिए।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए अरिजीत दत्त चौधरी जो नेशनल काउंसिल साइंस एंड म्यूजियम कोलकाता के वर्तमान निदेशक भी हैं, ने विज्ञान एवं संग्रहालय की महत्ता को बताते हुए अपने अनुभवों को साझा किया उन्होंने बताया कि उन्होंने बीआईटी, मेसरा से 1985 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इस काउंसिल के अंतर्गत 26 प्रोजेक्ट विज्ञान एवं संग्रहालय को लेकर चल रहे हैं। लगभग 25 अन्य प्रोजेक्ट अलग-अलग राज्यों एवं राज्य सरकारों के अंतर्गत संचालित हैं तथा लगभग 29 से अधिक प्रोजेक्ट भारत से बाहर संचालित हैं। उदघाटन सत्र का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। अंडर सेक्रेट्री, हायर एजुकेशन एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के सैयद रियाज अहमद द्वारा किया गया जिसमें उन्होंने आए हुए संबद्ध समस्त अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा डिजिटल युग पर एवं इसकी चुनौतियों पर अपने विचारों को रखा। इसी के साथ संगोष्ठी का उदघाटन सत्र समाप्त हुआ। प्रथम दिन दूसरे सत्र में कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इस कार्यशाला का दूसरे दिन 15 फरवरी को भी देश के विभिन्न हिस्सों से आए शिक्षाविदों ने तकनीकी सत्र में भागीदारी की। तीसरे दिन 16 फरवरी को तकनीकी सत्र और समापन सत्र आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के विज्ञान केंद्रों के प्रमुख व उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग झारखंड सरकार के पदाधिकारी शामिल हुए। समापन सत्र में आज डीएसपीएमयू के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य, झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डीके सिंह, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद के महानिदेशक एडी चौधरी व उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखंड सरकार की उपनिदेशक विभा पांडेय, डीएसपीएमयू की रजिस्ट्रार डॉ नमिता सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित थे।

कांग्रेस ही कर सकती है झारखंड की भलाई : केशव

रणधीर गुप्ता सैकड़ो समर्थकों के साथ कांग्रेस में हुए शामिल

बिभा संवाददाता

रामगढ़। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश रविवार को रामगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ता मिलन समारोह में शिरकत किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के पुराने नेता रणधीर गुप्ता और उनके समर्थकों को दोबारा कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड की भलाई सिर्फ कांग्रेस ही कर सकती है। यहां की जनता के सुख दुख में कांग्रेस ने ही साथ दिया है। इसलिए यहां की नस-नस में कांग्रेस बसी हुई है। उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड में कांग्रेस को छोड़कर दूसरे दलों में हुए नेता और कार्यकर्ता वापस वापस लौट रहे है। आज रामगढ़ का होनहार और ऊजार्वान साथी रणधीर गुप्ता अपने साथियों के साथ घर वापसी कर रहे है। रंधीर गुप्ता ने पार्टी में रहकर मजदूर और विस्थापितों के लिए लंबा संघर्ष किया है। जिसका उदाहरण अरगड्डा कोलियरी है।

मंत्रियों और विधायकों के कार्यकाल की होगी समीक्षा

रामगढ़ पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्रियों और विधायकों के कार्यों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हर किसी के कार्यकाल की समीक्षा होगी। हालांकि अभी सरकार के गठन हुए कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन फिर भी यह जरूरी है।

मैं अगल होकर भी, कांग्रेस पार्टी से अलग नहीं हो पाया : रणधीर

रणधीर गुप्ता पहले कांग्रेस पार्टी में ही थे। 2019 में उन्होंने इस्तीफा देकर आजसू पार्टी का दामन थामा था। रविवार को घर वापसी के दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस छोड़ने के बावजूद वे कांग्रेस से अलग नहीं हो पाए। अब मैं दुगनी ताकत के साथ कांग्रेस पार्टी को मजबूत करूंगा और कोलियरी के मजदूरों के लिए लड़ाई लड़ूंगा। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व मंत्री प्रदीप बालमुचू, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, गो रक्षा समिति के चेयरमैन राजीव रंजन, प्रदेश प्रवक्ता रियाज अहमद, डॉ. राकेश किरण, बलजीत सिंह बेदी, बजरंग महतो, शांतनु मिश्रा आदि मौजूद थे।

इन लोगों ने कांग्रेस का दामन

इस मौके पर हसीबुल अंसारी, अशोक कुमार, सदानंद सिंह, सुरेंद्र मुंडा, गोरी मुंडा, हुसैन खान, फिरोज खान, राहुल प्रसाद, सलीम अंसारी, पिंकी देवी, रजनी देवी, शांति देवी, शीला देवी, रीना देवी, ममता देवी, कलीम अंसारी, विकास प्रजापति, कृष्ण नायक, आकाश प्रजापति, पिंटू भइया, रिंकू भइया, अंजना देवी, पूजा देवी, हिना खान, आरती देवी, मीनू खातून, गुड़िया देवी, झरिया खातून, सविता देवी, मोना देवी सहित सैकड़ो लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली।

उपायुक्त ने आगामी परीक्षाओं को लेकर छात्राओं को दिये टिप्स, डिनर का भी लिया आनंद

बिभा संवाददाता

पलामू : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन शनिवार शाम अचानक चैनपुर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पहुंचे।इस दौरान उन्होंने विद्यालय की बच्चियों संग चौपाल के जरिये हाल जाना और आगामी परीक्षाओं को लेकर कई जरूरी टिप्स दिये।उन्होंने कई बच्चियों से संवाद स्थापित कर पढ़ाई में आ रही कठिनाइयों से अवगत होते हुए उन कठिनाइयों से कैसे पार पाना है इसके गुर बताये।इस दौरान उन्होंने छात्राओं से स्पष्ट रूप से कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिये मेहनत तो अत्यंत आवश्यक है और मेहनत का दूसरा कोई शार्टकट नहीं होता।उन्होंने आगामी भविष्य में विषय चयन करने,अपना गोल सेट करने,इंटरेस्ट के अनुसार स्ट्रीम चुनने आदि विषयों पर बच्चियों के मार्गदर्शन किया।इसके अलावे उपायुक्त ने वार्डन से विद्यालय के संपूर्ण व्यवस्था की भी जानकारी ली।उपायुक्त श्री रंजन ने मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्राओं से विशेष संवाद किया।इस दौरान सिविल सर्जन डॉ अनिल ने उक्त छात्राओं को मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम पास करने से संबंधित कई टिप्स दिये।इसके अलावे मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन व सदर एसडीएम सुलोचना मीणा द्वारा भी बच्चियों का करियर काउंसलिंग किया गया।बच्चियों संग संवाद के पश्चात सभी पदाधिकारियों ने विद्यालय में रात्रि भोज का भी आनंद लिया।इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी,वार्डन समेत अन्य उपस्थित रहे।

जिले के उपायुक्त श्री रंजन कस्तूरबा की बच्चियों के शिक्षा के प्रति पूर्व से ही गंभीर हैं।उपायुक्त के पहल से ही जिले में सितंबर माह 2024 से ही ₹सपनों की उड़ान₹ प्रोजेक्ट प्रारंभ किया गया है जिसके तहत 150 छात्राओं को इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की तैयारी करवायी जा रही है।छात्राओं को 75-75 की संख्या में दो समूहों में बांटा गया है।75 छात्राएं इंजीनियर जबकि 75 छात्राएं मेडिकल की तैयारी कर रही हैं। इंजीनियरिंग की कोचिंग करने वाले छात्राओं को सदर कस्तूरबा जबकि मेडिकल की कोचिंग करने वाली छात्राओं को चैनपुर कस्तूरबा में रखा गया है।इन बच्चियों में पढ़ाई के प्रति मोटिवेशन का प्रसार करने के उद्देश्य से 20 सितंबर को मेदिनीनगर के टाउन हॉल में सुपर 30 फिल्म भी दिखाया गया है।इसके अतिरिक्त इन बच्चियों के तैयारियों का विभिन्न स्तर पर मॉनिटरिंग किया जा रहा है।

नव नामांकित प्रशिक्षु महिला गृह रक्षकों का पारण परेड समारोह का आयोजन

दुमका। झारखंड गृह रक्षा वाहिनी क्षेत्रीय प्रशिक्षण कैंप, नकटी में विभिन्न जिलों से आए 246 नव नामांकित प्रशिक्षु महिला गृह रक्षकों का 63 दिवसीय प्रशिक्षण उपरांत पारण परेड समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि महानिदेशक सह महासमादेष्टा झारखंड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा झारखंड रांची अनिल पलटा एवं विशिष्ट अतिथि संताल परगना प्रमंडल के पुलिस उप-महानिरीक्षक अंबर लकड़ा उपस्थित हुए। प्रशिक्षण के बाद परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक अर्जित कर पहले स्थान पर रागनी कुमारी, दूसरे स्थान पर पार्वती कुमारी एवं तीसरे स्थान पर रही कविता कुमारी को सम्मानित किया गया। बेस्ट फायरिंग का अवार्ड पहले स्थान पाने वाली नेहा कुमारी, दूसरा स्थान अंजलि कुमारी एवं तीसरे स्थान पर पूनम कुमारी एवं कविता कुमारी सभी को मोमेंटो देखकर पुरस्कृत किया गया। वही बेस्ट परेड कमांडर का अवार्ड डोली कुमारी व पार्वती कुमारी को मिला। प्रशिक्षण के दौरान सबसे अनुशासित गृहरक्षक का अवार्ड श्रेया व सीमा कुमारी को मिला। मंच का संचालन जिला समादेष्टा सह प्रशिक्षण प्रभारी सतीश कुमार पाठक ने किया। इस अवसर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनय मेहता, जिला समादेष्टा, देवघर आशीष मिश्रा, जिला समादेष्टा, साहिबगंज सूरज कुमार, जिला समादेष्टा, गोड्डा जितेंद्र कुमार सिंह, निरीक्षक मृत्युंजय कुमार मिश्र आदि उपस्थित थे।

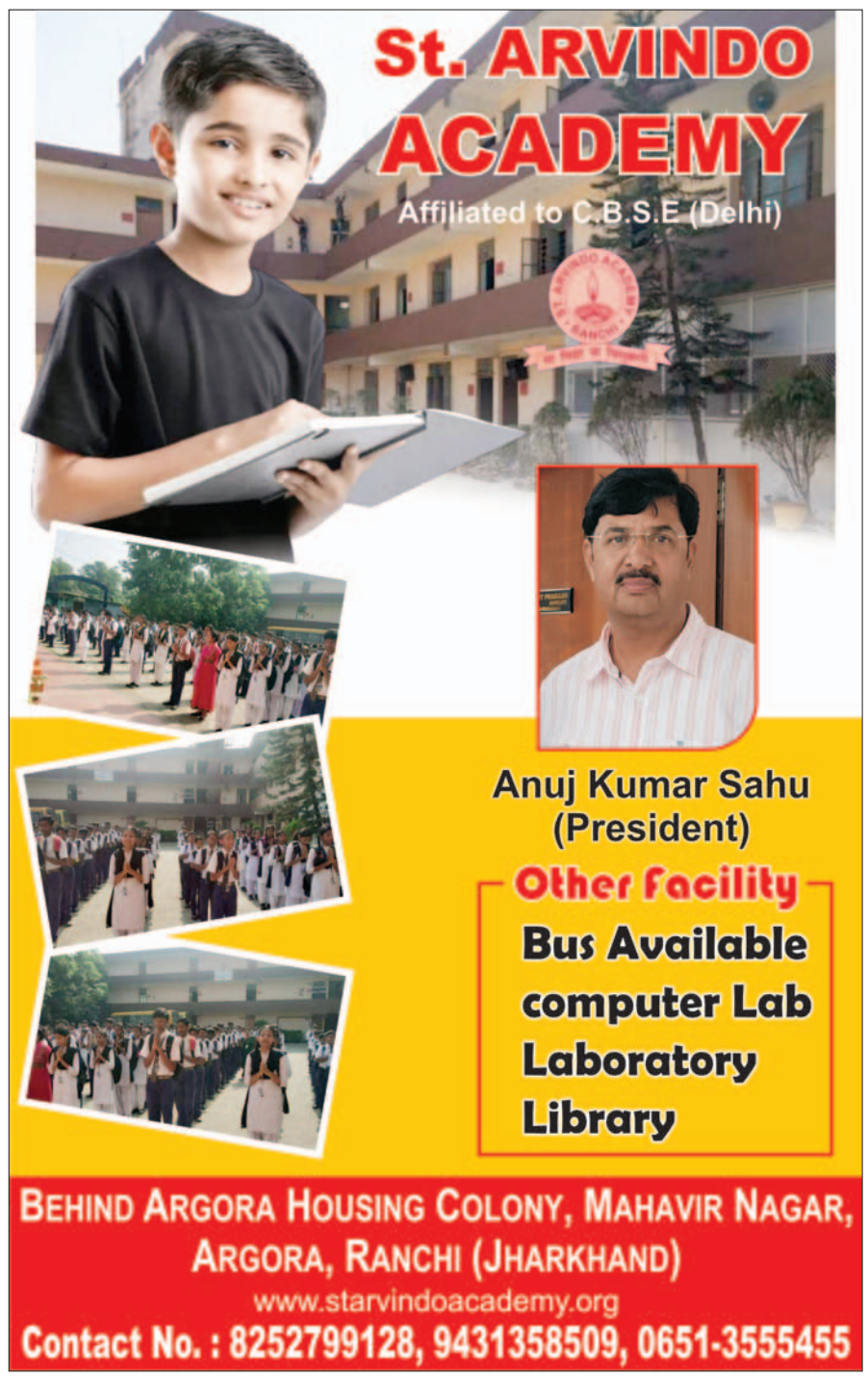

पटना में होगा सेपकटकरा वर्ल्ड कप, 20 देशों के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बिभा संवाददाता

पटना/रांची : सेपक टकरा वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन बिहार में किया जाएगा. यह प्रतियोगिता दिनांक 20 से 25 मार्च तक पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित होंगी.

पटना में आयोजित हो रही यह प्रतियोगिता इंटरनेशनल सेपक टकरा फेडरेशन की अधिकृत प्रतियोगिता होंगी जिसमे 18 देशों की टीम भाग लेगी. वर्ल्ड चैंपियनशिप में तकरीबन 800 खिलाडी और तकनीकी पदाधिकारी भाग लेंगे.

आज यहाँ बिहार स्टेट स्पोर्ट्स अथॉरिटी एवं सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बीच इस वर्ल्ड चैंपियनशिप को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए.इस दौरान बिहार खेल प्राधिकरण के महानिदेशक श्री रविंद्रन शकरण (आई पी एस) मौजूद थे जिनके द्वारा संयुक्त रूप से एम ओ यू पर हस्ताक्षर किये गए.

बिहार सरकार इस आयोजन का टाइटल स्पोंसर होंगी

इस अवसर पर अपने उदगार व्यक्त करते श्री शंकरण ने कहाँ की बिहार में आयोजित किये जा रहें इस वर्ल्ड चैंपियनशिप के दूरगामी परिणाम निकलेंगे और बिहार में इस खेल के विकाश के नये मार्ग स्थापित होंगे.उन्होंने कहाँ की अगले एक वर्ष तक जिन वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय टीम भाग लेगी उन सभी के खिलाड़ियों के किट पर बिहार का लोगो छपा रहेगा. इसके अलावे खिलाडी, कोच और तकनीकी पदाधिकारियों के हर स्तर पर स्किल में सुधार के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर और सेमिनार का आयोजन भी सेपक टकरा फेडरेसन ऑफ इंडिया के द्वारा किया जाएगा.

सेपक टकरा फेडरेसन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट श्री योगेंद्र सिंह दहिया जी ने खेलो के विकास के प्रति बिहार सरकार के द्वारा उठाये जा रहें कदमो की भूरी भूरी प्रशंसा की.उन्होंने कहाँ की सरकार के द्वारा जिला स्तर पर मल्टीपर्पस इंडोर स्टेडियम बनाये जा रहें है. जिनमे प्रशिक्षण प्राप्त कर खिलाड़ियों के स्तर में सुधार आएगा और वे बिहार के लिए अधिकाधिक पदक जीत पाएंगे. उन्होंने कहाँ की थाईलैंड में इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले दल का प्रशिक्षण चल रहा है जिसमें बिहार का एक प्रतिभावान खिलाडी भी शामिल है जिसने कई वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है.

इस एम ओ यू के अवसर पर सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ बिहार के प्रेसिडेंट संतोष कुमार जमुआर , सचिव श्री विजय कुमार शर्मा सहित सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के सचिव उदय साहू और कोषाध्यक्ष शिवेंद्र दुबे, खिलाडी और विभिन्न खेल संघो के पदाधिकारी मौजूद थे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com